ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस आलाकमान को यह जांच करनी चाहिए कि कर्नाटक कांग्रेस में क्या समस्या है..@ नम्मा बेंगलूरु


Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 18 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-136


## संसद से पारित वक्फ कानून पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट आमादा

**वक्फ कानून** के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल करने की होड़ कल समाप्त हो गई, जब खुद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अखबारों में नाम छपवाने के लिए याचिकाएं दाखिल करने की होड़ मची है, लिहाजा अब याचिकाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। सुप्रीम कोर्ट वक्फ कानून को लेकर 20 मई को सुनवाई करेगी, जबकि यह विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित होकर कानून बन चुका है। सुप्रीम कोर्ट के इस अति-सक्रियतावादी रवैये के खिलाफ पूरे देश में आक्रोश व्याप्त है।

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में 70 से अधिक याचिकाएं दर्ज हैं। इनमें से 10 याचिकाओं पर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने दो दिन की सुनवाई के बाद संशोधित कानून पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन एक अंतरिम आदेश अवश्य दिया। इसमें केंद्र सरकार के आग्रह पर उसे इस मुद्दे पर दाखिल याचिकाओं का जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया। साथ ही, अगली सुनवाई तक रजिस्टर्ड वक्फ बाइ यूजर में कोई बदलाव न करने और वक्फ बोर्ड में नई नियुक्तियां न करने के निर्देश हैं। हालांकि, केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल ने यह आश्वासन सुनवाई शुरू होते ही दे दिया था। अब बीआर गवई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बन चुके हैं।

अगली सुनवाई पर न्यायालय जो भी निर्णय दे, लेकिन इस मामले में कांग्रेस एक बार फिर पूरी तरह से बेनकाब हो गई है। वक्फ संशोधन कानून का विरोध तो अन्य दल भी कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस में इस मुद्दे पर

# देश को रसातल में ले जाने पर आमादा तुष्टिवादी कांग्रेस

इंडी गठबंधन के अन्य सहयोगियों पीछे छोड़ देने की होड़ दिखी है। तुष्टिकरण में जुटी कांग्रेस को देखते हुए यह आरोप निराधार नहीं लगता कि वह देश का इस्लामीकरण करने वाली शक्तियों के साथ खड़ी है। साथ ही, उन आशंकाओं को भी आधार मिलता है कि कांग्रेस का मुस्लिम प्रेम आम मुसलमानों, महिलाओं के लिए न होकर कट्टरपंथी मुस्लिमों तक ही सीमित है। इस कानून के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल याचिकाओं में कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी की दिलचस्पी और भूमिका इस बात की पुष्टि करती है कि मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस किसी भी हद तक जा सकती है।

### शुभ-लाभ विमर्श

सिब्बल और सिंघवी जैसे महंगे वकील अक्सर हिंदू और सनातन संस्कृति विरोधी मुकदमे लड़ते हैं तो कभी आतंकवाद के आरोपियों के पक्ष में दलीलें देते हैं। लेकिन मुस्लिम महिलाओं के उत्पीड़न और खाड़ी देशों में फंसे मुस्लिम युवकों की वापसी के लिए इनका हृदय नहीं तड़पता। स्पष्ट है कि कांग्रेस का उद्देश्य मुस्लिमों का कल्याण नहीं, सिर्फ मुस्लिम वोटों की बदौलत सत्ता का रास्ता आसान बनाने की कोशिश करना है। कांग्रेस इसलिए भी कठघरे में है, क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा से वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के अगले ही दिन 4 अप्रैल को इसके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में सबसे पहले जिन दो लोगों की याचिका पहुंची,

▶10 पर

### पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का कबूलनामा

# हां, भारत ने नूर खान समेत कई एयरबेस नष्ट किए

**इस्लामाबाद, 17 मई (एजेंसियां)।** तमाम झूठ बोलने और गढ़ने के बाद पाकिस्तान ने भारत द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस और अन्य आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की बात आखिरकार स्वीकार कर ली है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कबूल किया है कि भारत की सेना ने रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस समेत कई स्थानों को तबाह किया।

पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पहले पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर उन्हें तबाह किया। इसके बाद पाकिस्तान ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय भारत पर ही मिसाइल और ड्रोन दागे, जिनमें से अधिकांश मार गिराए गए। इसके बाद भारत ने कार्रवाई कर पाकिस्तान के कई एयरबेस ध्वस्त कर डाले। भारत ने रावलपिंडी के नूर खान, पंजाब के रहीम यार खान, सरगोधा समेत 11 प्रमुख एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलों से जवाब दिया। भारतीय हमले में पाकिस्तान के नौ एयरबेस को भारी नुकसान पुहंचा। लेकिन पाकिस्तान इसे लगातार नकार रहा था। यहां तक कि संसद में वहां के विदेश मंत्री समेत कई नेताओं ने झूठ बोले और भारत को ही भारी नुकसान पहुंचाने की बात कहते रहे।

### हमले की रात ढाई बजे ही आया था जनरल मुनीर का फोन

### बलूचिस्तान आजाद होने की घोषणा से भी शहबाज चिंतित

लेकिन अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नूर खान एयरबेस पर भारत के हमले की बात स्वीकार कर ली है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया है कि 10 मई की रात को करीब ढाई बजे सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने सेफ लाइन से उन्हें कर बताया था कि भारत की बैलिस्टिक मिसाइलों ने नूर खान एयरबेस समेत कई इलाकों को भारी नुकसान पहुंचाया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के हमलों में मारे गए पाकिस्तानी सैनिकों के लिए पाकिस्तान में आयोजित धन्यवाद दिवस (यौम-ए-तशाकुर) पर प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा, सिपहसालार असीम मुनीर ने मुझे 9 और 10 मई की दरमियानी रात को करीब 2:30 बजे सिक्योर्ड लाइन पर फोन कर बताया कि हिंदुस्तान ने

▶10 पर

### पाकिस्तान का असली चेहरा बेनकाब करेगी सात टीमें

# 40 सांसदों की फौज विदेश कूच करेगी

**नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।** जंग के मैदान में पाकिस्तान को घुटने पर लाने के बाद भारत अब एक अहम रणनीति के तहत पाकिस्तान के आतंक समर्थक चेहरे को दुनिया के सामने लाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने 40 सांसदों की सात टीम बनाई है, जिसमें विपक्षी दल के भी सांसद है, जो विदेशों का दौरा कर वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान की पोल खोलेंगे। प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा 22 मई के बाद शुरू होने वाला है। सांसदों की सात टीमों में से एक टीम का नेतृत्व करने के लिए कांग्रेस नेता शशि थरूर का चयन किए जाने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी नाराज हैं। कांग्रेस नेता की नाराजगी का कारण यह है कि शशि थरूर का नाम पार्टी की तरफ से भेजा ही नहीं गया था। राहुल गांधी को गौरव गोगोई जैसे सांसद पसंद हैं, जिनकी पत्नी एलिजाबेथ के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से लिंक हैं और ऑपरेशन सिंदूर प्रारंभ होने के पहले खुद गौरव गोगोई 15 दिन पाकिस्तान रह कर आए हैं। शशि थरूर का नाम तय होने से राहुल गांधी का व्यक्तित्व-भय एक बार फिर उजागर हुआ है।

### सात टीमों के लीडर तय, थरूर से राहुल को व्यक्तित्व भय

### राहुल गांधी ने भेजा पाक-लिंक वाले कांग्रेस सांसद का नाम

पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ अपने जीरो टॉलरेंस के संदेश को वैश्विक पटल पर मजबूती से रखने के लिए इस महीने के अंत में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को प्रमुख साझेदार देशों में भेजेगी। संसदीय कार्य मंत्रालय की तरफ से शनिवार को जारी बयान में कहा गया, यह सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के विरुद्ध भारत की सर्वसम्मत और दृढ़ रणनीति को दुनिया के सामने रखेगा। वे आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ भारत के सख्त रुख का संदेश लेकर जाएंगे।

▶10 पर

### कटड़ा-श्रीनगर रेलवे ट्रेक की हो रही 24 घंटे निगरानी

## आतंकियों के निशाने पर है संवेदनशील रेल लाइन

**जम्मू, 17 मई (ब्यूरो)।** आधिकारिक तौर पर कटड़ा से कश्मीर तक रेल अभी नहीं चलाई गई है, पर इस रेल लाइन पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़े खतरे को देखते हुए इसकी सुरक्षा और निगरानी पुख्ता कर दी गई है। अब इस संवेदनशील रेल लाइन की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। रेलवे पुलिस के साथ-साथ अन्य सुरक्षा बलों को चप्पे- चप्पे पर तैनात करने के साथ ही निगरानी के लिए ड्रोन का भी सहारा लिया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि कटड़ा से संगलदान तक रेलवे ट्रैक की ताजा सुरक्षा जांच पूरी हो गई है और कश्मीर घाटी के लिए ट्रेन सेवा शुरू करने से पहले मार्ग को पूरी तरह सुरक्षित करने के लिए कुछ संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल तैनात किए जा रहे हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ट्रैक की ताजा सुरक्षा जांच की गई है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक पर अतिरिक्त जीआरपी कर्मियों को तैनात किया जा रहा है, जबकि चेनाब नदी पर दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल और अंजी खड्ड पर भारत के पहले केबल-स्टड पुल सहित सुरंगों और पुलों की सुरक्षा पर्याप्त पाई गई है। सभी सुरंगें सीसीटीवी निगरानी में हैं और पुलों के साथ-साथ चेनाब और अंजी खड्ड पर भी चौबीस घंटे गश्त की जाएगी। खुले रेलवे ट्रैक पर कुछ समस्याएं देखी गई हैं,

▶10 पर

### बर्बादी की कगार पर आम आदमी पार्टी

## आपा को छोड़ गए 15 पार्षद

**नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।** दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आपा) को शनिवार को बहुत बड़ा झटका लगा। पार्टी के 15 पार्षदों ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) से इस्तीफा दे दिया है। दिल्ली में जल्द ही मेयर का चुनाव होना है हालांकि आपा ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वह मेयर का चुनाव नहीं लड़ेगी। 15 पार्षदों ने पार्टी को इस्तीफा सौंप कर इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के नाम से नए दल के गठन की घोषणा भी कर दी है। नए दल का नेतृत्व हेमचंद गोयल करेंगे। इस्तीफा देने वाले पार्षदों में मुकेश गोयल, हिमानी जैन, देवेंद्र कुमार, राजेश कुमार लाडी, सुमन अनिल राणा और दिनेश भारद्वाज आदि नेता शामिल हैं। पार्षदों की ओर से जारी किए गए आधिकारिक पत्र में कहा गया है

▶10 पर

### उपराष्ट्रपति धनखड़ ने देशवासियों से की अपील

## सोच-समझकर किसी देश से व्यापार या पर्यटन करें

**नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)**

। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों से अपील की है कि वे सोच-समझकर ही किसी देश से व्यापार या पर्यटन करें। भारत के खिलाफ काम करने वाले देशों को किसी भी रूप में आर्थिक मदद न दी जाए, यही समय की मांग है। उपराष्ट्रपति कहा कि भारतीय लोग ऐसे देशों की अर्थव्यवस्था को मदद नहीं दे सकते जो भारत के हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं। इसका मतलब यह है कि हमें ऐसे देशों से सामान खरीदने (आयात) या वहां घूमने (पर्यटन) से बचना चाहिए जो भारत विरोधी रुख अपनाते हैं। उनका यह बयान उस समय आया है जब तुर्किये और अजरबैजान के खिलाफ व्यापार और पर्यटन का बहिष्कार चल रहा है। इन दोनों देशों ने हाल ही में पाकिस्तान का साथ दिया, जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया था।एक कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हर व्यक्ति को देश की सुरक्षा में सहयोग देना चाहिए। खासकर व्यापार, वाणिज्य, और उद्योग जैसे क्षेत्र सुरक्षा मामलों में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

▶10 पर

### शेयर मार्केट

बीएसई : 82,330.59
-200.15 -0.24% ↓

एनएसई :25,019.80
-42.30 (-0.17%) ↓

### मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35°
न्यूनतम : 24°

### विदेश जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल ओवैसी ने कहा

# मानवता के लिए खतरा बन गया है पाकिस्तान

**हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर पाकिस्तान को लताड़ लगाई है। ओवैसी ने कहा, पाकिस्तान मानवता के लिए खतरा बन गया है। वह आतंकवादियों को ट्रेनिंग, फंडिंग और हथियार दे रहा है। पाकिस्तान भारत की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करना चाहता है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से असदुद्दीन ओवैसी लगातार पाकिस्तान पर बरस रहे हैं।

एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तानी डीप स्टेट और पाकिस्तानी सेना का उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह करना और समुदायों में बंटवारा कराना है। गौरतलब है कि ओवैसी को भी सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। इस पर उन्होंने कहा कि वे विदेशी सरकारों के सामने पाकिस्तान को बेनकाब करेंगे। ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान खुद को इस्लाम और सभी मुसलमानों के रहनुमा के तौर पर पेश करता है, लेकिन यह पूरी तरह से बकवास है। भारत में भी 20 करोड़ मुसलमान हैं और वे पाकिस्तान की कार्रवाई की आलोचना करते हैं।

हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने कहा, पाकिस्तान 1948 से ही भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है और अभी भी वह इसी में लगा हुआ है और मुझे नहीं लगता कि वह कभी ऐसा करना बंद करेगा। भारत सरकार को पाकिस्तान का विरोध करना चाहिए, लेकिन कश्मीरियों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया को इस बारे में बताया जाएगा कि पाकिस्तान समर्थित

आतंकवाद लंबे समय से निर्दोष लोगों की जान ले रहा है। भारत पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का पीड़ित है। हमने पूरा तमाशा देखा है और जिया उल हक के समय से लोगों को मारा जा रहा है। ओवैसी ने कहा, भारत को पाकिस्तान की आतंकवाद की नीति को उस समय समझ जाना चाहिए था, जब उसने आजादी के तुरंत बाद कबीलाई घुसपैठियों को जम्मू कश्मीर भेजा था। पाकिस्तान तब से ही ये तमाशा कर रहा है और रुकने का नाम नहीं ले रहा है, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले से भारत के सब्र का पैमाना छलक गया है। ओवैसी ने कहा, अभी तक मुझे पता है कि मैं जिस ग्रुप में हूं, उसका नेतृत्व मेरे अच्छे दोस्त बैजयंत पांडा करेंगे। मुझे लगता है कि इसमें निशिकांत दुबे, फंगनन कोन्याक, रेखा शर्मा, सतनाम सिंह संधू और गुलाम नबी आज़ाद शामिल होंगे। मुझे लगता है कि हम जिन देशों में जाएंगे, वे हैं यूके, फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी, इटली और डेनमार्क। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, पाकिस्तानियों ने शायद ही कभी मुझ जैसा बेबाक और हैंडसम कोई देखा हो। वे सिर्फ मुझे ही देखते हैं। उन्हें मुझे सुनते रहना चाहिए, इससे उनकी जानकारी बढ़ेगी और उनकी गलतफहमियां दूर होंगी।ओवैसी ने कहा, पाकिस्तान की अमेरिका के साथ ट्रेड सिर्फ 10 बिलियन डॉलर की है, जबकि भारत की अमेरिका के साथ 150 बिलियन

▶10 पर

### कार्टून कॉर्नर

# 2 दिवसीय पहचान सीजन 4 शॉपिंग प्रदर्शनी कल से

### तैयारियां जोरों पर

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
वी वी पुरम स्थित होटल त्रिशला रेजीडेंसी में मातृछाया जैन महिला संगठन की ओर से पहचान सीजन 4 शॉपिंग प्रदर्शनी का 2 दिवसीय आयोजन सोमवार से होगा।

जिसका उद्घाटन मुख्य प्रायोजक मोवन बिल्ड प्रो. के मोवनदेवी घेवरचंदजी सुजानी द्वारा किया जायेगा।

मोवनदेवी घेवरचंदजी सुजानी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने एवं उन्हें व्यवसाय में आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। इस प्रकार की पहल समाज के भीतर सहयोग और समर्थन की भावना को भी सुदृढ़ करती है। मातृछाया की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि प्रातः 10 बजे से रात 7 बजे तक चलने वाले इस प्रदर्शनी में डिजाइनर सारीस, फैशनेबल ड्रेसेस, इमीटेशन ज्वेलरी, गिफ्ट हेम्पर्स, सजावट की आइटम्स, महिला एक्सेसरीज, आकर्षक महिला बैग एवं पर्स, श्रृंगार सामग्री, हैंडलूम्स के स्टाल्स लगाए जाएंगे। संयोजिका पुष्पा बाफना एवं सह संयोजिका मोनिका पालरेचा ने बताया कि यहां करीब 40, 45 स्टॉल्स के साथ ही खान पान एवं मनोरंजन हेतु स्टाल्स भी लगाए जाएंगे।

मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि 'मातृछाया' के साधर्मिक संगम की पहल के अंतर्गत इस प्रदर्शनी में स्टॉल्स लगाने वालों को स्टॉल निःशुल्क प्रदान किए गए हैं।

इस पहल का उद्देश्य लघु एवं मध्यम वर्ग के उद्यमियों को अपने व्यापार और उत्पादों को समाज के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु एक सशक्त मंच प्रदान करना है। प्रदर्शनी की नियोजक नीलम ललवानी ने बताया कि यह प्रदर्शनी केवल एक व्यापारिक मंच नहीं, बल्कि मानवता, प्रेम और सहयोग का प्रतीक है। मातृछाया संगठन की पूरी टीम एकजुट होकर कार्य कर रही हैं। प्रदर्शनी के दौरान हर घंटे में लकी ड्रॉ निकाला जाएगा।

# आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय में एक हजार की वृद्धि

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
सरकार ने आशा कार्यकर्ताओं के मासिक मानदेय में 1,000 रुपये की वृद्धि करने का आधिकारिक आदेश जारी किया है। यह 2025-26 के बजट भाषण के भाग के रूप में घोषित एक प्रमुख संकल्प है।

राज्य सरकार ने 2025-26 के बजट में इसकी घोषणा की थी। इस घोषणा के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में कार्यरत ऐसे स्वास्थ्य उप-केन्द्रों और आशा कार्यकर्ताओं को टीम-आधारित प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा, जिन्हें आयुष्मान स्वास्थ्य केन्द्रों में अपग्रेड नहीं किया गया है।

इसके परिणामस्वरूप मानदेय में 1 हजार रुपये की वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अवर सचिव द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, टीम आधारित प्रोत्साहन प्रदान करके आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय में 1,000 रुपये की वृद्धि की जाएगी, जैसा कि 2025-26 के बजट के खंड 148 में घोषणा की गई है।

राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति हजार की जनसंख्या पर एक आशा कार्यकर्ता तथा शहरी क्षेत्रों में प्रति ढाई हजार की जनसंख्या पर एक आशा कार्यकर्ता की नियुक्ति की जा रही है। आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 42,524 पद स्वीकृत हैं और राज्य में वर्तमान में 41,000 आशा कार्यकर्ता काम कर रही हैं।

# बेंगलूरु के थोक कपड़ा व्यापारियों ने तुर्किये, अजरबैजान के साथ व्यापार स्थगित की

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
बेंगलूरु थोक कपड़ा व्यापारी संघ (बीडब्ल्यूसीएमए) ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर पाकिस्तान को हाल ही में दिए गए समर्थन का हवाला देते हुए, तुर्किये और अजरबैजान से कपड़ों के सभी आयात और निर्यात को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है। बीडब्ल्यूसीएमए ने इस संबंध में अपना सर्वसम्मति से निर्णय घोषित किया है। बीडब्ल्यूसीएमए के अध्यक्ष प्रकाश पिरगल ने एक बयान में कहा यह सामूहिक कार्रवाई सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श के बाद और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं, राष्ट्रीय भावना और हमारे व्यापार समुदाय के हितों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप की गई है। कपड़ा व्यापार क्षेत्र में जिम्मेदार हितधारकों के रूप में, हमारा मानना है कि जब आवश्यक हो तो सैद्धांतिक रुख अपनाना आवश्यक है। इसके अनुसार, हमारे सभी सदस्य इस बात पर सहमत हुए हैं। तुर्की और अजरबैजान से कपड़ा वस्तुओं के सभी वर्तमान और भविष्य के आयात को रोकना, इन देशों को सभी चल रही या नियोजित निर्यात गतिविधियों को रोकना, और मध्यस्थों या तीसरे पक्ष के देशों के माध्यम से किसी भी अप्रत्यक्ष व्यापार में शामिल होने से बचना, जिसमें तुर्की और अजरबैजान से उत्पन्न या वहां जाने वाले कपड़ा उत्पाद शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह संकल्प अगली सूचना तक लागू रहेगा, और किसी भी संशोधन को एसोसिएशन के शासी निकाय के माध्यम से आधिकारिक रूप से सूचित किया जाएगा। बीडब्ल्यूसीएमए बेंगलूरु में लगभग 3,000 थोक दुकानों का एक संघ है। इन देशों के साथ हमारा व्यापार करोड़ों रुपये में है, बहुत सारी कपड़ा सामग्री वहां से आती है और निर्यात भी की जाती है। उन्होंने कहा इन दोनों देशों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया है। हम भारत सरकार के साथ खड़े हैं, देश सबसे पहले आता है। याद कीजिए जब तुर्की में भूकंप आया था, तो भारत ने वहां मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए सबसे पहले प्रतिक्रिया दी थी, लेकिन वे पाकिस्तान के साथ खड़े रहे, जिसने हमारे लोगों को मारने के लिए आतंकवादियों को भेजा।

# एयर इंडिया की फ्लाइट में मनाया गया देवेगौड़ा का जन्मदिन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एच.डी. देवेगौड़ा रविवार को 92 वर्ष पूरे कर लेंगे और 93वें वर्ष में प्रवेश करेंगे। गौड़ा अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में रविवार सुबह तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन करेंगे। वह एचएएल हवाई अड्डे से विशेष विमान से तिरुपति जाएंगे। देवेगौड़ा की पत्नी चेनम्मा देवेगौड़ा सहित उनके परिवार के 20 से अधिक सदस्य उनके साथ तिरुपति जाएंगे। गौड़ा और उनका परिवार, जो शनिवार रात तिरुमाला में रुकेंगे, सुबह भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन करेंगे। बाद में एक गेस्टहाउस का उद्घाटन किया जाएगा। गौड़ा दम्पति का सुबह बेंगलूरु लौटने का कार्यक्रम है। देवेगौड़ा के 93वें जन्मदिन के

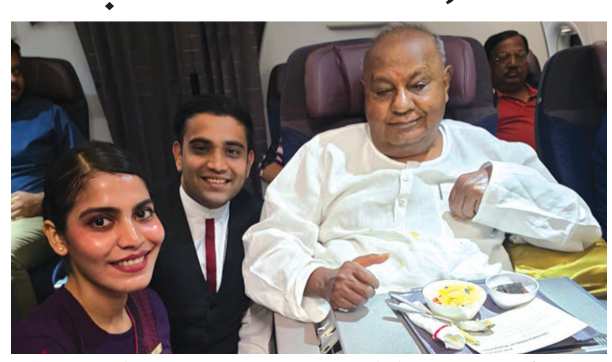

अवसर पर, बेंगलूरु शहर जनता दल (जेडीएस) और इसकी महिला शाखा सुबह मल्लेश्वरम के कडु मल्लेश्वर मंदिर में देवेगौड़ा के नाम पर प्रार्थना करते हुए मृत्युंजय होम करेगी। जेडीएस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस पूजा कार्यक्रम में पार्टी के नेता, विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, पदाधिकारी, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष और कार्यकर्ता भाग लेंगे। एयर इंडिया ने एक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से देवेगौड़ा का जन्मदिन मनाकर उन्हें बधाई दी। शुक्रवार को एयर इंडिया के कर्मचारियों ने 35,000 फीट की ऊंचाई पर गौड़ा का जन्मदिन मनाया, जब वे दिल्ली से बेंगलूरु जा रहे थे, और उन्हें जन्मदिन की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

# अपमानजनक और गाली-गलौज वाला स्क्रॉल लगाने के आरोप में होटल कर्मचारी हिरासत में

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** बेंगलूरु पुलिस ने कोरमंगला के एक होटल के मैनेजर और कर्मचारियों को हिरासत में लिया है, क्योंकि स्थानीय लोगों ने होटल के डिस्प्ले बोर्ड पर कन्नड़ लोगों के खिलाफ अपमानजनक और गाली-गलौज वाला स्क्रॉल पाया था। 16 मई की रात को कन्नड़ कार्यकर्ताओं द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, मादिवाला पुलिस होटल पहुंची और स्क्रॉल को हटा दिया। उन्होंने होटल के मैनेजर और कर्मचारियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। होटल का मालिक केरल का रहने वाला है। उसने विज्ञापन डिस्प्ले बोर्ड बनाने वाले व्यक्ति पर अपमानजनक सामग्री बनाने के लिए शब्दों में हेराफेरी करने का आरोप लगाया।

# कर्नाटक सरकार राज्य में कोई विकास कार्य करने में असमर्थ: येदियुरप्पा

**शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।** कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला बोलते हुए भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि पिछले दो सालों में राज्य में एक भी विकास कार्य नहीं हुआ है। पैसे के बिना सड़क पर एक छोटा सा गड्ढा भी भरना संभव नहीं है। हालांकि, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो दावा कर रहे हैं कि हम बहुत बड़ा विकास कर रहे हैं। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा इस शून्य-विकास सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरना और लड़ना अपरिहार्य है। राज्य भाजपा इकाई के अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र पहले से ही इस भ्रष्ट और गैरजिम्मेदार सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा मैं भी अगले सप्ताह से सड़कों पर उतरूंगा और सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ूंगा। यह पूछे जाने पर कि क्या जनार्दन रेड्डी की पत्नी अरुणा गंगावती उपचुनाव में भाजपा की उम्मीदवार हैं, क्योंकि रेड्डी को सीबीआई अदालत ने जेल की सजा सुनाई थी, येदियुरप्पा ने कहा हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। राज्य सरकार के दो साल पूरे होने के जश्न पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा वे (कांग्रेस) जो भी करना चाहते हैं, उससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है।

# महिला व्यापार समूह द्वारा चौथे कार्यकाल का पहला कार्यालय दर्शन आयोजित

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
जेबीएन वी. कनेक्ट महिला व्यापार समूह ने अपने चौथे कार्यकाल का प्रथम ऑफिस दर्शन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया।

यह कार्यक्रम शंकरपुरम स्थित योग निकेतन आश्रम में आयोजित किया गया, जिसका संचालन फेस योगा इंस्ट्रक्टर मीनाक्षी जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर जे.एल.डब्ल्यू. की मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ एवं समिति सदस्य सारीका जैन की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मीनाक्षी जैन ने

फेस योगा के महत्व और इसके लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि नियमित फेस योगा के अभ्यास से उम्र बढ़ने के लक्षणों में कमी, चेहरे की त्वचा में कसाव, चमक और तनाव में राहत प्राप्त की जा सकती है। साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को फेस योगा का अभ्यास भी कराया। कार्यक्रम में न्यूट्रिशनिस्ट मोक्षा जैन ने भी सहभागिता की और एक संतुलित आहार योजना के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के उपाय बताए। कार्यालय दर्शन कार्यक्रम में कुल 50 सदस्य एवं अतिथि सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का नेतृत्व रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया तथा रेफरल सचिव सुखदेवी जैन ने किया।

जेबीएन वी कनेक्ट टीम एवं जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ की अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना की ओर से सभी सदस्यों को इस सफल आयोजन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** सर्व सिद्धि विनायक गेल्लेयरा बल्लगा रंगनाथ कॉलोनी में श्री बेंगलूरु नगर देवता श्री अन्नम्मा देवी उत्सव का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। मुणोत ने अपने वक्तव्य में वीर सैनिकों को नमन करते हुए कहा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से प्रत्येक भारतीय अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

# कोर्ट ने सिंचाई पंप सेटों के लिए बिजली शुल्क सब्सिडी पर नीति को असंवैधानिक घोषित किया

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सिंचाई पंप सेटों के लिए बिजली शुल्क सब्सिडी पर नीति को असंवैधानिक घोषित किया क्योंकि यह किसानों की समितियों को लाभ से वंचित करती है। न्यायालय ने कर्नाटक सरकार और सभी बिजली आपूर्ति कंपनियों (एस्कॉम) को कृषि बिजली सब्सिडी को नियंत्रित करने वाली मौजूदा नीति ढांचे की समीक्षा, पुनर्विचार और संशोधन करने का निर्देश दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसान समितियों को व्यक्तिगत किसानों के बराबर माना जाए। न्यायालय ने कहा कि अधिकारियों को पंजीकृत किसान समितियों को बिजली शुल्क सब्सिडी देने के लिए उचित समय सीमा, अधिमानतः छह महीने के भीतर, उचित दिशा-निर्देश तैयार करने और अधिसूचित करने चाहिए, ताकि समानता के सिद्धांतों के अनुरूप हो, सहकारी खेती को बढ़ावा मिले और सतत कृषि विकास के व्यापक लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जा सके। न्यायमूर्ति सचिन शंकर मगदुम ने श्रीमंत (तात्या) पाटिल नीरू बालकेदार-ारा संघ के सचिव श्रीशैल इरप्पा केम्पवाड और बेलगावी जिले के अथानी तालुक के रावलनाथ येता नीरू बालकेदारारा संघ के सचिव थम्मन्ना अन्नप्पा पुजारी द्वारा दायर याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए निर्देश जारी किए। अदालत ने कहा कि अधिकारी नीति में संशोधन करते समय प्रति व्यक्ति खपत, या भूमि स्वामित्व, या समाज के प्रति सदस्य कुल बिजली खपत के आधार पर शर्तों के साथ

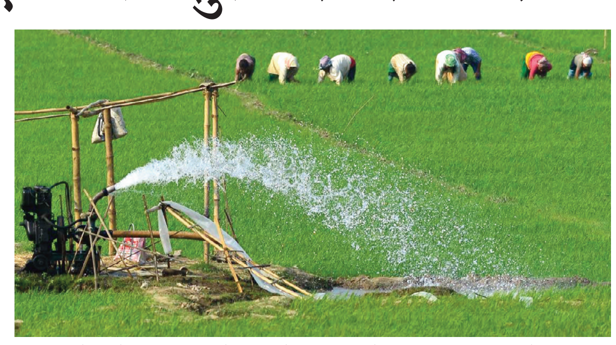

समितियों को सब्सिडी दे सकते हैं। अदालत ने कहा केवल इस आधार पर पंजीकृत किसान समितियों को बिजली सब्सिडी देने से इनकार करना कि उनका सामूहिक उपभोग एक निर्धारित सीमा से अधिक है, असंवैधानिक और मनमाना घोषित किया जाता है। अदालत ने कहा केवल सामूहिक उपभोग के आधार पर व्यक्तिगत किसानों और समितियों के बीच अंतर करने की प्रथा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत कानून के समक्ष समानता के संवैधानिक जनादेश के साथ असंगत पाई गई है। सोसायटियों को सब्सिडी देने से इनकार करना तर्कहीन है, क्योंकि सरकार, जो छोटे और सीमांत किसानों के बीच सहकारी खेती और संसाधन-साझाकरण को प्रोत्साहित करती है, इन सोसायटियों को केवल इसलिए सब्सिडी देने से इनकार नहीं कर सकती क्योंकि उनकी सामूहिक बिजली खपत एक निर्धारित सीमा से अधिक है, भले ही प्रत्येक किसान की प्रति व्यक्ति खपत व्यक्तिगत सब्सिडी पात्रता के लिए निर्धारित सीमा से कम हो। किसानों की सोसायटियों को सब्सिडी देने से इनकार करना उन किसानों को दंडित करने के बराबर है जो सामूहिक रूप से संगठित होते हैं, और सहकारी खेती को हतोत्साहित करता है, जो भारतीय कृषि में दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण पहलू है, क्योंकि इससे लागत कम होती है और दक्षता बढ़ती है। न्यायालय ने कहा कि सरकार कानून के विपरीत व्यक्तिगत किसानों के बिना मीटर वाले सिंचाई पंप सेटों को भी कई हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी कर रही है, जो मीटर लगाकर बिजली की खपत का उचित माप निर्धारित करता है, क्योंकि सब्सिडी केवल प्रत्येक बिना मीटर वाले सिंचाई पंप सेट द्वारा बिजली की अनुमानित खपत के आधार पर एस्कॉम को जारी की जाती है। अदालत ने कहा कि अनुमानित खपत के आधार पर बिना मीटर वाले प्रतिष्ठानों के लिए सब्सिडी की अनुमति देने और प्रति व्यक्ति खपत पात्रता सीमा के भीतर होने के बावजूद किसान समितियों को सब्सिडी देने से इनकार करने की वर्तमान प्रथा, वैधानिक और संवैधानिक दोनों ही आदेशों का स्पष्ट उल्लंघन है। अदालत ने कहा कि यह कार्रवाई न केवल कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण है, बल्कि कृषि सब्सिडी के उद्देश्य को भी विफल करती है, सहकारी खेती को हतोत्साहित करती है और बिजली की खपत में अकुशलता और अपव्यय को बढ़ावा देती है।

# डॉ. दिव्या धारीवाल का सम्मान

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर ने शनिवार को फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. दिव्या धारीवाल का सम्मान किया। फिजियो जेनिक्स सेंटर की संचालिका डॉ. दिव्या साध्वी तत्वज्ञा श्री की अनूठी सेवा कर उनके स्वास्थ्य लाभ में सहयोगी बनी। तत्वज्ञा श्री को असहय शारीरिक वेदना थी और चलने, सोने, बैठने में भी पीड़ा होती थी। डॉ. दिव्या ने उनका अपने सेवा सेंटर में 20 दिन इलाज किया और अब साध्वी जी को दर्द में कमी के साथ दैनिक क्रिया में भी राहत महसूस हो रही है। दिव्या ने उन्हें लगातार व्यायाम की प्रेरणा दी। अलसूर संघ की ओर से डॉ. दिव्या धारीवाल का शाल, माला, रजत पदक के साथ अभिनंदन पत्र से सम्मानित कर उन्हें धन्यवाद दिया गया। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा, मंत्री अभय कुमार बांठिया, पूर्व अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया, प्रकाश चंद नाहटा, उगम राज मुथा, हेमंत धारीवाल भी उपस्थित थे। साध्वी ने मंगलपाठ सुनाया।

### राज्य में कई ऐसे प्रवक्ता हैं जो पाकिस्तान का समर्थन करते हैं

# कांग्रेस आलाकमान को यह जांच करनी चाहिए कि कर्नाटक कांग्रेस में क्या समस्या है : एन. रविकुमार

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार ने मांग की है कि कांग्रेस आलाकमान को यह जांच करनी चाहिए कि कर्नाटक कांग्रेस में क्या समस्या है। यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कई ऐसे प्रवक्ता हैं जो पाकिस्तान का समर्थन करते हैं। कोलार के कांग्रेस विधायक मंजूनाथ, मंत्री प्रियांक खड़गे और संतोष लाड पाकिस्तान के पक्ष में बोल रहे हैं। पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया है कि उसके सैन्य ठिकानों और आतंकवादी केंद्रों पर हमला हुआ।

उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तानी सरकार ने अजहर मसूद के रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों की हत्या के बाद उसके परिवार को 14 करोड़ रुपये दिए थे। प्रियांक खड़गे ने कहा पाकिस्तान ने कहा कि वे जीत गए, है ना? प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सेना जीत गई है। क्या प्रियांक खड़गे को भारत पर विश्वास है? उन्होंने कहा अगर आप प्रियांक खड़गे के शब्दों को देखें तो पाकिस्तान पर भरोसा करना समझदारी है। चित्तपुर के हजारों लोगों ने प्रियांक खड़गे को वोट दिया। वे शायद दुःखी होंगे।

उन्होंने विश्लेषण किया कि लोगों को सायद इस बात का पछतावा हो रहा होगा कि उन्होंने मंजू, दिनेश गुंडू राव, प्रियांक खड़गे और संतोष लाड को वोट देकर गलती की। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि वे सभी पाकिस्तानी एजेंटों की तरह बात कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि वे देश और सैनिकों के बलिदान की कीमत पर बात नहीं करेंगे। क्या राज्य के उपरोक्त मंत्रियों और कांग्रेस पार्टी को पाकिस्तानी आतंकवाद का शिकार हुए सैनिकों की चिंता नहीं है?

लाखों पंडित जम्मू-कश्मीर से पलायन कर चुके हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या कोलार विधायक को पता है कि 4 लाख पंडित फुटपाथ पर रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की गुलामी, वोट बैंक के लिए झूठ बोलना और गुलामी की बातें करना उन्हें कोई गौरव नहीं दिलाएगा। मल्लिकार्जुन खड़गे भी प्रियांक को लेकर दुखी हो रहे होंगे। अथवा, उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि यह दोहरी नीति हो सकती है। उन्होंने न केवल यह कहा कि छोटे खड़गे पाकिस्तान के पक्ष में बोल रहे हैं, लेकिन बड़े खड़गे चुप हैं, बल्कि उन्होंने यह भी आलोचना की कि छोटे खड़गे स्वयं देश का अपमान कर रहे हैं। भारत आतंकवादी गतिविधियों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने के लिए विदेश में प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है। इसी क्रम में उन्होंने प्रियांक खड़गे, संतोष लाड और मंजूनाथ को वहां जाकर पाकिस्तानी आतंकी केंद्रों के विनाश के बारे में जानने की चुनौती दी। संतोष लाड को मंत्री पद से हटाये जाने का डर सता रहा होगा। इसीलिए वे पाकिस्तान के पक्ष में बोल रहे हैं।

उन्होंने संदेह जताया कि वह इसी डर से प्रधानमंत्री और सेना के खिलाफ बोल रहे हैं। इस तरह बोलने पर आपको कोई पुरस्कार नहीं मिलेगा। आपको उपमुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। राज्य में कोई विकास नहीं हुआ है। अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए आप क्या कर रहे हैं? क्या यह रैली विधान सौधा में पाकिस्तान के लिए 'जिंदाबाद' के नारे लगाने के लिए थी? क्या यह पीएफआई और केएफडी के 1600 लोगों के मामलों को रद्द करने की परंपरा है? क्या साधना सम्मेलन आतंकवादियों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने का एक साधन है? उपलब्धि क्या है? रविकुमार ने पूछा कि किन विधायकों को विकास के लिए 100 करोड़ रुपये मिले हैं।

## मंत्री पद का वादा कर मुझे कांग्रेस पार्टी में लाया गया : विधायक शिवलिंगगौड़ा

**हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।**

अरसीकेरे निर्वाचन क्षेत्र के विधायक के.एम. शिवलिंगगौड़ा ने कहा कि मुझे जेडीएस से कांग्रेस पार्टी में लाया गया है और मुख्यमंत्री ने उन्हें ढाई साल बाद मंत्री पद देने का वादा किया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब उन्हें कांग्रेस में लाया गया था तो उन्होंने जो वादे किए थे, उनमें कुछ भी छिपा नहीं था। सिद्धरामैया ने उन्हें मंत्री बनाने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि वे सार्वजनिक मंचों पर भी कह चुके हैं कि ढाई साल बाद उन्हें मंत्री बना दिया जाएगा। राजनीतिक गणित यह है कि पार्टी के हित में जिले को मंत्री पद दिया जाना चाहिए। मैं ही एकमात्र व्यक्ति हूं जो जीता है। इसलिए, विश्वास है कि उन्हें मंत्री पद दिया जाएगा। अभी समय नहीं है। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल में कोई फेरबदल नहीं हुआ है। सिद्धरामैया के खिलाफ कोई कितना भी बोले, कुछ नहीं किया जा सकता। सिद्धरामैया पांच साल तक स्थिर सरकार चलाएंगे।

यह कहना झूठ है कि धन की कमी है। अरसीकेरे निर्वाचन क्षेत्र को करोड़ों रुपये का अनुदान दिया गया है। कोई भी विकास कार्य नहीं रुका है। 56 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं भी सफलतापूर्वक क्रियान्वित की गई हैं। उन्होंने कहा कि 1000 रुपये प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष की दर से आय होगी। हर घर तक 5,000 रुपये प्रतिमाह की धनराशि पहुंचाई जा रही है।

## राज्य के विभिन्न जिलों में अगले कुछ दिनों तक बारिश की संभावना

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

पूरे कर्नाटक में प्री-मानसून बारिश के जोर पकड़ने के साथ, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जैसे प्रमुख तटीय क्षेत्रों सहित 15 जिलों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। सभी प्रभावित जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, और पूर्वानुमानों से अगले चार दिनों तक भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। येलो अलर्ट में रखे गए जिलों में दक्षिण कन्नड़, उडुपी, बागलकोट, धारवाड़, गदग, कोप्पल, विजयपुरा, बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, चिक्कबल्लापुर, चित्रदुर्ग, कोलार, मांड्या, रामनगर और तुमकुरु शामिल हैं। अलर्ट में मध्यम से भारी बारिश की संभावना को रेखांकित किया गया है, जिससे संभावित रूप से जल-जमाव और स्थानीय स्तर पर व्यवधान हो सकता है। येलो अलर्ट के अलावा, छह जिलों - बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, कोलार, चित्रदुर्ग, चिक्कबल्लापुर और तुमकुरु - में 20 मई तक लगातार भारी बारिश होने की संभावना है। इन क्षेत्रों में लंबे समय तक बारिश हो सकती है, जिससे दैनिक जीवन और परिवहन प्रभावित हो सकता है। आईएमडी ने प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। नागरिकों से अनावश्यक यात्रा से बचने, संवेदनशील क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था को साफ करने और जल-जमाव और पेड़ गिरने की घटनाओं के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया जाता है। मौसम की स्थिति के कारण शैक्षणिक संस्थान और सार्वजनिक परिवहन सेवाएँ बाधित हो सकती हैं।

# अपील लंबित होने पर मजिस्ट्रेट को सजा नहीं बढ़ानी चाहिए: कोर्ट

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने हाल ही में दिए गए अपने फैसले में कहा है कि जब आरोपी व्यक्ति अपील दायर करते हैं, तो ट्रायल मजिस्ट्रेट की सजा नहीं बढ़ाई जानी चाहिए, खासकर तब जब राज्य के अधिकारी सजा की मात्रा पर सवाल नहीं उठाते। न्यायमूर्ति वी श्रीशानंद ने हावेरी से रिपोर्ट किए गए एक दुर्घटना मामले में सजा पर मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को बहाल करते हुए यह बात कही। इस मामले में, हावेरी के एक लॉरी चालक गौसमोदिन को 29 मार्च, 2012 को हुई एक दुर्घटना में दोषी ठहराया गया था। ट्रक ने हावेरी-गुट्टल रोड पर कनवल्ली क्रॉस के पास एक पैदल यात्री यशवंत को टक्कर मार दी थी। पैदल यात्री की चोटों के कारण मौत हो गई। 23 नवंबर, 2017 को मजिस्ट्रेट अदालत ने उसे आईपीसी की धारा 279, 304 (ए) और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 134 (ए) (बी) के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने उसे दो महीने कैद की सजा सुनाई और 500 रुपये से लेकर 1,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया। सजा को चुनौती देने वाली उसकी अपील पर, सत्र न्यायालय ने 2 अप्रैल, 2019 को दोषसिद्धि को बरकरार रखा और धारा 304 (ए) के तहत कारावास को एक वर्ष तक बढ़ा दिया। गौसमोदिन ने उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसमें तर्क दिया गया कि राज्य ने मूल सजा को चुनौती नहीं दी थी। न्यायमूर्ति श्रीशानंद ने कहा कि यदि राज्य मजिस्ट्रेट की सजा को अपर्याप्त मानता है, तो उन्हें अपील दायर करनी चाहिए थी। अदालत ने कहा कि अपीलीय अदालतों को अभियुक्तों को संभावित सजा वृद्धि के बारे में सूचित करना चाहिए और जवाब देने का अवसर प्रदान करना चाहिए। अदालत ने देखा कि सत्र न्यायालय (प्रथम अपीलीय न्यायालय) ने अभियुक्तों को संभावित सजा वृद्धि के बारे में चेतावनी नहीं दी थी या सजा अपर्याप्तता के बारे में दलीलें नहीं सुनी थीं। अदालत ने कहा असाधारण परिस्थितियों और राज्य की चुनौती के बिना, वृद्धि उचित नहीं थी। अदालत ने अभियोजन पक्ष का समर्थन करने वाले प्रत्यक्षदर्शी और गवाहों की गवाही के आधार पर दोषसिद्धि को बरकरार रखा। हालांकि, अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए, अदालत ने धारा 304 (ए) के तहत बढ़ाई गई सजा को उलट दिया। अदालत ने अपीलकर्ता को ट्रायल कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करने का भी निर्देश दिया।

## ईश्वरीय आराधना की परंपरा धार्मिक-सांस्कृतिक स्वर्ण कलश के समान: विजयेंद्र

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि तटीय क्षेत्र की दैवीय पूजा की विरासत देश के धार्मिक और सांस्कृतिक स्वर्ण कलश की तरह है।

उन्होंने दक्षिण कन्नड़ जिले के सुल्या विधानसभा क्षेत्र के श्री क्षेत्र कोरंबडका में श्री नागब्रह्मा आदिमोगेरकला मंदिर, श्री गुलिगा देवा और कोरगज्जा मंदिर में आयोजित पारिवारिक देवताओं के लिए श्री कोरंबडका नाम और थम्बिला सेवा में भाग लिया और गुलिगा देव का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा हमारे कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया था कि राष्ट्र के विकास और सुरक्षा के लिए गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में चुना जाना चाहिए। हमने इस विशेष प्रसाद के देवता श्री कोरागज्जा और कुल देवताओं की पूर्ण सेवा की और देवता की कृपा प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि वे श्री देवी का प्रसाद प्रधानमंत्री को अर्पित करेंगे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एस. अंगारा, युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री एवं विधायक हरीश पूंजा, सांसद बृजेश चौटा, विधायक भागीरथी मरुल्या, विधान परिषद सदस्य किशोर कुमार पुत्तूर, जिला अध्यक्ष सतीश कंपाला सहित पार्टी पदाधिकारी, मंडल एवं शक्तिकेन्द्र प्रमुख एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# बेलगावी में पवित्र पुस्तकों के अपमान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

**बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।**

विभिन्न मुस्लिम संगठनों के सदस्यों ने हाल ही में संती बस्तवाड़ गांव में पवित्र कुरान सहित पवित्र पुस्तकों के अपमान के खिलाफ कर्नाटक के बेलगावी जिले में कुछ स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया।

बेलगावी में एक विशाल रैली निकाली गई। हुक्केरी और कुछ अन्य शहरों में भी इसी तरह की रैलियां निकाली गईं। उन्होंने शिकायत की कि अज्ञात व्यक्तियों ने गांव की मस्जिद में एक शेल्फ से पवित्र कुरान और हदीस की किताबें चुरा ली हैं और उन्हें एक खेत में जला दिया है। कित्तूर रानी चेन्नम्मा सर्किल के पास अंजुमन मैदान के सामने बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। उन्होंने 'नारा तकदीर, अल्लाहु अकबर' और 'हिंदुस्तान जिंदाबाद', 'इस्लाम जिंदाबाद' जैसे नारे लगाए। उन्होंने झंडे और तख्तियां पकड़ी हुई थीं। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने अपराधियों को सख्त सजा देने की मांग करते हुए उपायुक्त कार्यालय में एक याचिका प्रस्तुत की। व्यापारियों ने विरोध के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए बेलगावी के प्रमुख मार्गों पर स्वेच्छा से दुकानें बंद कर दीं। दोपहर की नमाज के बाद भीड़ बढ़ने लगी। विरोध प्रदर्शन के कारण सर्कल की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा।

विधायक आसिफ सैत, युवा नेता अमन सैत, नगर निगम के वर्तमान और पूर्व सदस्य और बड़ी संख्या में मुस्लिम नागरिक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। सैत ने पवित्र पुस्तकों की चोरी और जलाने की निंदा की और त्वरित कानूनी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा जो कुछ हुआ है, वह अक्षम्य है। पुलिस आयुक्त ने एक सप्ताह में आरोपियों को गिरफ्तार करने का वादा किया है। इससे पहले, पुलिस ने तीन दिन की समय सीमा मांगी थी। लेकिन अधिकारी उसी गांव में ईदगाह के अपमान के मामले को सुलझाने में व्यस्त थे।

अब जब उन्होंने पुराना मामला सुलझा लिया है, तो हमें उम्मीद है कि वे इस मामले में अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। उन्होंने कहा कि एक लापरवाह पुलिस अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने समुदाय के सदस्यों से शांति बनाए रखने और पुलिस का सहयोग करने की अपील की। एहतियात के तौर पर शहर के पुलिस आयुक्त इदा मार्टिन मार्बनियांग ने केंद्रीय व्यापारिक जिले में निषेधाज्ञा लागू कर दी थी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण मार्च निकालने को कहा था। पुलिस ने बताया कि करीब 3,000 अधिकारी और कर्मचारी ड्यूटी पर थे। रैली में कुछ पलों के लिए व्यवधान उत्पन्न हुआ, जब कुछ युवा प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कांस्टेबलों द्वारा उन्हें धक्का दिए जाने के आरोपों को लेकर विवाद किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने उत्तेजित युवाओं को शांत कराया।

## रेलवे कार्य के कारण बेंगलूरु-मेंगलूरु मार्ग पर छह ट्रेनें पांच महीने के लिए रद्द

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

अगले पांच महीनों में बेंगलूरु-मेंगलूरु और बेंगलूरु-कारवार मार्गों पर ट्रेन सेवाएं काफी प्रभावित होंगी, क्योंकि दक्षिण पश्चिम रेलवे ने बुनियादी ढांचे के काम के कारण छह ट्रेनों को रद्द करने की घोषणा की है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, सकलेशपुर-सुब्रह्मण्य रोड खंड पर 1 जून से 1 नवंबर तक सुरक्षा और विद्युतीकरण कार्य किए जाएंगे। शनिवार को चलने वाली यशवंतपुर-मेंगलूरु जंक्शन साप्ताहिक एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 16539) 31 मई से 1 नवंबर तक रद्द रहेगी। रविवार को चलने वाली मेंगलूरु जंक्शन-यशवंतपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 16540) 1 जून से 2 नवंबर तक रद्द रहेगी। मंगलवार, गुरुवार और रविवार को चलने वाली यशवंतपुर-मेंगलूरु जंक्शन त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 16575) 1 जून से 30 अक्टूबर तक रद्द रहेगी। इसी तरह, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को चलने वाली मेंगलूरु-यशवंतपुर त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 16576) 2 जून से 31 अक्टूबर तक रद्द रहेगी। सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को चलने वाली एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 16515) भी इसी अवधि के दौरान रद्द रहेगी। मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को चलने वाली कारवार-यशवंतपुर त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 16516) 3 जून से 1 नवंबर तक रद्द रहेगी। गोमतेश्वर एक्सप्रेस, कारवार एक्सप्रेस और मेंगलूरु सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें भी अगले पांच महीनों तक रद्द रहेंगी। बेंगलूरु और तटीय क्षेत्र के बीच चलने वाली 12 ट्रेनों में से 6 को पूरी तरह से रद्द कर दिया गया है। सेवाओं में इस बड़े व्यवधान के साथ, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे तदनुसार योजना बनाएं और अपनी यात्रा आवश्यकताओं के लिए वैकल्पिक मार्गों पर विचार करें।

# भारत हर क्षेत्र में विकसित बनने की दिशा में बढ़ रहा है आगे: अमित शाह

**गांधीनगर, 17 मई (एजेंसियां)।** केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात की राजधानी गांधीनगर में कहा कि भारत हर क्षेत्र में विकसित बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

श्री शाह ने आज गांधीनगर में 708 करोड़ रु की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास किया और डाक विभाग के लाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद से गुजरात की ही तर्ज पर देश का विकास किया है और आज भारत हर क्षेत्र में विकसित बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को हर क्षेत्र में विकसित करने के साथ-साथ सुरक्षित रखने का काम भी किया है। उन्होंने कहा कि 2014 में श्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले देश में आए दिन आतंकी हमले होते थे, पाकिस्तान से आतंकी आते थे और हमारे जवानों और जनता को मार कर चले जाते थे और बम धमाके करते थे, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया जाता था।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से तीन बड़े आतंकी हमले हुए। पहला हमला उरी, दूसरा पुलवामा और तीसरा हमला हाल ही में पहलगाम में करने का दुस्साहस पाकिस्तान-प्रेरित आतंकवादियों ने किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हर हमले का जवाब इतनी ताकत के साथ दिया है कि आज पूरी दुनिया आश्चर्यचकित होकर देख रही है और पाकिस्तान भयभीत होकर उसका अनुभव कर रहा है।

श्री अमित शाह ने कहा कि जब उरी में आतंकी हमला हुआ तब भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक कर उसका प्रतीकात्मक जवाब दिया गया, पुलवामा हमले के जवाब में एयर स्ट्राइक कर चेतावनी दी गई। पाकिस्तान और आतंकवादी फिर भी नहीं सुधरे और उन्होंने पहलगाम में हमला किया, लेकिन इस बार ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों के हेडक्वार्टर को नेस्तनाबूद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि दुनियाभर के सुरक्षा विशेषज्ञ ऑपरेशन सिंदूर का एनालिसिस करते हैं तो आश्चर्यचकित रह जाते हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैय्यबा के हेडक्वार्टर को मिट्टी में मिलाकर लिया। पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमारे नागरिकों, पर्यटकों, निहत्थे लोगों का धर्म पूछकर, उनके परिवारों और बच्चों के सामने उनकी कायराना और निशृंस हत्या की। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का जवाब अपने संस्कार के हिसाब से दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैय्यबा के हेडक्वार्टर उड़ा दिए और भारत की वीर सेनाओं ने नौ ऐसे ठिकानों को ध्वस्त करने का काम किया जहां आतंकी तैयार और प्रशिक्षित किए जाते थे। उन्होंने कहा कि पीओके में कई स्थानों और पाकिस्तान की सीमा में 100 किलोमीटर अंदर जाकर हमारी सेना ने आतंकवादियों को जवाब देने का काम किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि कई अंतर्राष्ट्रीय आतंकी घटनाओं के सरगना और कैंपों में छिपे आतंकियों को हमारे बमों के धमाकों की गूंज ने स्पष्ट संदश भेजा कि अगर भारत की जनता के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार किया गया और आतंकी घटना की गई, तो उसका जवाब दोगुने जोश के साथ दिया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि हमने सिर्फ आतंकी अड्डों पर ही हमला किया था, लेकिन पाकिस्तान की सेना ने आठ मई को हमारी निर्दोष जनता पर कच्छ से लेकर कश्मीर और भारत की पश्चिमी सीमा पर हमला करने का दुस्साहस किया। प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में परफेक्ट हुए हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने एक भी मिसाइल और ड्रोन को भारत की भूमि पर नहीं गिरने दिया।

उन्होंने कहा कि भारत द्वारा 100 से अधिक दुर्दांत आतंकियों को समाप्त करने के बाद पाकिस्तान किसी भी प्रकार भारत को नुकसान पहुंचाने में सफल नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना सोच ही रही थी, तभी 9 मई को भारत के वीर जवानों ने 15 जगहों पर पाकिस्तान के कई एयरबेस पर उनकी वायु सेना की हमला करने की क्षमता को तहस नहस कर दिया। गृह मंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की सेनाओं के सामर्थ्य को आश्चर्यचकित होकर देख रही है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत ने आज़ादी के बाद पहली बार पाकिस्तान में 100 किलोमीटर अंदर जाकर पाकिस्तानी आतकी कैंप्स को ध्वस्त करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि जो हमें न्यूक्लीयर के नाम पर डराते थे, हमारी वायु, जल और थल सेना ने उन्हें ईंट का जवाब पत्थर से देने का काम किया है। आज पूरी दुनिया हमारी सेनाओं की मारक क्षमता की सटीकता, संयम और प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की प्रशंसा कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारत की तीनों सशस्त्र सेनाओं के जवानों को आज पूरा देश सलाम कर रहा है।

श्री अमित शाह ने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं के पराक्रम से पूरे देश का मस्तक गर्व से ऊंचा हुआ है। उन्होंने कहा कि हम सबके लिए गर्व का विषय है कि गुजरात और भारत माता के सपूत हमारे नेता श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत माता के मस्तक को ऊंचा और देश को सुरक्षित करने का काम किया है। गृह मंत्री ने कहा कि जब तक दुनिया में मिलिटरी ऑपरेशन्स की चर्चा होगी तब ऑपरेशन सिंदूर की भी चर्चा होगी।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का नामकरण स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमारी माताओं-बहनों के सम्मान में किया। उन्होंने कहा कि सिंदूर का सम्मान भारत का संस्कार है और इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखने से पूरी दुनिया को यह संदेश देने का काम हो गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बिहार में जो वादा किया था कि हम पहलगाम आतंकी हमले का बदला ज़रूर लेंगे, उन्होंने वह वादा पूरा करके दिखाया है।

# ऑपरेशन सिंदूर के बाद आए यात्रियों का श्रीनगर एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत

**जम्मू, 17 मई (ब्यूरो)।** ऑपरेशन सिंदूर के बाद आए यात्रियों का श्रीनगर एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। ट्रैवल एजेंसियों, एयरपोर्ट कर्मचारियों और अफसरों ने श्रीनगर पहुंचे पर्यटकों का फूलों से स्वागत किया।

एयरपोर्ट अधिकारियों ने आने वाले यात्रियों को स्वागत के निशान के तौर पर फूलों का गुच्छा दिया। इससे कई यात्री भावुक हो गए। दिल्ली से आने वाली एक पर्यटक अंजलि वर्मा ने कहा, यह एक सुंदर और भावुक स्वागत था। तनाव के समय में, सद्भाव के ऐसे छोटे-छोटे व्यवहार बहुत काम के होते हैं। अंजलि के साथ यात्रा कर रहे एक अन्य व्यक्ति रजत ने कहा कि उन्हें इस तरह के गर्मजोशी भरे स्वागत की उम्मीद नहीं थी। हाल ही में हुई नकारात्मक घटनाक्रम के बाद, इस स्वागत ने हमें आश्वस्त किया कि कश्मीरी अभी भी गर्मजोशी और आतिथ्य की अपनी परंपरा कायम रख रहे हैं। श्रीनगर हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने कहा, पुष्प स्वागत सद्भाव की भावना प्रदर्शित करने का छोटा सा प्रयास था। हम यह बताना चाहते हैं कि कश्मीर सभी का सम्मान और स्वागत करता है और यह धरती पर असली स्वर्ग यही है।

# कश्मीर में संघर्ष विराम उल्लंघन की कोई रिपोर्ट नहीं: उमर अब्दुल्ला

**श्रीनगर, 17 मई (एजेंसियां)।** जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) या नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्ष विराम उल्लंघन की कोई रिपोर्ट नहीं है।

मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम के उल्लंघन की अभी कोई रिपोर्ट नहीं है।

उन्होंने कहा कि सीमा पर हाल हुये संघर्ष के कारण नुकसान का आकलन किया जा रहा है और एक बार नुकसान आकलन रिपोर्ट तैयार हो जाने के बाद सरकार उसके अनुसार ही मुआवजे की रिपोर्ट तैयार करेगी।

# एनआईए ने हवाई अड्डे से गिरफ्तार किए दो फरार आतंकी

**मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)।** एनआईए ने आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) से कथित रूप से जुड़े स्लीपर सेल के दो फरार आरोपियों को मुंबई हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया है। दोनों महाराष्ट्र के पुणे में आईईडी के निर्माण और परीक्षण से संबंधित 2023 के मामले में वांछित थे।

हवाई अड्डे से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अब्दुल्ला फैयाज शेख उर्फ डायपरवाला और तल्हा खान के रूप में हुई है।

ये दोनों जकार्ता (इंडोनेशिया) में छिपे हुए थे। शुक्रवार रात जब वे भारत लौट रहे थे, तभी उन्हें मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर आव्रजन ब्यूरो ने रोक लिया और हिरासत में ले लिया।

एनआईए की टीम ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। दोनों आरोपी दो साल से अधिक समय से फरार थे और उनके खिलाफ मुंबई स्थित एनआईए की विशेष अदालत द्वारा गैर-जमानती वारंट भी जारी किया गया था। एनआईए ने दोनों आरोपियों पर तीन-तीन लाख रुपए का नकद इनाम भी घोषित किया था। पुलिस ने बताया कि यह मामला इन आरोपियों द्वारा की गई एक आपराधिक साजिश से संबंधित है, जिसमें पहले ही गिरफ्तार किए गए आईएसआईएस से जुड़े पुणे स्लीपर सेल के आठ अन्य सदस्य भी शामिल हैं, जो पहले से ही जेल में बंद हैं।

एनआईए ने कहा, इन आरोपियों ने आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रची थी, जिसका उद्देश्य भारत की शांति और साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ना था। आरोपियों ने भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रची थी ताकि आईएसआईएस के एजेंडे के तहत देश में हिंसा और आतंकवाद के माध्यम से इस्लामी शासन स्थापित किया जा सके। दोनों आतंकी पुणे के कोंढवा में अब्दुल्ला फैयाज शेख द्वारा किराए पर लिए गए मकान में आईईडी तैयार करने में शामिल थे। 2022-2023 की अवधि में आरोपियों ने इन स्थानों पर बम बनाने और प्रशिक्षण से संबंधित एक कार्यशाला आयोजित की और उसमें भाग लिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एक नियंत्रित विस्फोट भी किया, ताकि वे द्वारा तैयार किए गए आईईडी का परीक्षण कर सकें। एनआईए ने पहले मामले में सभी 10 आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप पत्र दायर किया था।

जांच एजेंसी ने कहा कि अब्दुल्ला फैयाज शेख और तल्हा खान के अलावा, मामले में गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों की पहचान मोहम्मद इमरान खान, मोहम्मद यूनुस साकी, अब्दुल कादिर पठान, सिमाब नसीरुद्दीन काजी, जुल्फिकार अली बड़ौदावाला, शमील नाचन, आकिफ नाचन और शाहनवाज आलम के रूप में की गई है।

# सुप्रीम कोर्ट में 26 मई से आंशिक कार्य दिवस, गवई ने 21 पीठों को किया नामित

**नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।** उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने 'आंशिक कार्य दिवस' (पहले ग्रीष्मकालीन अवकाश) दौरान मामलों की सुनवाई के लिए 21 पीठों को नामित किया है। शीर्ष अदालत ने एक अधिसूचना जारी कर इसकी घोषणा की है। उसके अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उन पीठों को अधिसूचित किया, जो 26 मई से 13 जुलाई, 2025 तक आंशिक कार्य दिवसों (गर्मी की छुट्टियों) के दौरान सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत में 14 जुलाई, 2025 से फिर से नियमित कामकाज शुरू होगा।

अधिसूचना में कहा गया है कि छब्बीस से एक जून के दौरान पांच पीठ सुनवाई करेगी।

मुख्य न्यायाधीश गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संजय कुमार, न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ अलग-अलग सुनवाई करेगी।

इसी प्रकार दो जून से आठ जून (3 पीठ) की अवधि के दौरान न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी के अलावा न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ अलग-अलग सुनवाई करेगी।

नौ जून से 15 जून (युगल पीठ) न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन, न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ सुनवाई करेगी।

सोलह जून से 22 जून (2 पीठ) तक न्यायमूर्ति उज्जल भुयान और न्यायमूर्ति मनमोहन, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और पीबी वराले की पीठ सुनवाई करेगी।

इसी प्रकार 23 जून से 29 जून (3 पीठ) सुनवाई करेगी, जिसमें न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह, न्यायमूर्ति उज्जल भुयान और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठों में सुनवाई होगी।

शीर्ष अदालत में 30 जून से छह जुलाई के दौरान 'आंशिक कार्य दिवस' की तीन पीठ में न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन,न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ मामलों की सुनवाई करेगी।

इसी प्रकार सात जुलाई से 13 जुलाई के दौरान (3 पीठ) सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन, न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति आर महादेवन मामलों की सुनवाई करेंगे।

इस अवधि के दौरान, रजिस्ट्री सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सभी कार्य दिवसों पर सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक खुली रहेगी, शनिवार को छोड़कर (12 जुलाई, शनिवार को छोड़कर), रविवार और अन्य छुट्टियों पर भी कामकाज होगा।

अधिसूचना के अनुसार, गैर-लिपिकीय सदस्य इन दिनों में भी सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक अपनी सेवाएं देंगे।

# लाल डोरे की पहली रजिस्ट्री मुफ्त होगी : प्रवेश

**नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।** दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को कहा कि राजधानी के चालीस गांव अब शहरी क्षेत्र बनेंगे और लाल डोरे की पहली रजिस्ट्री पूरी तरह मुफ्त होगी।

श्री सिंह ने आज यहां दौलतपुर गांव किसानों का अनशन खत्म कराकर उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा, दौलतपुर

गाँव में देहात की कुछ माँगों को लेकर अनशन पर बैठे किसान भाईयों का अनशन खत्म कराकर उन्हें भरोसा दिलाया उनकी मांगों के लिए हरसंभव समाधान का प्रयास करूंगा।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार जल्द ही मास्टर प्लान 2041 को लागू करने जा रही है और दिल्ली के 40 गांव अब शहरी क्षेत्र बनेंगे, लाल डोरे की पहली रजिस्ट्री भी पूरी तरह मुफ्त होगी।

उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि जिस प्रकार नई दिल्ली के इलाके में विकास होता है उसी प्रकार दिल्ली देहात के इलाके में भी विकास हो। सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है और न ही इच्छाशक्ति की कमी है।

# कामायनी एक्सप्रेस में बम की सूचना से हड़कंप, अफवाह निकली

**खंडवा, 17 मई (एजेंसियां)।** बलिया से लोकमान्य तिलक टर्मिनस जाने वाली कामायनी एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 11072) में आज बम रखे होने की एक सूचना से हड़कंप मच गया। मध्यप्रदेश के खंडवा रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने डॉग स्क्वॉड के साथ पूरी ट्रेन की गहन जाँच की और कोई बम या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

रेलवे सूत्रों के अनुसार इसके बाद ट्रेन को अगले गंतव्य के लिए रवाना किया गया। इस दौरान एक घंटे तक ट्रेन खंडवा स्टेशन पर खड़ी रही और यात्री चिंतित देखे गए। ट्रेन रवाना होने के बाद सभी ने चैन की साँस ली। खंडवा रेलवे स्टेशन पर दोपहर लगभग एक बजे जब कामायनी एक्सप्रेस आई, तो अचानक पुलिस हरकत में आई। डॉग स्क्वॉड के साथ जीआरपी ,आरपीएफ और खण्डवा पुलिस के अधिकारियों ने अपनी टीम के साथ ट्रेन की एक-एक बोगी की जाँच की। यहाँ तक की यात्रियों के सामान की भी तलाशी ली गई। तब यात्रियों को पता चला कि ट्रेन में बम होने की कोई सूचना है, जिसके चलते यह कार्रवाई हो रही है।

खंडवा जीआरपी थाना प्रभारी एम पी ठक्कर ने बताया कि दोपहर में जीआरपी कंट्रोल रूम भोपाल से एक सूचना प्राप्त हुई कि ट्रेन नंबर 11072 कामायनी एक्सप्रेस के कोच एस-4 ,एस- 5, बी -4 और बी - 5 में बम की सूचना औरंगाबाद से प्राप्त हुई है। यह सूचना मिलने के बाद जिला पुलिस कंट्रोल रूम खंडवा, आरपीएफ थाना प्रभारी, रेलवे स्टेशन मैनेजर को इसकी जानकारी दी गई। ट्रेन आने के पूर्व ही डॉग स्क्वॉड के साथ पूरी टीम जांच के लिए मुस्तैदी से तैनात हो गई। सभी ने मिलकर पीछे की बोगी से लेकर इंजन तक बारीकी से जाँच की, लेकिन कोई बम या संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। रेलवे के अधिकारियों द्वारा पूर्ण संतुष्टि के उपरांत ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

### शिक्षा के अधिकार के तहत एडमिशन नहीं देने पर

# 80 निजी स्कूलों की एनओसी निरस्त होगी

**लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)।** लखनऊ के 80 निजी स्कूलों की एनओसी निरस्त करने की तैयारी चल रही है। इन स्कूलों ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत चयनित बच्चों को प्रवेश नहीं दिया था। इन 80 निजी स्कूलों का अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) रद्द किया जाएगा। इस संबंध में बीएसए की ओर से नाम सहित सभी स्कूलों को नोटिस जारी किया गया है। इसमें 35 स्कूल प्रबंधक ऐसे भी हैं जो आरटीई को लेकर डीएम की बैठक में भी नहीं पहुंचे थे।

बीएसए की ओर से जारी नोटिस के मुताबिक, गरीब बच्चों को सत्र 2025-26 में 80 निजी स्कूलों ने आरटीई के तहत चयन के बाद भी बच्चों को प्रवेश नहीं दिया। इन सभी स्कूलों से प्रवेश न लेने का कारण तीन दिनों में बताने के लिए कहा गया है। साक्ष्य सहित जवाब न देने पर आरटीई एक्ट 2009 के उल्लंघन, निशुल्क शिक्षा के अधिकार के हनन, शासकीय कार्यों में बाधा डालने के आधार पर विधिक कार्रवाई होगी। इसके साथ ही एनओसी रद्द कर मान्यता के प्रत्याहरण की कार्रवाई भी शुरू होगी।

आरटीई के तहत चयनित गरीब बच्चों के एडमिशन को लेकर लगातार आवाज उठ रही थी। उसी का नतीजा है कि इस बार 12 हजार के करीब बच्चों को प्रवेश मिल सका है। इस बार 18 हजार बच्चों का चयन हुआ था। इसमें 3000 हजार अभिभावकों ने निजी स्कूलों की मनमानी से आहत होकर बच्चों का दाखिला कराने से इन्कार किया है।

जिन स्कूलों को प्रशासन ने नोटिस जारी किया है उनमें सेंट एंथोनी स्कूल पारा, एमजी कॉन्वेंट स्कूल सेक्टर जी कानपुर रोड, बाल विद्या मंदिर स्कूल चारबाग, ट्रिनिटी इंटरनेशनल स्कूल एल्डिको, सेंट क्रिस्ट पब्लिक स्कूल गीतापल्ली, ट्रिनिटी इंटरनेशनल स्कूल आम्रपाली योजना, बालगाइड स्कूल सेक्टर 16 इंदिरा नगर व गोसाईगंज। सनसाइन पब्लिक स्कूल कश्मीरी मोहल्ला, एमिटी इंटर नेशनल स्कूल विराज खंड और वृंदावन योजना। कैटिल कान्वेंट इंटर कॉलेज जानकीपुरम, टेंडर हर्ट्स स्कूल महानगर, न्यू पब्लिक इंटर कॉलेज कृष्णा नगर, ब्राइटलैंड त्रिवेणी नगर, सेंट मैरी स्कूल जानकीपुरम एक्सटेंशन, सिटी इंटरनेशनल स्कूल ठाकुरगंज, महर्षि विद्या मंदिर आईआईएम रोड, सेंट्रल पब्लिक स्कूल रजनीखंड शारदानगर।

द लखनऊ पब्लिक जॉपलिंग रोड और शारदानगर, डबल एकेडमी इंदिरानगर, लॉयला इंटरनेशनल स्कूल गोमती नगर और बादशाह नगर महानगर। द फोडिल कान्वेंट स्कूल श्रीनाथ नगर पारा, स्प्रिंग डेल स्कूल गोमती नगर, डीपीएस एल्डिको, माउंट बेरी कान्वेंट स्कूल कल्याणपुर और खुर्रमनगर, नवयुग रेडियंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजेंद्र नगर, सेंट जोसेफ कॉलेज प्रियदर्शनी कालोनी। सेंट जोसेफ इंटर कॉलेज ठाकुरगंज, श्री विनायक कान्वेंट स्कूल अमौसी, रेडरोज कानपुर रोड, न्यू पब्लिक इंटर कॉलेज आलमबाग, डीएमएएस किड्स जोन स्कूल एकता नगर कैंपवल रोड, महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल मोती नगर, ग्रीनवैली पब्लिक स्कूल मकबूल गंज, रेडिएंट पब्लिक स्कूल कल्ली पश्चिम, संस्कार पब्लिक स्कूल इंदिरानगर, गुरुकुल एकेडमी इंदिरानगर शामिल हैं।

इन स्कूलों में सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल अलीनगर सुनहरा, गोयल कैंपस, विजयनगर गोमतीनगर विस्तार, बंसल कैंपस व गोमतीनगर, सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल सुशांत गोल्फ सिटी शहीद पथ और आलमबाग कैंपस। एलपीएस का सेक्टर चार कालिंदी पार्क, बी ब्लॉक राजाजीपुरम, सहरा स्टेट जानकीपुरम, वृंदावन योजना, आनंदनगर, ए ब्लॉक राजाजीपुरम, आम्रपाली योजना, अंसल एपीआई सुल्तानपुर रोड, एलपीएस निकट आईकॉन हास्पिटल, सेक्टर आई आशियाना, सेक्टर डी एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड, एलपीएस साउथ सिटी शाखा, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) की आनंदनगर, अर्शफाबाद, अलीगंज प्रथम कैंपस, सेक्टर एच गोमती नगर, सेक्टर एच इंदिरा नगर, जॉपलिंग रोड, कानपुर रोड, महानगर, आरडीएसओ, राजाजीपुरम, स्टेशन रोड, राजेंद्र नगर द्वितीय व तृतीय, आशियाना सेक्टर एक, अलीगंज कैंपस प्रथम, राजाजीपुरम प्रथम और चौक ब्रांच को नोटिस जारी हुआ है। लखनऊ के बीएसए राम प्रवेश ने कहा, जो स्कूल प्रवेश नहीं ले रहे हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई की तैयारी है। इन्हें अंतिम नोटिस देकर प्रवेश न लेने का लिखित आधार मांगा गया है। तीन दिनों में जो जवाब नहीं देगा उसके विरुद्ध आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

### शिवपाल के सांसद पुत्र का बेजोड़ बयान

# सपा सरकार में कटिया डालकर बिजली जलाते थे थानेदार करता था सम्मान

**बदायूं, 17 मई (एजेंसियां)।** समाजवादी पार्टी (सपा) के बदायूं से सांसद एवं सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव के पुत्र आदित्य यादव के बेवकूफाना बयान वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने सपा सरकार के कार्यकाल और वर्तमान भाजपा सरकार की तुलना करते हुए अजीबोगरीब बात कही है। सपा सांसद आदित्य यादव ने एक जनसभा में कहा, सपा सरकार के समय आम जनता कटिया डालकर बिजली जलाती थी, लेकिन बिजली विभाग के अधिकारी कार्रवाई करने से डरते थे। सपा सरकार में अगर कोई आम नागरिक किसी काम से थाने पहुंचता था तो थानेदार कुर्सी छोड़कर खड़ा होकर उसका सम्मान करता था। सपा कार्यकर्ताओं को थानों में सम्मान और कुर्सी मिलती थी। सपा सांसद ने मौजूदा भाजपा सरकार

पर निशाना साधते हुए कहा कि आज कानून आम जनता के लिए संकट बन गया है। लोग थानों में जाने से डरते हैं और फरियादियों पर उल्टा मुकदमा और जुर्माना लगा दिया जाता है।

आदित्य यादव ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर विकास कार्यों में विफलता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में न तो विकास हो रहा है और न ही जनता को राहत मिल रही है। बदायूं से सांसद आदित्य यादव इससे पहले भी अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहे हैं। उनके इस ताजा बयान ने उत्तर प्रदेश की सियासत में एक नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है।

# गन्ना किसानों का भुगतान नहीं करने पर बजाज चीनी मिल सील

**शाहजहांपुर, 17 मई (एजेंसियां)।** शाहजहांपुर के बंडा के मकसूदापुर स्थित बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड की चीनी मिल पर किसानों का 162 करोड़ रुपए बकाया होने पर एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने बड़ी कार्रवाई की। शनिवार को चीनी मिल का गोदाम सील कर दिया।

चीनी मिल पर करीब 21 हजार किसानों का 162 करोड़ रुपए भुगतान का बकाया है। किसानों के भुगतान के लिए मिल प्रबंधन को कई नोटिस दिए गए थे। डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने मिल प्रबंधन के अधिकारियों को तलब करके किसानों का भुगतान करने के लिए निर्देशित किया था। इसके बाद भी मिल प्रबंधन ने भुगतान नहीं किया था।

डीएम के निर्देश पर शनिवार को एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार एसडीएम पुवायां चित्रा निर्वाल के साथ चीनी मिल पहुंचे। चीनी मिल के प्रबंधन की ओर से अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान के विषय में संतोषजनक जवाब न मिलने पर तत्काल प्रभाव से चीनी गोदाम को 10 ताला लगाकर सील कर दिया गया। पिछले सत्र का भी चीनी मिल पर भुगतान बकाया था, जिसका इस सत्र की शुरुआत के बाद मिल प्रबंधन ने भुगतान किया था।

भुगतान समय से पूरा नहीं होने के कारण किसानों ने इस बार चीनी मिल को कम गन्ना दिया था।

गन्ने की कमी के चलते चीनी मिल का पेराई सत्र समय से पहले खत्म कर दिया गया था। एडीएम ने बताया कि जब तक किसानों का सारा भुगतान नहीं हो जाता, गोदाम सीज रहेगा।

# संभल दंगे में शामिल 50 अभियुक्तों पर आरोप तय

## अब शुरू होगा ट्रायल, 80 लोग हो चुके हैं गिरफ्तार

**चंदौसी (संभल), 17 मई (एजेंसियां)।** संभल हिंसा मामले में 50 आरोपियों पर न्यायालय ने आरोप तय कर दिए हैं। अब ट्रायल शुरू होगा। आरोपियों की ओर से दाखिल डिस्चार्ज प्रार्थना पत्रों को न्यायालय ने खारिज कर दिया है। 24 नवंबर 2024 को शाही जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा के मामले में पुलिस अब तक 80 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस मामले में आरोपियों की ओर से चार-पांच अधिवक्ताओं ने न्यायालय में डिस्चार्ज प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया और डिस्चार्ज किए जाने के लिए बहस की। जिस पर अभियोजन ने अपने तर्क देकर विरोध किया।

न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुन कर डिस्चार्ज प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया। 24 नवंबर 2024 की सुबह संभल की शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा हो गई थी।

इस मामले में पुलिस की ओर से कई मुकदमे दर्ज किए गए। पुलिस अब तक 80 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जिनकी जमानत अर्जी के लिए न्यायालय में प्रार्थनापत्र दिए जा रहे हैं। अब तक लगाई गई सभी जमानत अर्जियां खारिज हो चुकी हैं। बृहस्पतिवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/एससी एसटी एक्ट रागिनी सिंह के न्यायालय में विवेचक द्वारा लगाए गए आरोप पत्रों पर आरोप तय किए गए।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता हरिओम प्रकाश उर्फ हरीश सैनी ने बताया कि कुछ आरोपियों के पक्ष में चार-पांच अधिवक्ताओं द्वारा अपने-अपने मुल्जिमानों के पक्ष में डिस्चार्ज प्रार्थना पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए। जिनमें उनके द्वारा तर्क दिया गया कि उनके अभियुक्त नामजद नहीं हैं। जो हिंसा की घटना में शामिल नहीं थे। पुलिस ने घर से उठा कर बिना तथ्यों के आधार पर जेल भेज दिया। जिसका विरोध करते हुए सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता द्वारा न्यायालय को बताया कि सभी के नाम विवेचना में सामने आए हैं। जिसकी वीडियो फुटेज है। पुलिस पर पत्रावली पर साक्ष्य हैं।

सभी 50 आरोपियों के विरुद्ध पुख्ता सबूत हैं। ऐसे में इनका प्रार्थना पत्र निरस्त किया जाना आवश्यक है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि न्यायालय द्वारा दोनों पक्षों को सुन कर डिस्चार्ज प्रार्थना खारिज कर दिए गए। सभी 50 आरोपियों के विरुद्ध लगाए गए आरोपों के अनुसार लगाई गई धाराओं के अनुसार आरोप तय किए हैं। अब अभियोजन के द्वारा न्यायालय में साक्ष्यों की गवाही व जुटाए गए साक्ष्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। जिसके आधार पर न्यायालय अंतिम निर्णय लेगा। अब लग रहा है कि जल्दी ही संभल हिंसा मामले पर निर्णय सुनवाई पूरी होने पर जल्दी हो सकता है।

### फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाले वकील को 10 साल की कैद

**लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)।** फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाले वकील को कोर्ट ने 10 साल कैद की सजा सुनाई। साथ ही ढाई लाख का जुर्माना भी लगाया है। जांच में सामने आया कि वकील द्वारा लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया।

राजधानी लखनऊ में जमीन के विवाद में विरोधियों पर हत्या की कोशिश, जानमाल की धमकी और एससी-एसटी एक्ट का फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाले वकील लाखन सिंह को एससी-एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने 10 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही 2.51 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि यदि रमेश को एससी-एसटी के तहत मुकदमा दर्ज कराने के लिए कोई राहत राशि दी गई हो, तो उसे तत्काल वापस ले लिया जाए। साथ ही लाखन के खिलाफ दर्ज मुकदमों की सूची बार काउंसिल को भेजने का आदेश दिया है।सरकारी अधिवक्ता ने बताया कि लाखन का सुनील दुबे से जमीन का विवाद चल रहा था।

### यूपी में विस्टाडोम ट्रेन सेवा शुरू

# कतर्नियाघाट से दुधवा टाइगर रिजर्व तक सफारी का आनंद लेंगे पर्यटक

**लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)।** यूपी के जंगलों में पर्यटकों के तफरीह के लिए विस्टाडोम ट्रेन सेवा शुरू हो गई है। इससे कतर्नियाघाट से दुधवा टाइगर रिजर्व तक जंगल सफारी का लोग आनंद ले सकेंगे। ईको टूरिज्म और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्टाडोम कोच सेवा शुरू की गई है। पर्यटक 275 रुपए में इसका लुत्फ उठा सकेंगे।

उत्तर प्रदेश में ईको टूरिज्म और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्टाडोम ट्रेन सेवा शुरू की गई है। कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य से दुधवा टाइगर रिजर्व तक रेल कनेक्टिविटी वाली पर्यटक ट्रेन में विस्टाडोम कोच का संचालन शुरू कर दिया गया है। इसके शुरू होने से यूपी, देश का ऐसा पहला राज्य बन चुका है, जहां विस्टाडोम कोच की सुविधा शुरू की गई है। इससे पर्यटकों को जंगल सफारी का रोमांचक अनुभव मिल सकेगा। यह सेवा पर्यटकों के लिए पूरे साल मिलेगी। फिलहाल यह शनिवार और रविवार को ही पर्यटकों को उपलब्ध कराई जा रही है। आने वाले दिनों में इसे सप्ताह के सातों दिन के लिए शुरू किया जाएगा। इससे जहां एक ओर पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, वहीं रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

पर्यटन विभाग के निदेशक प्रखर मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के वन क्षेत्रों को एक गंतव्य तीन वन के रूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में दुधवा नेशनल पार्क, कतर्नियाघाट और किशनपुर वन्यजीव अभ्यारण्य को एकीकृत किया गया है। यहां पर्यटकों को रोमांचक अनुभव देने के लिए विस्टाडोम कोच का संचालन शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि यूपी इको टूरिज्म विकास बोर्ड ने पर्यटकों को पूरे साल नेचर ट्रेल और जंगल सफारी का अनुभव देने के उद्देश्य से विस्टाडोम कोच की शुरुआत की गई है। अभी यह सेवा शनिवार और रविवार को उपलब्ध कराई जा रही है। बाद में इसे सप्ताह के सातों दिन करने की योजना है।

कतर्नियाघाट से दुधवा टाइगर रिजर्व तक 107 किमी लंबे जंगल के भीतर पर्यटक प्राकृतिक दृश्य, जैव विविधता और वन्यजीवों का नजदीक से अनुभव कर सकेंगे। यह सफर चार घंटे 25 मिनट का रहेगा। इसके लिए पर्यटकों से 275 रुपये प्रति पर्यटक के हिसाब से टिकट लेना होगा। इसके अलावा पर्यटकों को राजधानी लखनऊ से कर्तनिया घाट तक ले जाने का पैकेज भी तैयार किया जा रहा है। इस पैकेज में पर्यटकों को छूट देने पर भी विचार किया जा रहा है।

पर्यटन निदेशक प्रखर मिश्रा ने बताया कि यह ट्रेन बहराइच के बिछिया स्टेशन से सुबह 11:45 बजे चलती है। विभिन्न स्टेशनों से गुजरते हुए 16:10 बजे लखीमपुर खीरी के मैलानी स्टेशन पहुंचती है। मैलानी से सुबह 6:05 बजे चलती है। सुबह 10:30 बजे बिछिया स्टेशन पहुंचती है। इसका ठहराव बिछिया, मंझरा पुरब, खैराटिया बांध रोड, तिकुनिया, बेलरायां, दुधवा, पलिया कलां, भीरा खीरी और मैलानी स्टेशन पर होता है।

विस्टाडोम कोच सेवा सिर्फ वनों और अभयारण्यों से ही नहीं, बल्कि वेटलैंड, ग्रासलैंड, फार्मलैंड और वुडलैंड जैसे प्राकृतिक परिदृश्यों को भी करीब से देखने का अवसर प्रदान करती है। मानसून सीजन में यह पयर्टकों को खासा आकर्षित करेगी। इससे पर्यटन को तो बढ़ावा मिलेगा ही, साथ ही क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। यह सेवा होमस्टे मालिकों, रिसॉर्ट ऑपरेटर्स और ट्रैवल एजेंट्स की भागीदारी से स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगी। युवा पर्यटन क्लब के तहत सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए विशेष क्यूरेटेड टूर आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और ट्रैवल ब्लॉगर्स के लिए फेम टूर का आयोजन किया जा रहा है। ताकि, विस्टाडोम कोच और इस सफर को डिजिटल माध्यम से प्रचारित किया जा सके।

### तुर्की-अजरबैजान को पाकिस्तान से दोस्ती पड़ी भारी

# 600 करोड़ का व्यापार ठप्प 8000 टूर पैकेज भी रद्द

**लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)।** मुसीबत में साथ देने वाले भारत से दुश्मनी मोल लेकर अब तुर्की और अजरबैजान को इसकी भरपाई महंगी पड़ेगी। भारत के पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर मिशन में लिए गए एक्शन पर तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन किया था।

इसके बाद तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार को लेकर भारतवासी एकजुट हो गए हैं। लोगों ने घूमने जाने के लिए तुर्की और अजरबैजान की यात्राओं के टिकट कैंसिल करवा दिए हैं। पूरे देश के व्यापारियों ने इन देशों से सामान का आयात करने से मना कर दिया है। यूपी में भी दोनों देशों के 8000 टूर पैकेज कैंसिल कर दिए हैं।

उत्तर प्रदेश से अगले 3 महीनों में जाने वाले पर्यटकों ने अपने टिकट कैंसिल करवाए हैं जिसकी वजह से तुर्की और अजरबैजान को लगभग 450 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ सकता है। सामानों और यात्रा को मिलाकर सिर्फ उत्तर प्रदेश से ही इन दोनों देशों को लगभग 1600 करोड़ रुपए का झटका लग सकता है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में तुर्की से ड्राई फ्रूट्स, कालीन, सिल्क, खाद्य मसाले, मार्बल और लिनेन आयात होता है। अजरबैजान से चाय, कॉफी और सेरेमिक उत्पाद मंगाए जाते हैं। प्रदेश के व्यापारियों ने बीते तीन दिनों में 150 करोड़ से अधिक के आर्डर रोक दिए हैं।

## मां बन सकती हैं आप, अब नही होगा बार-बार गर्भपात

अगर आपको अपना स्मार्टफोन बार-बार चैक करने की आदत है, तो सावधान हो जाएं! क्योंकि ऐसा करना आपके लिए स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। एक नए शोध से पता चला है कि बार-बार फोन जांचने की ललक संतुष्टि प्रक्रिया को प्रभावित करती है। अमेरिकी की टेंपल यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक हेनरी विल्मर और जैसन ने इस अध्ययन के माध्यम से स्मार्टफोन और मोबाइल प्रौद्योगिकी के ज्यादा से ज्यादा उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति बेहतर समझ विकसित करने की कोशिश की है। इस अध्ययन के लिए शोधार्थियों ने 91 कॉलेज छात्रों का प्रश्नावली और संज्ञानात्मक परीक्षणों द्वारा आकलन किया। शोधार्थियों ने निष्कर्षों में पाया है कि आसानी से प्रयोग में लाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का अधिकाधिक प्रयोग आवेग नियंत्रण पर दुष्प्रभाव डालता है और शीघ्र प्रतिफल पाने की प्रवृत्ति को भी बढ़ाता है। विल्मर कहते हैं, मोबाइल प्रौद्योगिकी का ज्यादा इस्तेमाल या बार-बार फोन चेक करने की ललक अनियंत्रित आवेगों को बढ़ाती है, और प्रतिफल मिलने की संतुष्टि को प्रभावित करती है। यह शोध स्प्रिंगर पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

## नमस्कार करने से कम होगा संक्रमण का खतरा

ब्रिटेन में हुए एक शोध में पाया गया है कि अगर हाथ मिलाने की जगह हम एक दूसरे से नमस्कार करें तो संक्रमण को दस गुना कम किया जा सकता है। जब दो लोग आपस में हाथ मिलाते हैं तो उनके शरीर की तरंगें एक दूसरे की अंगुलियों के माध्यम से शरीर में प्रसारित हो जाती हैं। ऐसे में यदि किसी व्यक्ति के शरीर में अधिक नकारात्मक तरंगे होंगी तो वे दूसरे व्यक्ति के शरीर में पहुंच सकती हैं।

# गुणों से भरपूर है गन्ने का रस

**भारत** में सबसे ज्यादा गन्ना उगाया जाता है। गन्ने के रस से ज्यादा पोषक और स्वस्थ रखने वाला कोई और रस नहीं हो सकता। अगर आप दिर-भर की थकान को दूर करने के लिए एक गिलास गन्ने का रस पीएगें तो आपको स्वाद भरी ताजगी मिल जाएगी।

गन्ने का रस में सेहत के लिए बहुत गुणकारी है। यह रस विटामिन ए,सी ,बी, कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम, और कॉपर से भरपूर होता है। इसे पीने से हड्डियां मजबूत बनती हैं और दांतों की समस्या भी कम होती है। आज हम आपको बताएगें कि कैसे गन्ने का रस दूर करता है इन बिमारीयों से।

### गन्ने का रस पीने से होंगे ये फायदे

- **कैंसर से बचाव करता है:** गन्ने के रस में कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, आयरन और मैंगनीज जैसे तत्व अच्छी मात्रा में हैं जो शरीर को कैंसर जैसी बिमारी से लड़ने के लिए सहायक होता हैं।
- **मुहांसों से छुटकारा:** गन्ने का रस पीने से त्वचा को अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड मिलता है जो मुहांसे दूर करने और सेहतमंद त्वचा के लिहाज से फायदेमंद है।
- **किडनी के लिए फायदेमंद:** गन्ने के रस में प्रोटीन अच्छी मात्रा में है। इसमें नींबू और नारियल पानी मिलाकर पीने से किडनी की युरीन इन्फेक्शन, एसटीडी और पत्थर जैसी समस्यामए दूर होती है।

- **पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद:** गन्ने का रस पाचन तंत्र के साथ-साथ पेट की बीमारियों के लिए भी बहुत फायदेमंद है क्योकि इसमें पोटैशियम की मात्रा ज्यादा होती है। इसे पीने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है।
- **नाखूनों में आती है चमक :** यह रस पीने से नाखूनों पर से सफेद धब्बे हटाते है और नाखून चमकदार होते हैं क्योकि इसमें पोषक तत्व हैं जिससे आपके नाखूनों की सेहत की भरपाई हो जाती है।
- **दिल के रोगों से करता है बचाव:** गन्ने का रस शरीर में कोलेस्ट्रॉल और ट्राईग्लिसराइड के लेवल को गिरता है जिससे धमनियों में फैट नहीं जमता और दिल के रोगों जैसी बिमारीयों से बचाव रखता है।
- **मोटापा होता है कम:** यह रस आपके शरीर में खराब कॉलेस्ट्रोल को कम करके आपको मोटापे से बचाता है।
- **शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद:** गन्ने का रस पीने से मधुमेह रोगियों को बहुत फायदा होता है क्योकि यह मीठा और प्राकृतिक शुगर से भरपूर होता है।
- **त्वचा में ग्लो आती है:** यह रस त्वचा संबंधित परेशानियों को दूर करता है और स्किन में कसाव लेकर आता है। इस रस को त्वचा पर लगा कर धोने के बाद त्वचा खिली-खिली और साफ नजर आती है।

# महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या

**पुरुषों** के मुकाबले महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या, जानिए इससे बचने के उपाय... गर्मी के मौसम में पानी की कमी के कारण किडनी उचित मात्रा में यूरिन को शरीर से बाहर नहीं निकाल पाती है। ऐसे में यूटीआई का खतरा बढने की आशंका रहती है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इसके मामले अधिक हैं।

जिसका कारण बैक्टीरियल इंफेक्शन है। ये बैक्टीरिया यूरेथ्रा के जरिए यूरीनरी ट्रैक में प्रवेश कर रोग का कारण बनते हैं। यूटीआई की समस्या एक्यूट और क्रांनिक दोनों तरह से हो सकती है। इसका खतरा उम्रवार सभी वर्गों को अलग-अलग कारणों से प्रभावित करता है।

### कारण

#### बच्चों में

बच्चों में यूरीनरी ट्रैक इंफेक्शन का कारण यूरिन के रास्ते में रुकावट, न्यूरोजेनिक ब्लैडर व अन्य जन्मजात विकृतियां हैं। उनमें यूरेथ्रा से यूरीनरी ट्रैक तक बैक्टीरिया का हमला इस रोग की वजह बनता है।

#### पुरुषों में

पुरुषों में 50 साल की उम्र के बाद यूटीआई की समस्या अधिक होती है। जिसकी मुख्य वजह प्रोस्टेट का बढना है। ऐसे में यूरिन पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाता व लगातार स्टोर होने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।

डायबिटीज रोग में लापरवाही से पेक्रिंयाज शुगर के स्तर को असामान्य कर देता है जिससे यूटीआई की आशंका रहती है। ब्लैडर/किडनी संबंधी परेशानी या कमजोर इम्युनिटी से भी यूटीआई होता है।

#### महिलाओं में

यौन संबंधों व अंग के आसपास इंफेक्शन होने और लंबे समय तक यूरिन रोकने की आदत क्रांनिक यूटीआई की समस्या को बढ़ाती है। यूरिन को रोके रखने की क्षमता वाली मांसपेशी कमजोर होने लगती हैं। इसे ओवर एक्टिव ब्लैडर कहते हैं। कई मामलों में सिजेरियन, सर्जरी व महिला का बार-बार गर्भधारण करना भी यूटीआई की आशंका बढ़ा देता है।

### लक्षण

एक्यूट यूटीआई में यूरिन करने के तुरंत बाद ही बार-बार यूरिन आने, रोकने की क्षमता कम होने, यूरिन करते समय दर्द व जलन और हल्का बुखार आता है। क्रांनिक यूटीआई में इलाज के बाद भी इंफेक्शन बार-बार होता है।

मूत्रतंत्र से जुड़े अन्य अंग प्रभावित होते हैं जिससे गहरे रंग का यूरिन आने, पेट व पीठ के निचले हिस्से में दर्द के साथ ही ब्लैडर के आसपास भी दर्द होता है।

### अन्य कारण

पानी की कमी : गर्मियों में पानी की पर्याप्त मात्रा न पीने से पेशाब कम बनता है और शरीर में मौजूद फ्लूड पसीने के जरिए निकल जाता है।

**संक्रमण** : गंदे अंडरगारमेंट्स पहनने, साफ-सफाई के अभाव वाले टांयलेट या जगहों पर यूरिन करने से भी संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा दूषित भोजन व पानी के संपर्क में आने के दौरान बाहरी कीटाणु यूरेथ्रा में पहुंचकर इंफेक्शन बढ़ाते हैं।

**तनाव:** कई बार तनाव की स्थिति में यूरिन पूरी तरह से बाहर नहीं निकल पाता या व्यक्ति को बार-बार यूरिन आने की इच्छा होती है।

### ध्यान रखें

दिन में 4-5 लीटर पानी पीएं ताकि कीटाणु बाहर निकल जाएं। फलों का जूस पीते रहें। कब्ज न होने दें, पेट साफ रखें। यूरिन को लंबे समय तक न रोकें।

### जांच

यूरिन एग्जाम व यूरिन कल्चर टैस्ट कर इसका कारण का पता करते हैं।

### इलाज

- एक्यूट की स्थिति में 2-3 दिन तक एंटीबायोटिक दवा और क्रांनिक यूटीआई की स्थिति में लो डोज में प्रोफाइलेक्सिस
- गर्भावस्था के दौरान या डायबिटिक को यह समस्या है तो 2-3 हफ्ते तक दवा देते हैं।

# वजन बढ़ाने वाला पाउडर खाने से पहले जान लें साइड इफैक्ट्स

**इस** तेज रफ्तार और टैक्नोलॉजी से भरपूर जमाने में लोग फटाफट से हर काम को करना चाहते हैं। बात सिक्स पैक, बढ़ते हुए वजन को कम करने की हो या फिर दूबले शरीर को मोटा करने की, लोग किसी काम में भी इंतजार नहीं करना चाहते।

सिक्स पैक, बॉडी, वजन बढ़ाने की चाहत में वह प्रोटीन शेक या बांडी सप्लीमेंट्स लेने तक लेने शुरू कर देते हैं लेकिन शायद वह इनसे होने वाले साइड इफैक्ट्स के बारे में नहीं जानते। एक्सरसाइज, वर्कआउट और योग का हमारे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता लेकिन गलत चीजों से बांडी बनाने से हम तरह तरह की बीमारियों को खुद ही न्योता देते हैं जो कि सही नहीं है।

### क्यों लेते हैं वजन बनाने वाले पाउडर?

हमारे शरीर को विटामिन, मिनरल्स, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फाइबर अगर सही मात्रा में मिल जाएं तो हमारा शरीर तंदुरुस्त रह सकता है लेकिन बिगड़ती लाइफस्टाइल, वर्कआउट न करने और संपूर्ण आहार न लेने के कारण ही लोग वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने लगते हैं। आज हम आपको बताते हैं कि वजन बढ़ाने वाल पाऊडर लेने से हमारे शरीर में किस तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

### किडनी स्टोन

वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने से किडनी (गुर्दें) को खतरा होता है। क्रिएटीन व कैल्शियम ज्यादा मात्रा में लेने से गुर्दे की पथरी की भी समस्या हो सकती है। इसी के साथ अगर आपके शरीर के हार्मोन्स अतिसंवेदनशील है तो यह घातक हो सकता है।

### आंत की समस्या

इस पाउडर से आंत की समस्या भी होना आम बात है। यह बात तो साबित भी हो चुकी है कि वजन बढाने वाले पाउडर एक उत्प्रेरक हैं लेकिन ज्यादा से ज्यादा पानी पीने से उसके दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। अगर पाउडर के साथ एल्कोहल कासेवन किया जाए तो यह खतरनाक हो सकता है।

### सांस की समस्या

इससे सांस संबंधी परेशानी भी हो सकती है। कभी कभी कफ की समस्या सामने आती है लेकिन समस्या के ज्यादा गंभीर होने पर अस्थमा की समस्या भी हो सकती है। अगर आपको पहले से सांस की समस्या है तो कोई भी सप्लीमेंट्स लेने से पहले डाक्टर की सलाह जरूर लें।

### मितली व डायरिया

वैसे तो यह सब होना बहुत ही आम है लेकिन अगर यह समस्या पाउडर खाने के बाद बार बार होती हैं तो समझ लें इसका कारण वजन बढ़ाने वाला पाउडर है क्योंकि यह ठीक से पेट में घुल नहीं पाता, जिससे यह समस्या होने लगती है।

## पुरुष हो जाएं सावधान, पेट पर जमा फैट से है जान का खतरा

# मोटापे से ज्यादा जानलेवा है पेट निकलना

**अगर आप सोचते हैं कि सिर्फ मोटा होना ही नुकसानदेह है और शरीर में जमे थोड़े बहुत फैट से आपको कोई खतरा नहीं है तो आप गलत हैं। एक शोध में सामने आया है कि पेट पर जमा फैट उतना ही खतरनाक है जितना कि पूरे शरीर पर। ऐसे में मोटापे से ज्यादा जानलेवा पेट बाहर निकलना हो सकता है। इससे पुरुषों को ज्यादा सावधान रहने कह जरूरत है।**

जानकारी के मुताबिक शोध में पाया गया कि साधारण वजन वाले लोग जिनके पेट और कमर के पास ज्यादा फैट इकटठा होता है उन्हें जान का ज्यादा खतरा है बजाए उनके जो पूरी तरह मोटे या ओवरवेट हैं। यानि अगर आपके शरीर में फैट बराबर से हर अंग में बंटा है तो वह उतना खतरनाक नहीं है जितना कि सिर्फ पेट पर जमा फैट। ऐसा होने पर पेट पर टायर बनने लगते हैं यानी फैट की पूरी मोटी परत दिखती हैं। इससे कई बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि याददाश्त कमजोर होना, मधुमेह, कैंसर और दिल की बीमारी।

### 15 हजार लोगों पर की रिसर्च

मेरिका के मिनेसोटा में हुए इस शोध को 15000 लोगों पर आजमाया गया। इसे करने वाले डॉ फ्रान्सिस्को लोपेज ने बताया कि इस पर जल्द से जल्द कदम उठाने की जरूरत है ताकि यह पता चल सके कि कुछ लोगों का पूरा शरीर फिट, लेकिन पेट के पास फैट क्यों जमा होता है। ऐसे लोगों के जल्दी मरने का खतरा होता है। पुरुषों में यह संभावना ज्यादा रहती है जबकि महिलाओं में उनसे थोड़ी कम लेकिन फिर भी असरदार होती है।

### अच्छे खानपान से दूर हो सकती है बीमारी, शराब ज्यादा खराब

इस परेशानी से बचने का एकमात्र उपाय है कि अपने खान पान की आदतें सुधारें। पेट के पास फैट बढ़ने का मतलब होता है अंदरुनी अंगों के आस पास फैट बढ़ना जो कि दिल की बीमारियां, उक्त रकत्चाप और टाइप 2 मधुमेह की तरफ इशारा करता है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि पौष्टिक आहार लिया जाए। खाने पीने में फलों और सिब्जयों के जूस की मात्रा बढ़ाएं। शुगर और फैट वाली चीजें न खाएं, शराब कम कर दें और दिन में थोड़ा समय कसरत को जरूर दें। इन सबके पीछे अच्छी बात यह कि पेट के पास जमा फैट आसानी से समझ में आ जाता है क्योंकि कपड़े भी कसे होने लगते हैं।

## रेसिपी

### मिसी रोटी

#### सामग्री

**(8 मिस्सी रोटी के लिये)**

1 प्याला बेसन, 1/2 प्याला आटा, 1-2, बारीक कटी हरी मिर्च, 2 बड़ा चम्मच हरा धनिया बारीक कटा, 1/4 छोटा चम्मच नमक, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन,2 छोटा चम्मच तेल, 2-4 बड़ा चम्मच प्याज बारीक कटा (वैकल्पिक), 1/4 प्याला पानी (या आवश्यकतानुसार), घी/ मक्खन रोटी पर लगाने के लिए

#### विधि

एक परात में बेसन, आटा, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा हरा धनिया, कटी प्याज, नमक, तेल, और अजवाइन लें और अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए आटा गूंथें, यह न तो बहुत मुलायम हो और न बहुस सख्त। आटे को 10 मिनट के लिए ढककर रखें। गुथे आटे को 8 बराबर हिस्सों में बांटें और लोइयां बनाएं। तवा गरम करें। जब तक तवा गरम हो रहा है, इस बीच एक लोई को सूखे आटे की मदद से तीन इंच व्यास के गोले में बेलें। रोटी को गरम तवे पर डालें, एक ओर पक जाने पर पलट दें। दूसरी ओर पक जाने के बाद, रोटी को चिमटे की मदद से मध्यम आंच पर दोनों तरफ से घुमाकर लाल सेक लें। मिस्सी रोटी के ऊपर घी/ मक्खन लगाएं। इसी तरह से सभी रोटी को बनाकर सेंक लें। किसी भी दाल या सब्जी के साथ गर्म परोसें। **टिप्पणी :** अगर बिजली का चूल्हा है तो रोटी को तवे पर ही साफ कपड़े की मदद से सेंका जा सकता है। इसके लिए कपड़े से रोटी को किनारे से दबाकर दोनों तरफ से लाल सेक लें।

### दाल पंचरतन

#### सामग्री

50 ग्राम छिलके वाली मूंग की दाल, 50 ग्राम मसूर की दाल, 50 ग्राम चने की दाल, 50 ग्राम उड़द की दाल, 50 ग्राम अरहर या तुअर दाल, एक प्याज-टमाटर बारीक कटा हुआ। 4 बड़े चम्मच देसी घी, आधा छोटा चम्मच जीरा, चुटकीभर हल्दी,चुटकी भर हींग, लाल मिर्च, चाट मसाला, नीबू और नमक स्वादानुसार हरा धनिया बारीक कटा हुआ।

#### विधि

सारी दालों को लगभग दो घंटे के लिये गरम पानी में भिगोएं। इन्हें मिलाकर प्रेशर कुकर में नमक, हल्दी और डेढ़ कटोरी पानी के साथ तीन सीटी देने तक पकाएँ। तुरंत प्रेशर कुकर न खोलें। कढ़ाई में घी गर्म करें और जीरा, हींग का छौंक लगाकर प्याज डाल दें। प्याज गुलाबी सुनहरी हो जाने पर टमाटर और थोड़ा सा नमक डालकर ढ़ंक दें और आँच धीमी कर दें। टमाटर गल जाने पर दाल डालें, चाट मसाला मिलाएं और हरे धनिए से सजाकर परोसें।

**टिप्पणी :** इस दाल में साबुत गरम मसाले का छौंक अच्छा लगता है। इसके लिये दो बड़ी इलायची दो पत्ते तेजपात, दस काली मिर्च और पाँच लौंग जीरे के साथ घी में डालें। यह छौंक अन्य दालों में भी डाला जा सकता है।

# मां बन सकती हैं आप, अब नही होगा बार-बार गर्भपात

मां बनने की चाह रखने वाली महिला के लिए बार-बार गर्भपात होना एक बड़ी त्रासदी है। इस त्रासदी का असर पिता बनने की चाह रखने वाले वाले व्यक्ति पर भी पड़ता है, लेकिन लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज प्रक्रिया कई कारणों से बार-बार गर्भपात होने की समस्या से निजात दिलाने में कारगर है।

### समस्या क्या है

गर्भपात एक ऐसी स्थिति है, जिसमें भ्रूण के ठीक तरीके से विकसित होने के पहले ही गर्भ अचानक गिर जाता है। गर्भावस्था के दौरान लगभग 22 से 25 प्रतिशत मामलों में गर्भपात होता है। उम्र बढ़ने से बार-बार गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है। एक नजर कारणों पर गर्भपात हार्मोन संबंधी समस्याओं, संक्रमण या रक्त में थ्रॉम्बोफीलिया जैसी कुछ समस्याओं या आनुवांशिक विकृति आदि की वजह से हो सकता है। थ्रॉम्बोफीलिया की स्थिति में मां के शरीर से बच्चे को सही मात्रा में रक्त की आपूर्ति नहीं हो पाती। वहीं संरचनात्मक (एनाटॉमिकल) समस्या के कारण भी गर्भपात हो सकता है। गर्भपात के कुछ अन्य कारण हो सकते हैं...

### शारीरिक समस्याएं

- गर्भाशय में फाइब्रॉयड का होना।
- गर्भाशय की कैविटी में सेप्टम का होना।
- गर्भाशय में पॉलिप- या किसी भी अन्य प्रकार की ग्रोथ होना।
- सरवाइकल अक्षमता की स्थिति में प्रसव

(डिलीवरी) के दौरान गर्भाशय मुख के खुलने की बजाय यह समय (बच्चे का कार्यकाल पूरा होने से पहले) से पहले खुल जाता है। इस स्थिति में या तो गर्भपात हो सकता है या समय से बहुत पहले ही बच्चे के जन्म का खतरा बढ़ जाता है।

### परंपरागत उपचार

अतीत में इन महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के मुंह (वेजाइनल इनसरक्लेज) से नीचे टांका लगाकर इलाज किया जाता था। दुर्भाग्य से यह प्रक्रिया खतरे से पूरी तरह मुक्त नहीं थी। ऐसे ज्यादातर मामलों में वेजाइनल इनसेलक्लेज कारगर नहीं होता था और ऐसी अधिकतर महिलाओं में गर्भपात होना तब भी जारी रहता था। लेकिन अब ऐसी महिलाओं के लिए हमने एक नई प्रक्रिया शुरू की है, जिसे लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज कहा जाता है।

### अन्य लाभ

फाइब्रॉयड, पॉलिप, सेप्टम या गर्भाशय में किसी भी प्रकार की अन्य शारीरिक समस्या होने के कारण होने वाले गर्भपात के अन्य मामलों का भी इलाज दूरबीन विधि से संभव है।

### यह है नवीनतम इलाज

लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज के अंतर्गत गर्भाशय के मुंह को लैप्रोस्कोपी के जरिये ऊपर से बांध दिया जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि यह प्रक्रिया उन महिलाओं के लिए कारगर है, जिन्हें बार-बार गर्भपात होता है या जो महिलाएं अपरिपक्व (निर्धारित अवधि से पहले) बच्चों को जन्म देती हैं।

# बिछड़ रहे हैं दोस्त हमारे

पिछले चार सौ साल में कई प्राणी हमेशा के लिए खो गए हैं। वे अब चित्रों में ही बाकी रह गए हैं।

## बैजी रिवर डॉल्फिन

**कहां मिलती थी – चीन**

चायनीज रिवर डॉल्फिन या वाइटफिन डॉल्फिन हालिया विलुप्त प्राणियों में सबसे ऊपर है। यह 2006 में विलुप्त घोषित की गई। आखिरी बैजी की मृत्यु 2002 में हुई।

## कैस्पियन टाइगर

**कहां मिलते थे – तुर्की, ईरान और मध्य एशिया**

यह साइबेरियाई और बंगाल टाइगर्स से आकार में छोटा होता था, पर रूस के साइबेरियाई या एमुर टाइगर्स से कुछ-कुछ मिलता था। 1970 आते- आते तक धरती पर एक भी कैस्पियन टाइगर नहीं बचा।

## जांजीबार तेंदुआ

**कहां मिलता था-तंजानिया के जांजीबार द्वीप**

ये 1996 में विलुप्त घोषित कर दिए गए। इनकी विलुप्ति का मुख्य कारण भोजन की कमी और जंगलों का घटता दायरा रही।

## डोडो

**कहां मिलता था- मॉरिशस**

डोडो ऐसा पक्षी था, जो उड़ नहीं पाता था। यह फल खाता था। इस पक्षी का मांस खाने में स्वादिष्ट नहीं होता था, इसलिए इसका शिकार नहीं किया जाता था। तब यूरोपियन्स ने सुअरों को पालना शुरू किया था। ये सुअर, डोडो के हिस्से का भोजन खा जाते थे। पर्याप्त भोजन न मिलने पर संख्या घटने लगी और आखिरकार 1681 में डोडो विलुप्त हो गए।

## स्टेलर समुद्री गाय

**कहां मिलती थी- प्रशांत महासागर**

यह शाकाहारी स्तनधारी जीव थी। इसकी लम्बाई करीब तीस फुट थी और बाकी शरीर की तुलना में सिर काफी छोटा था। इसका शिकार करना काफी आसान था और इसी वजह से ही यह प्राणी विलुप्त भी हुआ। इसे 1768 में विलुप्त घोषित कर दिया गया।

## एलिफैंट बर्ड यानी हाथी पक्षी

**कहां मिलता थामेडागास्कर**

इस पक्षी का वजन 500 किलोग्राम होता और लम्बाई दस फीट। बहुत ज्यादा शिकार और आवास के विनाश की वजह से यह प्रजाति भी सत्रहवीं शताब्दी आते-आते पूरी तरह खत्म हो गई। इसके अंडे का वजन लगभग नौ किलो होता था।

कितने दिलचस्प थे न ये सभी प्राणी। पर अफसोस है कि हम इन्हें कभी देख नहीं पाएंगे। इनमें से कई ऐसे प्राणी हैं, जिन्हें हमारे दादा-पापा की उम्र के लोगों ने देखा होगा, पर हम नहीं देख पाएंगे।

आवास और आहार की कमी ही इनके विलुप्त होने की मुख्य वजह रही। इसके अलावा इनका ज्यादा शिकार भी एक अहम वजह रहा।

दुख की बात है कि प्राणियों के विलुप्त होने का सिलसिला अब भी जारी है। बहुत सारे जीव-जन्तु अब इक्का-दुक्का ही बचे हैं। आइए, जानते हैं कि इन्हें बचाने के लिए हम क्या कर सकते हैं।

## आपकी जिम्मेदारी

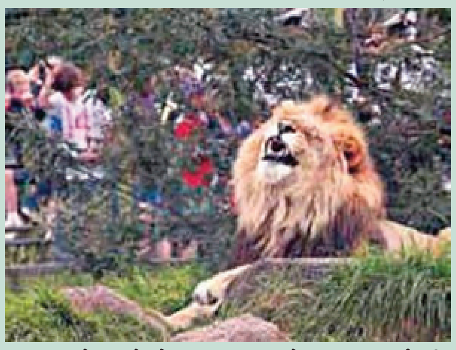

सबसे पहले तो जन्तु-जगत को सद्भाव पूर्ण दृष्टि से देखने की आवश्कता है। कई बार आपमें से कई दोस्त जानवरों से खेलने के बजाय उन्हें तकलीफ पहुंचाते हैं। पिंजरे मे कैद जानवर को लकड़ी से कोंचने या फिर उसे पत्थर मारने जैसी हरकत न करें, क्योंकि कोई आपके साथ ऐसा करें तो अच्छा नहीं लगेगा न आपको।

अपने घर के आस-पास मिलने वाले प्राणियां के बारे में जानकारी जुटाएं। इस स्थान पर इनकी क्या स्थिति है। कहीं वे संकटग्रस्त तो नहीं हैं। यदि वे संकट ग्रस्त प्राणियों में आते हैं, तो फिर उन्हें बचाने के लिए कोशिश कीजिए। किसी ग़ैर सरकारी संस्थान से संपर्क कीजिए। कुछ पैसे जुटाइए या फिर आप खुद भी एक छोटी कैंपेनिंग कर सकते हैं। इससे लोगों को जागरूक करने की कोशिश कीजिए। जो जीव आपके आसपास पाए जाते हैं, उनका जीव-चक्र में क्या योगदान है, पर्यावरण के लिए वे कितने महत्वपूर्ण हैं, इसके बारे में भी जानकारी जुटाएं।

## मिलेगा संतोष

यह सब करने से आपको संतोष मिलेगा। ऐसा महसूस होगा कि आप कुछ जिम्मेदार हो गए हैं। आपकी इस पहल से हो सकता है कि और भी लोग आगे आएं। लोगों के आगे आने से कुछ ऐसी संकटग्रस्त प्रजातियां जिनका अस्तित्व खतरे में हो, उनका संरक्षण किया जा सकेगा।

## अंतर ढूंढो

यहां आपको एक जैसी दो तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। पहली बार देखने में तो आपको अंतर समझ में नहीं आएगा, लेकिन जरा गौर से देखने पर आपको सात अंतर दिखाई देंगे। खोज निकालिए वे अंतर...

## बूझो तो जानें

1. हैरी पॉटर सीरीज की अंतिम फिल्म का नाम बताइए।
2. रफेल नडाल की नंबर वन टेनिस प्लेयर के रूप में बादशाहत किसने खत्म की ?
3. राइट टू सर्विस एक्ट लागू करने वाला पहला भारतीय राज्य कौन-सा है ?
4. समोआ देश किस महाद्वीप पर स्थित है ?
5. फीफा के अध्यक्ष का नाम क्या है ?
6. हिना रब्बानी किस देश की पहली महिला विदेश मंत्री है ?
7. टोक्यो से पहले जापान की राजधानी क्या थी ?
8. राष्ट्रीय पर्यटन दिवस कब मनाया जाता है ?
9. हुमायूं की पत्नी का नाम क्या था ?
10. पहला विश्व हिन्दी सम्मेलन कहां हुआ था ?
11. हांगकांग कितने द्वीपों पर बसा है ?
12. 'वी अंडरस्टैंड योर वर्ल्ड' किस बैंक की पंच लाइन है ?
13. केंद्रीय एगमार्क प्रयोगशाला कहां है ?
14. भारतीय सेना के कितने अधिकारियों को मार्शल की उपाधि दी गई है ?

**उत्तर**- 1. हैरी पॉटर एंड द डेथली हैलोज-2 2. नोवाक जोकोविच 3. पंजाब 4. ऑस्ट्रेलिया 5. सेप ब्लैटर 6. पाकिस्तान 7. क्योटो 8. 25 जनवरी 9. हमीदा बानो 10. नागपुर 11. 260 12. एचएसबीसी 13. नागपुर 14. तीन

# खर्च करें या जोड़ें ?

**अब्दुल** रहीम और वसंतराव एक ही नगर के रहने वाले थे। दोनों बचपन से ही एक स्कूल में पढ़े थे। बड़े होने के बाद वे दोनों एक ही कारखाने में काम करने लगे। दोनों की दोस्ती से दूर-दूर तक के लोग वाकिफ थे। एक-दूसरे के सुख में तो दोनों बेहद खुश होते ही थे, लेकिन एक-दूसरे के दुख में साथ देना भी न भूलते। हर चीज तो एक-सी थी। बस एक बात थी जिसमें दोनों की सोच एकदम अलग थी। अब्दुल रहीम पूरब था, तो वसंतराव पश्चिम। एकदम एक-दूसरे से दूर और उल्टे।

अब्दुल खर्चीला था और वसंत देख-भाल कर चलता था। दोनों को कारखाने से एक ही दिन वेतन मिलता था, पर वेतन के रुपए जेब में डालकर अब्दुल दूसरे ही दिन बाजार जाता और अपने शौक की दो-चार चीजें खरीद लाता। वसंत दूसरे ही दिन याद से बैंक जाता और महीनेभर का खर्चा अलग करके बचत के रुपए अपने हिसाब में जमा कर देता। अब्दुल कपड़े तो बढ़िया पहनता ही था, पर अपना घर भी खूब सजाकर रखता था। वसंत सादा खाता, सादा रहता, सादा पहनता। वसंत जब भी अब्दुल के घर आता, वह उसे नई-नई चीजें दिखाता और कहता ? 'वसंत बाबू, घर इसका नाम है कि कोई देखे तो उसे हैरानी और खुशी दोनों हो।'

अब्दुल कभी वसंत के घर जाता, तो वह उसकी सादगी की खूब हंसी उड़ाता। इसी सादगी के लिए उसने अपने दोस्त को एक नया नाम भी दे दिया था 'स्वामीजी'। इससे उलट वसंत बेहद सादगी से जवाब देता, 'ठीक है मेरे दोस्त। मैं स्वामीजी ही भला, तू नवाब बना रह, मैं साधु-सा जीवन जीने में ही खुश हूं। फिर भी दोस्ती के नाते मैं तुझे एक ही राय देना चाहूंगा कि आदमी को अपनी आमदनी में से चार पैसे जमा करने चाहिएं। अगर मरने के बाद भी कफन के लिए पड़ोसियों को पैसे इकट्ठा करने पड़े, तो इस जीवन का क्या अर्थ ?'

यों ही दोनों की ज़िंदगी के कई साल बीत गए। एक दिन वे नाव में बैठकर कहीं जा रहे थे। नाव में उन दोनों के अलावा और भी कई मुसाफिर थे। कुछ दूर जाते ही अचानक नाव में छेद हो गया और उस छेद से नाव में पानी भरने लगा। सभी मुसाफिर इस बात का मतलब समझ गए थे कि जल्द ही नाव में सारा पानी भर जाएगा और नाव डूब जाएगी। सबने अपना अंत देख लिया था। इस सबसे अब्दुल तो घबरा गया, लेकिन वसंत ने धीरे से नाविक के कान में कहा ? 'तुझे तो तैरना आता ही होगा। अगर तू तैर कर हमें बचा लेगा, तो मैं तुझे दो सौ रुपए इनाम दूंगा।'

नाविक के पास लकड़ी का तख्ता था, उसने अब्दुल और वसंत को उस पर बैठाकर नदी पार करवा दी। पार उतरकर वसंत ने अब्दुल से कहा ? 'तू अक्सर मुझे स्वामीजी कहकर चिढ़ाता था न ? अगर आज मेरे द्वारा जमा किए रुपए न होते, तो हम भी बाकी सब की तरह डूब कर मर चुके होते।'

थोड़ी देर तो अब्दुल सोचता रहा और फिर हंसते हुए बोला ? 'जोड़ने से हम कहां बचे ? हम तो पैसे खर्च करके ही बचे हैं। जोड़कर नाविक ने हमें नहीं बचाया, बल्कि खर्च कर नाविक हमें बचाने को राजी हुआ। तू अब भी इस बात को नहीं समझ पा रहा है।' यह कहते ही वह जोर-जोर से हंसने लगा।

हंसना तो उसका स्वभाव था। पर इस कहानी से हमारे हाथ क्या बात लगी ? यह बात ठीक है कि जो जमा नहीं करेगा, तो वह खर्च क्या करेगा ? और जो समय पड़ने पर खर्च नहीं करेगा, उसे जमा करने से क्या लाभ ? आखिर जमा करना बड़ी बात है या खर्च करना ? असल में सबसे अहम बात है, समय पर जमा करना भी जानें और समय पर खर्च करना भी। सौ बातों की एक बात यह है कि जीवन का जितना बड़ा दोष फिजूलखर्ची है, उतना ही बड़ा दोष है कंजूसी। भरपूर जीवन जीने की चाह रखने वाले इंसान को इन दोनों ही दोषों से बचना चाहिए।

## रंग भरो

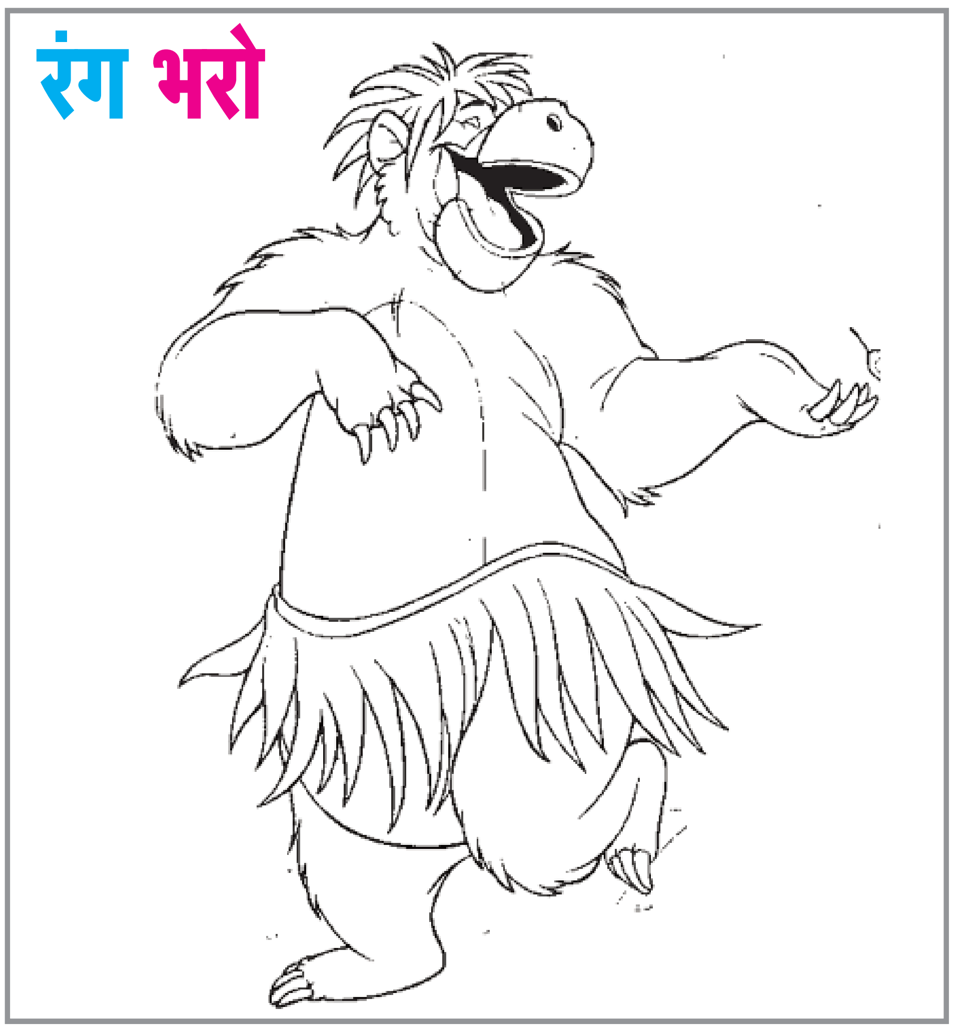

# शहबाज का ऑफर : बोले–कश्मीर पर सहमति बनेगी तो मिलकर खत्म करेंगे आतंकवाद

**इस्लामाबाद,17 मई (एजेंसियां) ।**

ऑपरेशन सिंदूर के बाद घुटनों पर आया पाकिस्तान अब शांति और सौहार्द की बात कर रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि भारत के साथ बैठक होना चाहिए। उसमें कश्मीर सहित तमाम मसलों पर बात हो जाए। सहमति बनने के बाद दोनों देश मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ सकते हैं। बेचारे, शहबाज को शायद नहीं पता कि कश्मीर भारत का हिस्सा था, है और रहेगा। यदि बात करना ही है तो पीओके पर करें।

रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद में यौम–ए–ताश्कर में लोगों को संबोधित कर रहे शहबाज ने कहा कि भारत और पाकिस्तान अभी तक तीन पूर्ण युद्ध लड़ चुके हैं.. लेकिन दोनों ही देशों को इससे ज्यादा कुछ फायदा नहीं मिला है। शहबाज ने कहा, इससे एक सीख मिलती है कि आप एक शांतिप्रिय पड़ोसी की तरह बैठें और कश्मीर सहित सभी मुद्दों पर चर्चा शुरू करें। अगर दोनों देशों में शांति आती है, तो फिर हम साथ मिलकर आतंकवाद के खात्मे पर भी बात कर सकते हैं। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच में फिलहाल शांति है। दोनों ही तरफ से नेता बयानों के जरिए एक–दूसरे को चेतावनी दे रहे हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को कहा कि नई दिल्ली और इस्लामाबाद को शांति पूर्ण पड़ोसियों की तरह टेबल पर बैठना चाहिए और दशकों से जो मुद्दे लंबित हैं..कश्मीर सहित, उनको सुलझाना चाहिए।

**राजनाथ बोले– तो पाक को पूरी फिल्म दिखाएंगे** – युद्ध और बदले की बात करने वाले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। अभी तक जो कुछ भी हुआ है वह एक ट्रेलर था.. अगर पाकिस्तान नहीं सुधरा तो हम दुनिया को पूरी फिल्म दिखाएंगे। हम पाकिस्तान की हरकतों पर नजर रख रहे हैं अगर वह सुधार करता है तो ठीक है वरना उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।इससे पहले पहलगाम आतंकी हमले के बाद चले घटनाक्रम में भारत और पाकिस्तान के बीच लगभग चार दिन रॉकेट्स मिसाइल और ड्रोन्स के जरिए लड़ाई हुई थी। 10 मई को दोनों देशों ने आपसी सहमति से सैन्य टकराव खत्म करने पर सहमति व्यक्त की। इसके बाद दोनों देशों में सीजफायर हुआ।

## न्यूज ब्रीफ

### पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के डाक्टर की गोली मारकर हत्या

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान में अब अहमदिया समुदाय पर भी हिंसा होना शुरू हो गई है। बीती रात अहमदिया समाज के वरिष्ठ डाक्टर शेख महमूद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक हमलावर उनके क्लीनिक में घुसा और गोलियों की बौछार कर दी। हमलाकर मौके से फरार होने में सफल रहा। पिछले दो महीने में अहमदिया समुदाय के तीसरे व्यक्ति की हत्या है। जमात ए अहमदिया पाकिस्तान (जेएपी) के मुताबिक घटना पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के सरगोधा में शुक्रवार देर शाम की है। डा. शेख महमूद अपने क्लीनिक पर थे। तभी उन पर हमला कर दिया गया। डाक्टर की हत्या करने में तहरीक ए पाकिस्तान का हाथ होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। उनकी हत्या को लेकर मानवाधिकार समूहों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। डा. शेख महमूद मानवतावादी थे, इसलिए उन्हें समय–समय पर चरमपंथियों से धमकियां मिलती रहती थीं। वह पहले सरकारी नौकरी में थे। लेकिन चरमपंथी गुट तहरीक ए पाकिस्तान के दबाव में उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी थी। इस घटना के बाद अहमदिया समुदाय में भय का माहौल है। उन्होंने सुरक्षा की मांग की है।

### 38 प्रतिशत भारतीय कर रहे प्रोसेस्ड फूड का सेवन

**न्यू जर्सी।** ग्लोबल फूड पॉलिसी रिपोर्ट 2024 के मुताबिक, 38 प्रतिशत भारतीय अब स्वास्थ्यवर्धक भोजन की बजाय प्रोसेस्ड फूड का सेवन कर रहे हैं। केवल 28 प्रतिशत लोग ही ऐसा भोजन कर रहे हैं जो उनके शरीर के लिए फायदेमंद है। भारत में प्रोसेस और जंक फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है, जो एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर संकेत करता है। रिपोर्ट बताती है कि 16.6 प्रतिशत भारतीय आबादी कुपोषण से जूझ रही है, बावजूद इसके इस मुद्दे पर न तो कोई ठोस बहस हो रही है और न ही कोई कारगर नीति बनती दिख रही है। तेजी से बदलती जीवनशैली और विज्ञापनों की चकाचौंध ने लोगों को इंस्टैंट और प्रोसेस फूड की ओर आकर्षित किया है, जिससे दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ गया है। इस बीच अमेरिका में भी प्रोसेस फूड को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। बता दें कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डॉक्टर केसी मीन्स को अगला सर्जन जनरल नियुक्त करने की घोषणा की है। डॉक्टर मीन्स, जो कैनेडी जूनियर की करीबी मानी जाती हैं, ने इस अवसर पर एक वीडियो जारी कर अमेरिकी हेल्थ एजेंसियों की नीतियों पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि अमेरिका में स्वास्थ्य एजेंसियां असली सुधार की दिशा में काम नहीं कर रही हैं।

### पूर्व वायुसेना प्रमुख का शर्मनाक कबूलनामा, ब्रह्मोस मिसाइल ने हमारे अवाक्स विमान को तबाह कर दिया

**कराची।** पाकिस्तान के सेवानिवृत्त एयर मार्शल ने माना कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भोलारी एयरबेस पर हुए हमलों में पाकिस्तान ने अपना अवाक्स विमान खो दिया। पाकिस्तान के एक पूर्व वायुसेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भोलारी एयरबेस पर भारतीय हमलों में पाकिस्तान ने अपना बेशकीमती अवाक्स विमान खो दिया। सेवानिवृत्त एयर मार्शल मसूद अख्तर ने कहा कि भारत ने 11 सैन्य प्रतिष्ठानों पर किए गए मिसाइल हमले के दौरान एक एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (अवाक्स) विमान को मार गिराया। अख्तर के अनुसार, कराची के पास स्थित भोलारी एयरबेस पर लक्षित भारतीय हमले के दौरान अवाक्स को मार गिराया गया। फिर दुनिया के सामने आया पाकिस्तान सरकार का झूठ यह एयरबेस भारत के जवाबी अभियान के तहत मारे गए 11 सैन्य प्रतिष्ठानों में से एक था। पूर्व वायुसेना प्रमुख अख्तर ने माना कि भारतीय सशस्त्र बलों ने लगातार चार ब्रह्मोस मिसाइलें दागीं...सतह से सतह पर या हवा से सतह पर, मुझे पक्का पता नहीं...पाकिस्तानी पायलट अपने विमान को सुरक्षित करने के लिए दौड़े, लेकिन मिसाइलें आती रहीं और दुर्भाग्य से, चौथी मिसाइल भोलारी एयरबेस के हैंगर से टकराई, जहां हमारा एक अवाक्स खड़ा था।

# युद्ध में झौंक दिए 3 साल, शांति वार्ता के लिए 2 घंटे भी बैठक नहीं कर पाए,रूस–यूक्रेन

**अंकारा,17 मई (एजेंसियां) ।**

**बीते तीन साल से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। शांति पर बात भी हो रही है लेकिन सहमति नहीं बन पा रही है। वजह ये है कि रूस अपनी शर्तें रख रहा है और यूक्रेन का कहना है कि पहले बंदूकों को शांत किया जाए तब कहीं शांति पर बात हे सकती है। हाल ही में हुई बैठक में टर्की में हुई बैठक भी मात्र दो घंटे ही चली और युद्ध बीते तीन साल से चल रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच बीते तीन साल से जारी युद्ध के बीच पहली बार दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच शांति वार्ता हुई। दोनों देशों के बीच युद्धविराम पर कोई सहमित नहीं बन पाई।**

रूस और यूक्रेन के अधिकारी यू–आकार की एक मेज के चारों ओर आमने–सामने बैठे। तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने बैठक की शुरुआत में सभी पक्षों से इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया और कहा कि ' यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि संघर्षविराम यथाशीघ्र हो।अधिकारियों और पर्यवेक्षकों का मानना है कि तुर्किये की मध्यस्थता वाली वार्ता के माध्यम से तीन साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध को रोकने में तत्काल कोई प्रगति नहीं होगी।

इस वार्ता का नतीजा इतना ही रहा कि दोनों देशों के बीच 1000 बंदियों की रिहाई पर सहमति बनी । रूस के प्रतिनिधि ने कहा कि दोनों देशों के बीच सीजफायर के प्रस्ताव पेश करने को लेकर सहमति बनी है। वहीं यूक्रेन का कहना है कि सीजफायर को लेकर वह बिल्कुल संतुष्ट नहीं है। रूस ने इस मुद्दे को लेकर कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि रूस ने ऐसी शर्त रखी है जो कि स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, रूस चाहता है कि यूक्रेन बड़े हिस्से से अपनी सेना को हटा ले। यह तो एक तरह से धोखे की स्थिति है। रूस इसका फायदा उठाना चाहता है। उन्होंने कहा कि रूस शांति वार्ता में भी अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है।

वहीं रूस और यूक्रेन के रुख ने टेंशन जरूर बढ़ा दी है। रूस युद्धविराम पर बात करने को तैयार नहीं है। वहीं यूक्रेन का कहना है कि बिना दोनों तरफ से बंदूकों के शांत हुए शांति की बात भी नहीं की जा सकती है। यूक्रेन का कहना था कि वार्ता के लिए कम से कम अस्थायी सीजफायर जरूरी है। यूक्रेनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि रूस ने उसकी शर्त नहीं मानी। वहीं रूस की तरफ से वार्ता में शामिल हुए व्लादिमीर मेदिन्स्की ने कहा कि वह इस वार्ता से संतुष्ट हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, फ्रांस, जर्मनी, यूके और पोलैंड से यही अपील की है कि अगर मॉस्को बिना शर्त युद्धविराम को तैयार नहीं होता है तो उसके खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाए जाएं।

बता दें कि तुर्किए में होने वाली इस शांति वार्ता में पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की भी शामिल होने वाले थे। वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने भी वार्ता में शामिल होने के संकेत दिए थे। हालांकि ऐन वक्त पर पुतिन और ट्रंप दोनों ही पीछे हट गए। ऐसे में वार्ता दोनों देशों के सीनियर अधिकारियों के बीच ही सिमटकर रह गई।यूक्रेन ने कहा कि उसके सहयोगियों के प्रस्ताव के मुताबिक वह सीजफायर चाहता है। इसके बाद आगे की बात होगी। वहीं अबू धाबी में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, अब हमें करके दिखाना होगा। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हेओरही टाइखई के अनुसार रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव के नेतृत्व में यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की के नेतृत्व में रूस के एक दल के साथ बैठक की।

# ट्रंप को सीरिया के विद्रोही पसंद तो भारत को तालिबान चर्चा में आए दोनों देश

**काबुल,17 मई (एजेंसियां) ।**

इंटरनेशन डिप्लोमेसी में हित महत्वपूर्ण होते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह साबित कर दिया है। सीरिया जो कभी अमेरिका के लिए कट्टर दुश्मन था, ट्रंप आज के समय उसी पर मेहरबान हैं। ट्रंप ने सीरिया पर लगाए प्रतिबंधों को हटा दिया है। इसके अलावा सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल शरा से मुलाकात की है, जो 14 साल के गृहयुद्ध और दशकों की कूटनीति में बड़ा बदलाव दिखाता है। इस सब के पीछे का लक्ष्य है कि अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपने सबसे बड़े दुश्मन ईरान पर फोकस करना चाहता है। ऐसा ही अब कुछ भारत कर रहा है। भारत तालिबान के साथ संबंधों को बढ़ा रहा है।

भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने गुरुवार को तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी से फोन पर बात की, जो भारत की ओर से तालिबान प्रशासन के साथ पहली मंत्रिस्तरीय बातचीत है। भारत की तालिबान के साथ बातचीत का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि नई दिल्ली ने अभी तक तालिबान प्रशासन को आधिकारिक मान्यता नहीं दी है। डॉ जयशंकर और मुत्तकी की बातचीत जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तालिबान की ओर से निंदा के बाद हुई। इस हमले को पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। तालिबान ने पाकिस्तानी मीडिया में भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने की कोशिशों को खारिज किया, जिसे जयशंकर ने सराहा है।

ट्रंप ने प्रतिबंध हटाने का फैसला तब लिया है, जब बशर असद को सत्ता से हटा दिया गया। ट्रंप ने सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल शरा से मुलाकात की और प्रतिबंध हटाने की घोषणा की, जिसके बाद सीरियाई मुद्रा में 60 प्रतिशत की उछाल आई। यह कदम न केवल आर्थिक राहत दे सकता है, बल्कि सीरिया को मुख्यधारा में फिर से शामिल होने का मौका भी देता है। भारत की तालिबान से बातचीत और अमेरिका की सीरिया नीति में एक समानता नजर आती है। दोनों देश अपने रणनीतिक हितों को प्राथमिकता दे रहे हैं, भले ही इसके लिए पुराने विरोधियों से हाथ मिलाना पड़े। अमेरिका ने जिस शरा को पहले आतंकवादी माना था, उसे अब समर्थन दे रहा है, क्योंकि वह रूस और ईरान के प्रभाव को कम करना चाहता है।

## इंसानों की क्रिएटिविटी छीन रहा एआई, शोध से हुआ हैरान करने वाला खुलासा

हाल ही में किए गए एक शोध से खुलासा हुआ है कि लोगों की क्रिएटिव सोच पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई का विपरीत असर पड़ रहा है। शोध बताता है कि जब लोग एआई पर बहुत ज्यादा भरोसा करने लगते हैं, तो उनकी सोच, समस्या सुलझाने और विश्लेषण करने से हटकर एआई के उत्तर की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने तक ही सीमित हो जाती है। यह बदलाव व्यक्ति के निर्णय लेने और समालोचनात्मक सोचने की क्षमताओं को कमजोर कर सकता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। इसके विपरीत रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने हमारी जिंदगी को कई मायनों में आसान बना दिया है। चेटजीपीटी और गूगल जेमिनी जैसे टूल्स ने न केवल कामकाज की रफ्तार बढ़ाई है बल्कि हर सेक्टर में एआई की मांग को भी आसमान पर पहुंचा दिया है। कोडिंग से लेकर इनोवेटिव लर्निंग तक, एआई आज हर जगह अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुका है, लेकिन जहां एक ओर यह तकनीक हमारे कार्यों को आसान बना रही है, तो वहीं दूसरी ओर यह इंसानों की रचनात्मकता और मानसिक क्षमता को नुकसान भी पहुंचा सकती है।

# सलमान रुश्दी की आंख में चाकू मारने वाले को 25 साल की सजा

**न्यूयॉर्क,17 मई (एजेंसियां) ।** सलमान रुश्दी की आंख पर चाकू से हमला करने वाले अपराधी को शुक्रवार को 25 साल की सजा सुनाई गई। सलमान रुश्दी की आंख पर हमला करने वाले अपराधी हादी मतार को हत्या के प्रयास का दोषी मानते हुए न्यूयॉर्क की मेविल अदालत में जज डेविड फोले ने सजा सुनाई। रुश्दी पर हमला यहीं हुआ था। हादी को फरवरी में राज्य के कानूनों के तहत दोषी ठहराया गया था, और उस पर संघीय कानूनों के तहत अलग–अलग आतंकवाद के आरोप हैं। 27 वर्षीय मतार को भी सात साल की सजा मिली है जो मुख्य सजा के साथ–साथ चलेगी।चौटाउक्का काउंटी के जिला अभियोजक जेसन श्मिट ने सजा सुनाए जाने के बाद कहा, मैं जज द्वारा लगाई गई सजा से खुश हूं। मतार के वकील नाथनियल बैरोन ने कहा कि वे इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करेंगे। मतार ने अगस्त 2022 में चौटाउक्का इंस्टीट्यूशन में मंच पर सलमान रुश्दी पर हमला किया था। रुश्दी की दाईं आंख पर कई बार चाकू से हमला किया गया। इस वजह से उन्हें यह आंख गंवानी पड़ी थी। हमले के दौरान हेनरी रीज़ भी घायल हुए थे। हेनरी सताए गए

लेखकों को शरण देने के लिए एक कार्यक्रम चलाते हैं। रुश्दी ने 2024 में प्रकाशित एक संस्मरण नाइफ में हमले और उसके बाद की घटनाओं का विवरण दिया था।सलमान रुश्दी पर हमले की शुरुआत 1989 में हुई थी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खुमैनी ने रुश्दी की मौत का फतवा जारी किया था। खुमैनी रुश्दी के उपन्यास द सैटेनिक वर्सेज को ईशनिंदा बताते हुए फतवा जारी किया था। फतवे की वजह से रुश्दी कई सालों तक ब्रिटिश अधिकारियों के संरक्षण में छिपने को मजबूर थे। बाद में न्यूयॉर्क चले गए और फिर सार्वजनिक रूप से दिखाई देने लगे। सजा सुनाए जाने से पहले, हादी मतार ने जज से कहा कि रुश्दी एक बदमाश बनना चाहता है, वह दूसरे लोगों को धमकाना चाहता है। मैं इससे सहमत नहीं हूँ। मतार ने एक अस्पष्ट बयान में कहा कि रुश्दी दूसरे लोगों के प्रति अपमानजनक थे, जिसमें उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धर्म के बारे में असंगत बातें कीं।

इस सब में एक विडंबना है, श्मिट ने कहा। उनकी मूल्य प्रणाली यह है कि वे किसी ऐसे व्यक्ति पर न्याय और सजा की अपनी भावना थोप सकते हैं जो, आप जानते हैं, उनकी मूल्य प्रणाली का उल्लंघन करता है। बैरोन के मुताबिक मतार अदालत को मुस्लिम धर्म के बारे में अपनी दृढ़ता को बताने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा कि कुछ लोग मतार से सहमत हो सकते हैं। हालांकि अन्य शिया मुसलमानों ने कहा, जो हुआ वह गलत है। जब जुलाई में मतार के खिलाफ संघीय आरोप दायर किए गए थे, तो मेरिक गारलैंड, जो उस समय अटॉर्नी जनरल थे, ने कहा कि उन्होंने ईरानी शासन के साथ गठबंधन करने वाले एक नामित आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के नाम पर आतंकवाद का कार्य किया।

# सुप्रीम कोर्ट से ट्रम्प प्रशासन को झटका, वेनेजुएला के लोगों को अमेरिका से निकालने पर रोक लगाई

**वाशिंगटन,17 मई (एजेंसियां) ।**

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट से ट्रम्प प्रशासन को करारा झटका लगा है। अदालत ने वेनेजुएला के लोगों को देश से निकालने पर रोक लगा दी है। अदालत ने कहा है कि लोगों को देश से निकालने से पहले उन्हें कानूनी प्रक्रिया अपनाने का पूरा मौका देना चाहिए। उधर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अदालत के फैसले पर नाराजगी व्यक्त की है।

टेक्सास के एक हिरासत केन्द्र में वेनेजुएला के लोग बंद हैं। ट्रम्प प्रशासन वेनेजुएला के लोगों को सन 1798 में बने एलियन एनिमीज एक्ट के तहत देश से बाहर भेजना चाहता है। मानवाधिकार संगठन अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) के जरिए मामला अदालत पहुंचा। अदालत ने सुनवाई के बाद शुक्रवार को कहा कि 24 घंटे में बिना सुनवाई अप्रवासी लोगों को अमेरिका से बाहर भेजना सही नहीं हैं। एसीएलयू के प्रवक्ता के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को निचली अदालत सर्किट कोर्ट को भेज दिया है, जिससे इस मुद्दे वर विस्तार से सुनवाई हो सके। उधर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि सुप्रीम कोर्ट हमे अपराधियों को देश से बाहर निकालने की इजाजत नहीं दे दे रहा। गौरतलब है कि इससे पहले यह मामला अमेरिका का निचली अदालत में पहुंचा था। लेकिन अदालत ने इसे सुनने से इंकार कर दिया था। उसके बाद एसीएलयू संगठन ने सुप्रीम कोर्ट ने दस्तक दी थी।

## यूएई से ट्रंप को मिला एक बूंद तेल, वायरल वीडियो में मजाक उड़ाते दिखे

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यूएई की तरफ से ट्रंप को सबसे प्रीमियम कच्चे तेल की एक बूंद तोहफे में दी गई थी। इसका मजाक उड़ाते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं इससे बहुत ज्यादा खुश नहीं हूं। हालांकि ट्रंप बाद में मुस्कुराते हुए कहते हैं कि कोई बूंद न मिलने से बेहतर है कि एक बूंद मिली। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में ट्रंप खुले आम बूंद को हाथ में लिए अपनी निराशा को व्यक्त करते हुए नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने कहा, यह धरती पर सबसे उच्च गुणवत्ता वाला तेल है, और मुझे इसकी केवल एक बूंद दी गई है। इस वजह से मैं बहुत ज्यादा रोमांचित नहीं हूं.. लेकिन ठीक है कोई बूंद न मिलने से बेहतर है कि एक बूंद मिला है। ट्रंप जिस वक्त यह बात कह रहे थे ठीक उसी वक्त यूएई के उद्योग मंत्री और एडनॉक के सीईओ डॉक्टर सुल्तान अहमद अल जाबेर ट्रंप की मजाकिया बातों को सुनकर हंस रहे थे। उन्होंने हल्के–फुल्के अंदाज में कहा, चिंता मत करो, जहां से यह तेल आया है वहां पर बहुत कुछ है। तोहफे पर घिर रहे ट्रंप मध्य–पूर्व की यात्रा पर आए ट्रंप को काफी महंगे तोहफे मिले हैं। कतर के अमीर ने ट्रंप को 400 मिलियन डॉलर का बोइंग जेट दिया है। इस जेट को राष्ट्रपति थोड़े बदलावों के साथ अपने विमान के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। ट्रंप द्वारा इतना महंगा तोहफा लेने पर अमेरिका की घरेलू राजनीति में काफी हलचल है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने इसे तोहफा नहीं रिश्वत कहा लेकिन ट्रंप ने सभी को जवाब देते हुए कहा कि अगर कोई मुफ्त में विमान दे रहा है तो उसे अस्वीकार करना मूर्खता होगी।

# प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 की नीलामी से पहले रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी

**मुंबई ,17 मई (एजेंसियां) ।**

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) ने शनिवार को सीजन 12 के लिए रिटेन किये गए खिलाड़ियों की सूची जारी की। सीजन 12 की नीलामी 31 मई और एक जून को मुंबई में आयोजित की जाएगी। अधिकांश फ्रेंचाइजियों ने अपने मुख्य खिलाड़ियों को रिटेन किया है और अब वे आगामी सीजन के लिए और भी मजबूत टीम बनाने की तैयारी में हैं। प्रमुख रिटेन्ड खिलाड़ियों में यू मुंबा के सुनील कुमार और आमिर मोहम्मद जफरदानेश, हरियाणा स्टीलर्स के जयदीप डहिया, यूपी योद्धा के सुरेंदर गिल और पुनेरी पलटन के असलम इनामदार व मोहित गोयत शामिल हैं। इस बार कुल 83 खिलाड़ियों को तीन श्रेणियों में रिटेन किया गया है: 25 खिलाड़ी 'एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स' श्रेणी में , 23 खिलाड़ी 'रिटेन्ड यंग प्लेयर्स ' श्रेणी में, 35 खिलाड़ी 'न्यू यंग प्लेयर्स' श्रेणी में नीलामी में 500 से अधिक खिलाड़ी उतरेंगे, जिनमें भारत के नामी खिलाड़ी — पवन सहरावत, अर्जुन देशवाल, आशु मलिक और पीकेएल 11 के टॉप रेडर देवांक दलाल शामिल हैं। इसके अलावा, ईरान के दिग्गज फजल अत्राचली और मोहम्मदरेजा शदलूई, साथ ही मनींदर सिंह और प्रदीप नरवाल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी नीलामी में शामिल होंगे। एक रोचक तथ्य यह है कि नवीन कुमार पहली बार नीलामी में उतरेंगे। उन्होंने दबंग दिल्ली केसी के लिए 6 सीजन में 1102 रेड पॉइंट्स बनाए हैं और 1000+ पॉइंट्स के साथ नीलामी में उतरने वाले पहले खिलाड़ी बनेंगे।

नीलामी के लिए खिलाड़ियों को चार श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा और उनका एक बेस प्राइस (आधार मूल्य) भी होगा। कैटेगरी ए का बेस प्राइस 30 लाख रुपये है। इसी तरह कैटेगरी बी के लिए 20 लाख रुपये बेस प्राइस रखा गया है। कैटेगरी सी के खिलाड़ी कम से कम 13 लाख रुपये में बिकेंगे, जबकि कैटेगरी के लिए न्यूनतम मूल्य 9 लाख रुपये है। हर श्रेणी के अंतर्गत खिलाड़ियों को उनके रोल के अनुसार वर्गीकृत किया जाएगा।

## न्यूज ब्रीफ

### जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर भाला फेंककर जीता दोहा डायमंड लीग, दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा

**दोहा।** भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को दोहा डायमंड लीग 2025 में अपने करियर की पहली 90 मीटर से लंबी थ्रो की, लेकिन इसके बावजूद वह खिताब से चूक गए। जर्मनी के जूलियन वेबर ने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर का भाला फेंकते हुए प्रतियोगिता जीत ली। नीरज का नया नेशनल रिकॉर्ड, लेकिन दूसरी बार भी दूसरा स्थान नीरज ने 90.23 मीटर का शानदार भाला फेंककर 2022 में स्टॉकहोम डायमंड लीग में बनाया गया अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड (89.94 मीटर) तोड़ दिया। यह पहला मौका था जब नीरज ने 90 मीटर पार किया। प्रतियोगिता के बाद नीरज ने कहा, थोड़ा मिला-जुला अनुभव रहा। 90 मीटर पार करके खुशी है, लेकिन दूसरी बार फिर से दूसरे स्थान पर रहना थोड़ा खलता है। ऐसा पहले भी टर्कू और स्टॉकहोम में हो चुका है। लेकिन मैं जूलियन के लिए भी खुश हूं। हम दोनों ने पहली बार 90 मीटर पार किया। ये सीजन की पहली प्रतियोगिता थी, आगे और बेहतर करने का भरोसा है। शुरू से ही लीड में थे नीरज, लेकिन वेबर ने पलटी बाजी नीरज ने अपनी पहली ही कोशिश में 88.44 मीटर फेंककर वर्ल्ड लीड हासिल कर ली थी। दूसरी कोशिश में उन्हें 'नो थ्रो' मिला, जबकि आगे की कोशिशों में उन्होंने 80.56 मीटर और 88.20 मीटर की थ्रो की। ऐसा लग रहा था कि नीरज जीत की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन जूलियन वेबर ने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए बाजी पलट दी। किशोर जेना का प्रदर्शन रहा फीका भारत के ही एक अन्य प्रतिभागी किशोर जेना ने निराशाजनक शुरुआत करते हुए पहली बार में केवल 68.07 मीटर भाला फेंका। बाद में वह इसे सुधारकर 78.60 मीटर तक ले जा सके, लेकिन वह शीर्ष रैंक में नहीं आ पाए।

### प्रज्ञानानंदा ने रोमांचक टाइब्रेक प्लेआफ मुकाबले में जीती चैंपियनशिप

**नई दिल्ली।** भारत के आर प्रज्ञानानंदा ने अलीरजा फिरोजा और मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव के साथ

रोमांचक टाइब्रेक प्लेआफ मुकाबला जीतकर सुपरबेट शतरंज क्लासिक टूर्नामेंट अपने नाम कर लिया है। भारत के विश्व चैम्पियन डी गुकेश चार अंक लेकर नौवें स्थान पर रहे। अब अगला टूर्नामेंट सुपर युनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज एक जुलाई से क्रोएशिया में खेला जाएगा। पुरस्कार राशि के रूप में 77,667 डालर मिले प्रज्ञानानंदा को पुरस्कार राशि के रूप में 77,667 डालर यानी करीब 66,48,345 रुपए मिले और उन्हें 10 ग्रैंड शतरंज टूर अंक दिए गए। चेन्नई के 19 साल के युवा खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। जीत के बाद प्रज्ञानानंदा ने एक्स पर लिखा- अविश्वसनीय अनुभव। अभी बुकारेस्ट में सुपरबेट शतरंज क्लासिक टूर्नामेंट जीता। मेरी टीम और सहयोगियों को लगातार हौसला अफजाई के लिये धन्यवाद। प्रज्ञानानंदा, वाचियेर लाग्रेव और फिरोजा नौ दौर के बाद 5.5 अंक लेकर बराबरी पर थे जिससे विजेता का फैसला त्रिकोणीय टाइब्रेकर से हुआ। टाइब्रेकर में पहली दो बाजियां ड्रॉ रहने के बाद प्रज्ञानानंदा ने तीसरी बाजी और खिताब जीता। पिछले महीने वारसॉ में आयोजित सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड इवेंट में प्रज्ञानानंदा तीसरे स्थान पर रहे थे।

### मेरा लक्ष्य अच्छी वापसी करना है : स्टोक्स

**लंदन।** इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स कहा है कि वह अपनी हैमस्ट्रिंग चोट के बाद की

रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) प्रक्रिया से गुजर रहे है और उनका लक्ष्य तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में धमामेदार वापसी करना है। स्टोक्स दिसंबर में हुए टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए टेस्ट में हैमस्ट्रिंग में लगी चोट के बाद बाहर हो गये थे। उसके बाद से ही वह खेल से दूर हैं। इसी कारण वह इंग्लैंड के भारत दौरे और चैंपियंस ट्रॉफी से भी बाहर रहे थे। स्टोक्स इसके बाद से ही फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। स्टोक्स ने कहा, मैं हमेशा कड़ी मेहनत करता हूं। जब मैं फिट नहीं होता हूं, तो मेरा प्रयास पहले से बेहतर फिटनेस हासिल करने का रहता है। मैंने अपने क्रिकेट से लेकर फिटनेस तक हर चीज पर बहुत मेहनत की है और मुझे पता है कि जब मैं इस बार मैदान पर वापसी करूंगा तो मेरी फिटनेस सबसे अच्छे स्तर की होगी। स्टोक्स पहले भी कई बार चोटिल होने के कारण खेल से दूर रहे हैं। पिछले साल अगस्त में 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट के दौरान चोट लगने के के कारण वह श्रीलंका के खिलाफ तीन और पाकिस्तान के खिलाफ लगातार चार टेस्ट मैचों से बाहर रहे थे। साल के अंत में वह न्यूजीलैंड दौरे के लिए फिट होने की कोशिश कर रहे थे पर उनकी चोट फिर से उभर आई।

# चेल्सी और एस्टन विला ने घर में जीत के साथ चैंपियंस लीग की उम्मीदें ज़िंदा रखीं

**बर्मिंघम, 17 मई (एजेंसियां) ।**

चेल्सी और एस्टन विला ने शुक्रवार को अपने-अपने घरेलू मुकाबलों में जीत दर्ज कर अगली चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें बरकरार रखीं। एस्टन विला ने टॉटनहैम हॉटस्पर को 2-0 से हराया, जबकि चेल्सी ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ 1-0 की कड़ी जीत दर्ज की।

### कोंसा और कमारा ने दिलाई विला को जीत

विला पार्क में खेले गए मुकाबले में मेज़बान टीम ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा, लेकिन पहला गोल करने में उन्हें 59वें मिनट तक का इंतजार करना पड़ा। जॉन मैकगिन के कॉर्नर पर ओली वॉटकिंस ने हेडर से गेंद को आगे बढ़ाया जिसे बिना किसी मार्किंग के खड़े एज़्री कोंसा ने गोल में बदल दिया। इसके बाद 76वें मिनट में बूबाकार कमारा ने पेनल्टी बॉक्स के किनारे से लो ड्राइव मारकर विला की बढ़त को दोगुना कर दिया। यह कमारा का प्रीमियर लीग में 69वें मैच में पहला गोल था। फ्रेंच मिडफील्डर कमारा ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, हम जानते थे कि जीतना बेहद ज़रूरी है। हम फिर से चैंपियंस लीग खेलना चाहते हैं।

### चेल्सी की जीत में कुकरेला का गोल

दूसरी ओर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर चेल्सी और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच मुकाबला पहले हाफ में फीका रहा। लेकिन दूसरे हाफ में चेल्सी ने रफ्तार पकड़ी और 71वें मिनट में रीस जेम्स के क्रॉस पर स्पैनिश डिफेंडर मार्क कुकरेला ने हेडर से गोल करते हुए टीम को जीत दिलाई।

### अंकतालिका में कांटे की टक्कर

इस जीत के साथ चेल्सी 66 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गई, जबकि एस्टन विला गोल अंतर के आधार पर पांचवें स्थान पर है।

लीग विजेता लिवरपूल के अलावा बाकी चैंपियंस लीग की चार जगहों के लिए आर्सेनल (68), न्यूकैसल (66), मैनचेस्टर सिटी (65) और नॉटिंघम फॉरेस्ट (62) की टीमें भी दौड़ में बनी हुई हैं।

### यूरोपा लीग फाइनल की तैयारी में जुटी टीमें

स्पर्स और मैनचेस्टर यूनाइटेड दोनों ही टीमें अगले हफ्ते होने वाले यूरोपा लीग फाइनल को ध्यान में रखते हुए कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया। हालांकि, अच्छी खबर यह रही कि दोनों ही टीमों को कोई नई चोट की समस्या नहीं हुई। गौरतलब है कि ये दोनों मैच बुधवार को बिलबाओ में होने वाले फाइनल की तैयारी के चलते 48 घंटे पहले खेले गए।

### दोहा डायमंड लीग: पारुल ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई

**नई दिल्ली।** भारतीय एथलीट पारुल चौधरी ने दोहा डायमंड लीग 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में छठा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि आगामी वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। खुद का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा शुक्रवार को सुहेम बिन हमद स्टेडियम में हुई इस प्रतियोगिता में पारुल ने 9:13.39 का समय निकाला। यह उनके ही 2023 विश्व चैंपियनशिप (बुडापेस्ट) में बनाए गए पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड 9:15.31 से बेहतर रहा। वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए किया क्वालिफाई पारुल चौधरी ने 9:18.00 की क्वालिफिकेशन समय सीमा के भीतर दौड़ पूरी करके इस साल होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली है। केन्या की चेरेटिच रहीं पहले स्थान पर प्रतियोगिता में केन्या की फेथ चेरेटिच ने 9:05.08 के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं कतर की विनफ्रेड यावी ने 9:05.26 के समय के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। इथियोपिया की सेम्बो अल्मायेव ने 9:09.27 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए पोडियम पूरा किया। पारुल का यह प्रदर्शन पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

# ओलिंपिक खेलों को लेकर वेस्टइंडीज बोर्ड ने आईसीसी और आयोजकों से पूछे सवाल

**जमैका , 17 मई (एजेंसियां) ।**

क्रिकेट की 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक से वापसी हो रही है। इसी को लेकर वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और ओलंपिक आयोजकों से कुछ सवाल पूछे हैं। सीडब्ल्यूआई ने पूछा है कि इन खेलों के लिए प्रवेश प्रणाली क्या होगी ये अभी साफ नहीं हुआ है। साल ही कहा है कि इन खेलों में पुरुष और महिला वर्ग में 6-6 टीमों को ही भाग लेना है पर किस प्रकार से प्रवेश मिलेगा ये भी साफ नहीं किया गया है।

वहीं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला वर्ग में 6-6 टीमें खेलेंगी पर उसने ये नहीं बताया कि वे कौन सी टीमें होंगी। इसके लिए रैंकिंग को आधार बनाया जाएगा या पाथवे टूर्नामेंट के जरिए या फिर हर महाद्वीप को बर्थ आवंटित की जाएगी। वहीं ओलंपिक आयोजकों ने इस मामले में हाल ही में ये भी कहा कि इस प्रकार के निर्णय आईसीसी लेगी। ये भी कहा जा रहा है कि शायद ओलंपिक में बारबाडोस की टीम के रूप में खेलना पड़ सकता है। इंग्लैंड की टीम के साथ भी इसी प्रकार होगा क्योंकि इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और नोर्दन आयरलैंड यूके के रूप में खेलते हैं। सीडब्ल्यूआई के सीईओ क्रिस डेहरिंग ने कहा कि कहा, यदि रैंकिंग का प्रयोगआईसीसी द्वारा अपनाया जाता है जैसे शीर्ष 6 और वेस्टइंडीज पुरुष टीम को 5वां स्थान दिया जाता है, तो हमें यह चुनने का अवसर मिलता है कि हमारे देशों में से कौन सा देश (जैसे जमैका, बारबाडोस, आदि) ओलंपिक में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करेगा और हम सिर्फ इसलिए बाहर नहीं रह जाएंगे, क्योंकि वेस्टइंडीज एक टीम के रूप में भाग नहीं ले सकता।

## इटैलियन ओपन टेनिस

इटैलियन ओपन टेनिस स्पर्धा में फोरो इटालिको, रोम, इटली में इटली के लोरेंजो मुसेट्टी के खिलाफ सेमीफाइनल मैच जीतने के बाद स्पेन के कार्लोस अल्काराज।

# रोस्टन चेज़ बने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम के कप्तान

**नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां) ।**

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने स्पिन ऑलराउंडर रोस्टन चेज़ को टेस्ट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है, जबकि जोमेल वॉरिकन को उनका डिप्टी बनाया गया। खास बात यह है कि चेज़ ने पिछले दो साल से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है, बावजूद इसके उन्हें टीम की कमान सौंप दी गई है।

सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में बताया कि रोस्टन चेज़ को शुक्रवार को कप्तान नियुक्त किया गया। 33 वर्षीय चेज़ ने 32 वर्षीय क्रैग ब्रैथवेट की जगह ली है, जिन्होंने मार्च में तीन साल तक कप्तानी संभालने के बाद इस पद से इस्तीफा दे दिया था। चेज़ जून और जुलाई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज में टीम की अगुवाई करेंगे। पहला टेस्ट चेज़ के होम ग्राउंड बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेला जाएगा, जो उनके करियर का 50वां टेस्ट भी होगा। उन्होंने 2016 में टेस्ट डेब्यू किया था।

सीडब्ल्यूआई ने टेस्ट टीम के नए कप्तान के चयन को लेकर एक मजबूत डेटा-आधारित प्रक्रिया अपनाई, जिसके तहत छह खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इन खिलाड़ियों में जॉन कैंपबेल, टेवन इमलाक, जोशुआ डा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स, रोस्टन चेज़ और जोमेल वॉरिकन के नाम शामिल थे। इन सभी उम्मीदवारों का मूल्यांकन कई प्रमुख पहलुओं पर किया गया, जिनमें टेस्ट अनुभव, नेतृत्व क्षमता और पूर्व कप्तानी रिकॉर्ड शामिल रहे। इसके बाद चयन प्रक्रिया में एक विस्तृत मूल्यांकन चरण शामिल किया गया, जिसमें नेतृत्व शैली, व्यवहार और भूमिका के लिए उपयुक्तता का आकलन करने के लिए साइकोमेट्रिक टेस्ट भी शामिल था। इस मूल्यांकन के बाद उम्मीदवारों के संरचित इंटरव्यू लिए गए, जिनमें उनके रणनीतिक दृष्टिकोण, संवाद कौशल और टीम की संस्कृति से मेल पर ध्यान दिया गया। अंततः रोस्टन चेज़ को टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया, जबकि जोमेल वॉरिकन को उपकप्तान बनाया गया। वहीं, वर्तमान वनडे और टी20 टीम के कप्तान शाई होप ने टेस्ट कप्तानी की दौड़ से खुद को अलग कर लिया और छोटे प्रारूपों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया। रोस्टन चेज़ अब तक 49 टेस्ट और 86 सीमित ओवरों के अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। कोच डैरेन सैमी ने इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा, मैं इस नियुक्ति का पूर्ण समर्थन करता हूं। हमारे नए कप्तान ने अपने साथियों का विश्वास जीता है, वह इस भूमिका की जिम्मेदारी को समझते हैं और उनमें वह नेतृत्व गुण हैं जिनकी इस टीम को आगे ले जाने के लिए ज़रूरत है। मैं पूरे क्षेत्र के फैंस से अपील करता हूं कि वे उनके पीछे खड़े हों—हम एक विशेष भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

# जैनिक सिनर ने इटालियन ओपन फाइनल में बनाई जगह, कार्लोस अल्कराज से होगा सामना

**रोम, 17 मई (एजेंसियां) ।**

तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध के बाद वापसी कर रहे जैनिक सिनर ने इटालियन ओपन के फाइनल में धमाकेदार एंट्री कर ली है। शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने अमेरिका के टॉमी पॉल को 1-6, 6-0, 6-3 से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट कटाया। अब फाइनल में उनका सामना स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज से होगा, जिन्होंने लोरेंजो मुसेटी को 6-3, 7-6(4) से हराकर पहली बार रोम फाइनल में जगह बनाई।

### 1976 के बाद पहली बार इतालवी खिलाड़ी के पास खिताब जीतने का मौका

सिनर अब इतिहास रचने से सिर्फ एक कदम दूर हैं। यदि वे जीतते हैं, तो 1976 में एड्रियानो पानाटा के बाद रोम मास्टर्स खिताब जीतने वाले

पहले इतालवी पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। इससे पहले, सिनर ने क्वार्टरफाइनल में कैस्पर रूड को करारी शिकस्त दी थी। हालांकि सेमीफाइनल के पहले सेट में वह अस्थिर नजर आए, लेकिन इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

### फिटनेस को लेकर चिंता, लेकिन जोश में कमी नहीं

मैच के अंत में सिनर अपनी जांघ पकड़ते और दर्द में नजर आए। उन्होंने बाद में खुलासा किया कि तीसरे राउंड से उनके पैरों में ब्लिस्टर (छाले) हो गए हैं, जिससे मूवमेंट में परेशानी हो रही है। हालांकि उन्होंने कहा, कोई बहाना नहीं है। फाइनल में एड्रेनालिन के साथ काफी एनर्जी होगी। मैं पूरी तरह तैयार हूं।

### अल्कराज भी जबरदस्त फॉर्म में, लगातार तीसरे क्ले-कोर्ट फाइनल में पहुंचे

यह सीजन अल्कराज के लिए भी शानदार रहा है। उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स जीता, बार्सिलोना ओपन में रनर-अप रहे, और अब रोम फाइनल में हैं। हालांकि मड्रिड ओपन से उन्होंने चोट के कारण नाम वापस ले लिया था। फिलहाल वे दाहिने पैर पर एक लंबा ब्लैक ब्रेस पहनकर खेल रहे हैं, लेकिन खेल पर उसका खास असर नहीं दिख रहा।

### महिला वर्ग में गॉफ और पाओलिनी के बीच टक्कर

शनिवार को महिला फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ और इटली की जैस्मिन पाओलिनी आमने-सामने होंगी। वहीं, डबल्स में पाओलिनी और सारा एर्रानी की जोड़ी भी फाइनल में पहुंच गई है। उन्होंने रूस की मिर्रा अंद्रेएवा और डायना श्नाइडर को 6-4, 6-4 से हराया।

### अल्कराज का पलड़ा भारी, लेकिन सिनर की जीत का सिलसिला भी लाजवाब

सिनर और अल्कराज के बीच यह मुकाबला बीजिंग ओपन फाइनल (अक्टूबर 2024) के बाद पहली भिड़ंत होगी, जहां अल्कराज ने तीसरे सेट के टाइब्रेकर में जीत दर्ज की थी। दोनों के बीच अब तक 10 मुकाबले हुए हैं, जिनमें अल्कराज 6-4 से आगे हैं और उन्होंने पिछले तीन मैच लगातार जीते हैं।

हालांकि, खास बात यह है कि बीजिंग में हारने के बाद से सिनर एक भी मैच नहीं हारे हैं और वे 26 मैचों की विजयी लय में हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट है।

# ह्युंडै मोटर इंडिया का मुनाफा घटकर 1,614 करोड़ रहा

**नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।**

ह्युंडै मोटर इंडिया की चार प्रतिशत गिरावट के साथ पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 1,614 करोड़ रुपये रहा है। मुख्य रूप से घरेलू बाजार में बिक्री कम होने के कारण मुनाफा कम हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 1,677 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने बताया कि उनकी कुल परिचालन आय समीक्षा हित तिमाही में बढ़कर 17,940 करोड़ रुपये हो गई है, जो 2023-24 की समान तिमाही में 17,671 करोड़ रुपये थी। चौथी तिमाही में ह्युंडै की घरेलू बिक्री 5,98,666 इकाई रह गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 6,14,721 इकाई थी। इसी

**वित्त वर्ष 2023-24 के कंपनी का मुनाफा 1,677 करोड़ रुपये रहा था**

दौरान ह्युंडै ने चौथी तिमाही में निर्यात को बढ़ाकर 38,100 इकाई हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 33,400 इकाई थी। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का मुनाफा सात प्रतिशत गिरकर 5,640 करोड़ रुपये रहा, जो 2023-24 में 6,060 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बोर्ड की सिफारिश के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रत्येक शेयर पर 10 रुपये का अंकित मूल्य देने की सिफारिश की है।

ह्युंडै ने कहा कि उन्होंने वातावरण अनुकूल वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक निवेश के लिए 7,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की रूपरेखा तैयार की है। दूसरी ओर, मेदांता हॉस्पिटल्स की ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड ने अपनी चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 20.4 फीसदी की गिरावट देखी है।

### सिंगापुर सरकार ने जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा में हिस्सेदारी खरीदी

**नई दिल्ली।** सिंगापुर सरकार ने ब्लॉक डील के जरिये जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर में 0.88 फीसदी हिस्सेदारी 531 करोड़ रुपये में खरीदी। यह सौदा सज्जन जिंदल फैमिली ट्रस्ट द्वारा प्रमोटर हिस्सेदारी बिक्री के तहत हुआ है। इससे पहले फैमिली ट्रस्ट ने भारत की दूसरी सबसे बड़ी वाणिज्यिक बंदरगाह परिचालक जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा में कुल 2 फीसदी हिस्सेदारी 1,210 करोड़ रुपये में बेची थी। इस हिस्सेदारी में सिंगापुर सरकार भी शामिल है। कंपनी का सौदा सज्जन जिंदल फैमिली ट्रस्ट द्वारा प्रमोटर हिस्सेदारी बिक्री के तहत हुआ सिंगापुर की सरकारी इकाई ने 288 रुपये के भाव पर प्रमोटर ग्रुप से करीब 1.84 करोड़ शेयर खरीदे हैं।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### देश को रसातल...

उनमें एक एआईएमआईएम के अध्यक्ष एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी थे और दूसरे बिहार के किशनगंज से कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद। इसी तरह, विधेयक पारित होने के बाद जयराम रमेश का इसके विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय जाने का ऐलान और कुछ घंटे बाद ही कांग्रेस सांसद जावेद की ओर से सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करना बताता है कि इस पूरे प्रकरण के पीछे कांग्रेस है।

कांग्रेस को लग रहा था कि वह मुसलमानों को यह संदेश देने में कहीं पीछे न रह जाए कि वह उनके हितों की ही संरक्षक नहीं है, बल्कि उनके वर्चस्व, श्रेष्ठता और उनकी एकाधिकारवादी मानसिकता को भी समर्थन देने के लिए हर तरह से तैयार है। इसीलिए उसने अपने मुस्लिम सांसद की तरफ से याचिका कराई। बात-बात में पंथनिरपेक्षता, संविधान की रक्षा तथा लोकतंत्र बचाने की दुहाई देने वाली कांग्रेस इन मुद्दों पर पूरी तरह कठघरे में है। मजहब विशेष से जुड़ा कोई भी विषय आते ही न्यायालय की श्रेष्ठता, संविधान के सम्मान, लोकतंत्र के मूल्यों की दुहाई देने वाली कांग्रेस ने अनेक बार हिंदू और सनातन संस्कृति के विरोध में न्यायालय में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सक्रिय रही है। याद कीजिए, कांग्रेस सरकार ने न्यायालय में शपथ-पत्र देकर भगवान राम और रामसेतु को काल्पनिक बताया था। राम जन्मभूमि मंदिर सहित कई मामले इसके उदाहरण हैं।

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा की अनुपस्थिति को न केवल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, बल्कि केरल की जमायत उल उलमा द्वारा संचालित मलयालम दैनिक सुप्रभातम् ने भी काला धब्बा बताया था। अखबार ने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ संसद में राहुल गांधी के न बोलने पर सवाल उठाया था और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी की भी तीखी आलोचना की थी। अखबार ने अपने संपादकीय में लिखा, वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी, जिनसे देश बड़ी उम्मीदें रखता है, पार्टी व्हिप के बावजूद संसद में मौजूद नहीं थीं। यह उनके लिए एक दाग की तरह रहेगा। विधेयक पर बहस के दौरान वह कहां थीं, यह सवाल हमेशा बना रहेगा। प्रियंका गांधी वाड्रा मुस्लिम बहुल वायनाड से सांसद हैं। पहले यह राहुल गांधी की संसदीय सीट थी। लोकसभा चुनाव के दौरान इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने कांग्रेस के साथ प्रियंका वाड्रा के लिए प्रचार किया था।हाल ही में कांग्रेस पार्टी के गुजरात अधिवेशन में राहुल गांधी ने वक्फ संशोधन कानून को मजहबी स्वतंत्रता और संविधान पर हमला करार दिया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। संवैधानिक संस्थाओं पर नियंत्रण करना चाहती है। उन्होंने यहां तक कहा कि आने वाले समय में दूसरे अल्पसंख्यक समुदायों को भी निशाना बनाया जाएगा। राहुल का यह बयान कांग्रेस की मंशा बताने के लिए काफी है। प्रश्न यह है कि बात-बात में संविधान और लोकतंत्र बचाने की दुहाई देने वाले राहुल गांधी संवैधानिक प्रक्रिया के तहत लोकसभा में प्रस्तुत वक्फ संशोधन विधेयक पर चुप्पी साधे क्यों बैठे रहे? उनकी मां सोनिया गांधी भी राज्यसभा में विधेयक पर कुछ क्यों नहीं बोलीं? यहां तक कि उनकी सांसद बहन प्रियंका गांधी वाड्रा भी विधेयक पर चर्चा के दौरान मौजूद नहीं थीं। सदन में चुप्पी और सड़क पर विरोध, यह दोगलापन कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करता है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस ने वही रास्ता चुना है, जिस पर स्वतंत्रता संग्राम के समय मुस्लिम लीग चल रही थी।

कांग्रेस न तो लोकतंत्र का सम्मान करती है और न ही संविधान, न्यायपालिका और विपक्ष के अधिकारों का। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि इन मुद्दों पर कांग्रेस का इतिहास काफी दागदार रहा है। ज्यादा पीछे जाने की जरूरत नहीं है। हाल ही में नेशनल हेरल्ड मामले में ईडी की ओर से न्यायालय में दाखिल आरोप-पत्र से कांग्रेस के संविधान और न्यायालय के सम्मान की चिंता की पोल खुल जाती है। जांच एजेंसी द्वारा किसी मामले की जांच के बाद आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में आरोप-पत्र दाखिल करना न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है, पर इसके विरोध में कांग्रेस नेतृत्व ने जिस तरह कार्यकर्ताओं से देशव्यापी प्रदर्शन का आह्वान किया, वह क्या है? क्या इसे न्यायिक प्रक्रिया को गैर-संवैधानिक तरीके से प्रभावित करने की कोशिश नहीं माना जाना चाहिए? संविधान, न्यायपालिका, लोकतंत्र की दुहाई देने वाले राहुल गांधी और कांग्रेस को यह भी बताना चाहिए कि जब केंद्र में मनमोहन सरकार थी, तब सलाहकार परिषद संविधान की किस व्यवस्था के तहत बनाई गई थी। सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली इस परिषद को किस लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत संविधानेत्तर अधिकार दिए गए थे?

राहुल को केंद्रीय मंत्रिमंडल से पारित प्रस्ताव को संविधान के किस अधिकार और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत सार्वजनिक रूप से फाड़ने का अधिकार मिला था? शाहबानो मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए संसद से कानून बनाकर पलटना, 1975 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय का निर्णय मानने के बजाए देश पर आपातकाल थोपना, लोकसभा का कार्यकाल बढ़ाना तथा समूचे विपक्ष को जेल में ठूंस देना, ऐसे कदम उठाकर कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों ने किस संविधान की रक्षा की थी? क्या यह न्यायपालिका का सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन था?

वक्फ संशोधन विधेयक को संविधान पर हमला और मुसलमानों की मजहबी स्वतंत्रता छीनने का षड्यंत्र बताना यह साबित करता है कि कांग्रेस को मुसलमानों से सहानुभूति कम, उनका सियासी इस्तेमाल करने में ज्यादा दिलचस्पी है। अगर ऐसा न होता तो देश में अब तक सबसे अधिक समय तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस को वक्फ सम्पत्तियों को कुछ बड़े मुस्लिम नेताओं के कब्जे में रख देने के आरोपों का तथ्यपरक जवाब लेकर सामने आना चाहिए था। आंकड़ों के साथ यह बताना चाहिए था कि वक्फ सम्पत्तियों से इतने गरीब मुसलमानों, विधवाओं व गरीब मुस्लिम महिलाओं की सहायता की गई।वक्फ के नाम पर देश में लाखों हेक्टेयर भूमि है। अगर इसका ठीक से उपयोग हुआ होता और कांग्रेस मुस्लिमों को सिर्फ वोट बैंक न समझती तो स्थिति कुछ और होती। आज मुस्लिम समुदाय के भीतर से संशोधित वक्फ कानूनों के समर्थन में आवाजें उठ रही हैं, समुदाय के लोग ही वक्फ बोर्डों पर सम्पत्तियां हड़पने के आरोप लगा रहे हैं। मुस्लिम समुदाय के लोग कांग्रेस सहित उन सभी दलों से जवाब मांग रहे हैं, जो संशोधनों का विरोध कर रहे हैं।यह तो आने वाला समय बताएगा कि नए वक्फ कानून का विरोध कांग्रेस को कितने मुस्लिम वोट दिला पाएगा, लेकिन वक्फ कानूनों के विरोध के बहाने उसकी हिंदू विरोधी होने की प्रवृत्ति एक बार फिर सामने आ गई है। हालांकि वक्फ कानूनों का मजहब की आजादी या मस्जिदों या अन्य मजहबी मामलों की व्यवस्थाओं से कोई लेना-देना नहीं है। इसका संबंध सिर्फ दान में दी गई जमीन अथवा मुस्लिमों की बेनामी जमीन और सम्पत्ति के प्रबंधन से है, लेकिन बांग्लादेश से लेकर संशोधित वक्फ कानूनों के विरोध के बहाने जिस तरह मुस्लिमों के ध्रुवीकरण की कोशिश हो रही है, वह चिंताजनक है। पश्चिम बंगाल में हो रहे हिंदुओं के उत्पीड़न पर कांग्रेस की चुप्पी भी सवाल खड़े करती है। आखिर क्यों कांग्रेस ममता सरकार पर सवाल नहीं उठा रही है?क्या कांग्रेस को मुस्लिम वोटों के लिए हिंदुओं के उत्पीड़न से भी गुरेज नहीं है? भले ही वक्फ का इतिहास आजादी से पहले का है, लेकिन पहला वक्फ बोर्ड अधिनियम तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू सरकार ने बनाया था। फिर उसी सरकार ने 1955 में इसमें संशोधन किया और वक्फ बोर्ड को ज्यादा अधिकार दे दिए। इसके बाद 1995 में कांग्रेस सरकार ने ही इसमें संशोधन कर वक्फ को पहले से ज्यादा अधिकार दे दिए। इसके बाद 2013 में संशोधन कर वक्फ बोर्डों को असीमित अधिकार दे दिए गए। इसकी आड़ में वक्फ बोर्ड ने देश भर में बड़ी संख्या जमीन ही नहीं हथियाई, बल्कि सरकारी जमीनों पर भी कब्जा कर लिया।

जानकार कहते हैं कि कांग्रेस सरकारों का वक्फ एक्ट देश के इस्लामीकरण के षड्यंत्र का हिस्सा था। इसकी आड़ में देश में मुगलिया सल्तनत को कायम रखने की साजिश की गई। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने देश में राज व्यवस्था का ऐसा मॉडल तैयार किया, जो भारत में एक अन्य पाकिस्तान तैयार करने वाला था। तो कांग्रेस की नीति और नीयत पर संशय खड़ा होना स्वाभाविक है। कांग्रेस सरकार की कार्यशैली और नीतियां सिर्फ मुस्लिम तुष्टिकरण तक सीमित नहीं हैं। कांग्रेस सत्ता पाने के लिए भारत के इस्लामीकरण के लिए षड्यंत्ररूपी बीज को खाद-पानी भी देती चली आ रही है। कांग्रेस के शासनकाल में हिंदू आतंकवाद और भगवा आतंकवाद का झूठा विमर्श गढ़ने के लिए कितने गहरे षडयंत्र रचे गए। इसे स्थापित करने के लिए एक कपोल कल्पित कथानक लिखा गया। आतंकी तहव्वुर राणा की गिरफ्तारी के बाद एक-एक कर वे षड्यंत्र उजागर हो रहे हैं।

संविधान को ठेंगा दिखा कर मुस्लिम आरक्षण की पैरवी, कांग्रेस शासित राज्यों द्वारा न्यायालय के निर्देशों की अनदेखी कर बार-बार मुस्लिमों को आरक्षण की घोषणा, सलमान खुर्शीद जैसे नेताओं द्वारा हिंदुत्व की तुलना बोको हरम और आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठनों से करना, मुंबई आतंकी हमले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं हिंदू संगठनों का हाथ बताना, यह साबित करता है कि कांग्रेस अब मुस्लिम तुष्टिकरण से आगे हिंदुओं का उत्पीड़न कर देश के स्वरूप को बदलने के षड्यंत्र तक पहुंच गई है।

### हां, भारत ने ...

अपने बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किए हैं। इनमें से एक नूर खान एयरपोर्ट पर गिरा है और दूसरे कुछ अन्य इलाकों में गिरे हैं।

शहबाज शरीफ का कबूलनामा पाकिस्तान के खुद के झूठ का पर्दाफाश करता है क्योंकि वह लगातार यह दावा करता रहा है कि भारत के हमले में उसका खास नुकसान नहीं हुआ है। यहां तक कि वह अपने वायुसेना अड्डों को भी किसी तरह के नुकसान से इन्कार करता रहा है। पाकिस्तान अब धीरे-धीरे भारत के हाथों हुए नुकसान को लोगों के सामने कबूल कर रहा है। भारत के सैन्य बलों ने हमले के अगले दिन ही यह जानकारी दी थी कि उन्होंने पाकिस्तान के 8 सैनिक अड्डों को निशाना बनाया है और सभी निशाने सटीक थे।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अब भले ही वार्ता की बात कर रहे हों, लेकिन भारत ने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान से अब सिर्फ पीओके और आतंकवाद पर ही बात होगी। जब तक आतंकवाद पर रोक नहीं लगती तब तक पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि भी स्थगित ही रहेगी। पाकिस्तान की असली चिंता अभी यही संधि है क्योंकि भले ही भारत अभी पानी को स्थायी रूप से नहीं रोक सकता लेकिन एक द्विपक्षीय संधि की स्थिति में पाकिस्तान के सिर पर हमेशा पानी नहीं मिलने का खतरा मंडराता रहेगा।दूसरी तरफ, पाकिस्तान की नाकाम और दमनकारी नीतियों तथा फौज की ज्यादतियों की वजह से 54 साल पहले जिस तरह बांग्लादेश उससे कटकर अलग हुआ था, वैसे ही अब अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर एक और देश किसी भी वक्त सामने आ जाए, तो कोई बड़ी बात नहीं। प्रचुर प्राकृतिक संपदा से सम्पन्न, करीब छह करोड़ की आबादी और 3,47,190 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले पाकिस्तान के कब्जे वाले इस हिस्से को नए राष्ट्र के रूप में नाम दिया गया है, रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान। नए राष्ट्र की घोषणा की है बलूचिस्तान मुक्ति संग्राम से जुड़े युवा लेखक, पत्रकार और एक्टिविस्ट मीर यार बलूच ने। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय मिसाइलें जब पाकिस्तान में स्थित आंतकी अड्डों पर काल बनकर टूट रही थीं और उसके दुस्साहस के जवाब में भारतीय सेना की कार्रवाइयों के बीच नौ मई को जब इस युवा ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान की आजादी का शंखनाद किया, तो पाकिस्तानी हुकूमत और उसकी तानाशाह फौज की चूलें बुरी तरह हिल गईं। बलूचों के हितों की बात करने भर से ही, जो पाकिस्तानी फौज उनका अपहरण कराकर हत्या तक कर देती हो, उसके सामने सीना तान कर उसके कब्जे वाले क्षेत्र को नए राष्ट्र का नाम देने का साहस रखने वाले इस युवा की शख्सियत को समझा जा सकता है।

आतंकवाद के पोषक और अपने ही लोगों का शोषण करने वाले पाकिस्तान को इस्लाम के नाम पर धब्बा बताने वाले मीर यार बलूच पेशे से लेखक, स्वतंत्र पत्रकार और एक्टिविस्ट हैं। वह बलूचिस्तान की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले प्रमुख युवा आंदोलनकारियों में शुमार हैं। वह कहते हैं कि 1947 में जब ब्रिटिश उपनिवेश से भारत और पाकिस्तान अलग हुए थे, तब उससे पहले बलूच राष्ट्र ने भी 11 अगस्त 1947 को अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की थी, लेकिन पाकिस्तान ने हमारे ऊपर अवैध रूप से कब्जा कर लिया। वह बलूचों को पाकिस्तान के खिलाफ जागृत करने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए राष्ट्र के लिए समर्थन जुटाने की मुहिम में लगे हुए हैं, जिससे यह युवा एक्टिविस्ट अब पाकिस्तानी फौज के लिए नासूर बन चुका है। वह पाकिस्तान को न केवल बलूचिस्तान और भारत, बल्कि अफगानिस्तान समेत पूरी दुनिया के खतरा मानते हैं।

हाल ही में रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान की घोषणा करने के साथ ही भारत से समर्थन मांगते हुए मीर यार ने कहा, हम भारत और बलूचिस्तान की मैत्री के समर्थक हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए कहा, जिस तरह भारत ने 1971 में बांग्लादेश अलग करवाकर पाकिस्तान से बंगालियों को मुक्ति दिलवाई थी, उसी तरह हमें भी मुक्त कराएं। मीर यार प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर प्रशंसक हैं, तो पाकिस्तान के धुर विरोधी, जिसे वह आतंकवादियों का संरक्षक कहते हैं। बलूचिस्तान क्षेत्र में स्थित हिंगलाज माता मंदिर की रक्षा की दुहाई देते हुए वह भारत-बलूच मैत्री का सबसे अच्छा उदाहरण बताते हैं।

मीर यार भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के पुरोधा नेताजी सुभाष चंद्र बोस और शहीद भगत सिंह को अपना आदर्श मानते हैं। वह बलूचों में जोश भरते हुए कहते हैं कि जिस तरह से ब्रिटिश हुकूमत के सामने ये स्वतंत्रता सेनानी नहीं झुके थे, उसी तरह से हम भी पाकिस्तान की हुकूमत और उसकी तानाशाह फौज से लड़कर नया राष्ट्र लेकर रहेंगे। उनका विश्वास है कि जिस तरह क्रांतिकारी भगत सिंह ने बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर किसी को नुकसान पहुंचाए बगैर असेंबली में बम फोड़ा था, उसी तरह हम भी सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से पाकिस्तान की गूंगी-बहरी, तानाशाह और शोषणकारी हुकूमत के खिलाफ अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए आजादी हासिल करके रहेंगे।

### 40 सांसदों ...

सरकार ने इन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले नेताओं का चयन सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से किया है, जो अलग-अलग वैचारिक पृष्ठभूमि से आते हैं।

सात प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए जिन सात नेताओं का चयन किया गया है, उनमें रवि शंकर प्रसाद (भाजपा सांसद), बैजयंत पांडा (भाजपा सांसद), शशि थरूर (कांग्रेस सांसद), संजय झा (जदयू सांसद), कनीमोझी (डीएमके सांसद), सुप्रिया सुले (एनसीपी शरद पवार गुट सांसद) और श्रीकांत शिंदे (शिवसेना सांसद) के नाम शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल पांच अलग-अलग देशों का दौरा करेगा। इनमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देश और भारत के प्रमुख रणनीतिक साझेदार देश शामिल होंगे। भारत सरकार ने कहा है कि हर प्रतिनिधिमंडल में भारत के वरिष्ठ और अनुभवी राजनयिक शामिल होंगे। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में चार नेता राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से हैं, जबकि तीन विपक्षी इंडी गठबंधन से आते हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि वह क्षण सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है जिस समय पूरा भारत एकजुट होता है। सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल प्रमुख देशों का दौरा करेंगे और आतंकवाद के खिलाफ हमारी साझा नीति को दुनिया के सामने रखेंगे, यह राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता का मजबूत प्रतीक है।

उल्लेखनीय है कि प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल में छह से सात सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। हर प्रतिनिधिमंडल चार से पांच देशों का दौरा करेगा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को सबसे अहम जिम्मेदारी मिलने वाली है। शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को अमेरिका भेजा जा सकता है। अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर देश है। इसके आधार पर कहा जा सकता है कि शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को सबसे अहम जिम्मेदारी मिली है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, अल्जीरिया भेजा जा सकता है। वहीं सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को ओमान, केन्या, दक्षिण अफ्रीका और मिस्र (इजिप्ट) की सरकारों को ब्रीफ करने के लिए भेजा जा सकता है। संजय झा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, इंडोनेशिया भेजा जा सकता है।भारत सरकार ने सावधानी से नेताओं का चयन किया है और लगभग हर पार्टी के सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में जगह देने की कोशिश की है, ताकि पूरी दुनिया में एकजुटता का संदेश दिया जा सके। इन सांसदों में अनुराग ठाकुर, अपराजिता सारंगी, मनीष तिवारी, असदुद्दीन ओवैसी, अमर सिंह, राजीव प्रताप रूडी, समिक भट्टाचार्य, बृज लाल, सरफराज अहमद, प्रियंका चतुर्वेदी, विक्रमजीत साहनी, सस्मित पात्रा, भुवनेश्वर कालिता भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद को भी इसमें शामिल किया गया है। हालांकि वे फिलहाल सांसद नहीं हैं। सरकार ने टीएमसी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय को भी शामिल किया था, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इन्कार कर दिया।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, मैं भारत सरकार के निमंत्रण से सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जिसमें मुझे हाल की घटनाओं पर हमारे देश का दृष्टिकोण पांच महत्वपूर्ण देशों की राजधानियों में जाकर प्रस्तुत करने के लिए सभी दलों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने को कहा गया है। एनसीपी एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, पीएम मोदी ने सांसदों की सात समितियां बनाई हैं, जो दूसरे देशों में जाकर ऑपरेशन सिंदूर की कहानी का हमारा पक्ष उन देशों के सामने रखेंगी। कल मुझे केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का फोन आया, जिन्होंने मुझे इनमें से एक समिति का हिस्सा बनने के लिए कहा। यह बहुत स्पष्ट है कि जब हमारे देश का सवाल होता है, तो हम सब एक साथ होते हैं। सांसदों की प्रत्येक समिति में पांच सदस्य होंगे, जो लगभग 10 दिनों के दौरे पर जाएंगे, जिसमें पांच से आठ देश शामिल होंगे।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, कल सुबह संसदीय कार्य मंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता से बात की। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को लेकर भारत के रुख को समझाने के लिए विदेश भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों के लिए चार सांसदों के नाम प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस की ओर से आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वडिंग का नाम भेजा था। राहुल गांधी की लिस्ट में शशि थरूर का नाम शामिल नहीं किया गया था। लेकिन भारत सरकार ने शशि थरूर का चयन किया और उन्हें सात टीम-लीडर में भी शामिल किया। इससे राहुल गांधी काफी खफा हैं। कांग्रेस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया भी जाहिर की है। कांग्रेस की प्रतिक्रिया पर भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, राहुल गांधी और जयराम रमेश अपने ही कांग्रेसी सांसद शशि थरूर का संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए चुने जाने का विरोध कर रहे हैं। राहुल गांधी भारत के लिए बोलने वाले हर व्यक्ति से नफरत क्यों करते हैं, यहां तक कि अपनी पार्टी में भी? भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, इससे कांग्रेस को कोई फायदा नहीं होने वाला है। यह कांग्रेस शासित राज्यों के लिए भी अच्छा नहीं होगा। यह राजनीति का विषय नहीं है। यह केंद्र सरकार की महानता है कि वे हर पार्टी से कुछ सांसदों को (प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए) चुन रहे हैं।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि कांग्रेस की सूची में शामिल सांसदों में से एक गौरव गोगोई ने पाकिस्तान में दो हफ्ते तक रहने की बात से इन्कार नहीं किया है। विश्वसनीय दस्तावेजों से पता चलता है कि उनकी पत्नी भारत में काम करते हुए पाकिस्तान स्थित एक एनजीओ से वेतन ले रही थीं। राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में और दलगत राजनीति से परे, मैं लोकसभा के नेता राहुल गांधी से आग्रह करता हूं कि इस व्यक्ति को ऐसे संवेदनशील और रणनीतिक काम में शामिल न करें।

### आतंकियों...

खासकर रियासी से आगे के इलाके में, जिन्हें संवेदनशील माना जाता है।यह ट्रैक रियासी से आगे कुछ स्थानों पर अलग-थलग इलाकों से गुजरता है, जहां आबादी वाले गांव बहुत कम हैं और इसे देखते हुए इन सभी इलाकों में अतिरिक्त जीआरपी कर्मियों को तैनात करने का फैसला किया गया है। पूरा ट्रैक सुरक्षित कर लिया गया है, चाहे वह सुरंगें हों, पुल हों या कटरा से संगलदान तक के संवेदनशील इलाके हों। रियासी से आगे का ट्रैक भी अब सुरक्षा के लिहाज से साफ है। शुरुआत में ट्रेन कटड़ा से बारामुला तक चलेगी। हालांकि, प्लेटफार्म की संख्या बढ़ाने सहित जम्मू रेलवे स्टेशन पर विस्तार कार्य पूरा होने के बाद, घाटी के लिए ट्रेन जम्मू से परिचालन शुरू कर दी जाएगी, जो संभवतः अगस्त-सितंबर में शुरू होगी।

### आपा को छोड़ ...

कि वे सभी 2022 में आम आदमी पार्टी के टिकट पर एमसीडी में पार्षद चुने गए थे लेकिन एमसीडी की सत्ता में आने के बावजूद पार्टी का शीर्ष नेतृत्व सुचारू ढंग से एमसीडी नहीं चला पाया और शीर्ष नेतृत्व का निगम पार्षदों से समन्वय नहीं रहा और इसी वजह से पार्टी विपक्ष में आ गई। पार्टी छोड़ने वाले पार्षदों ने आरोप लगाया है कि जनता से किए गए वादों को पूरा नहीं किया गया और इसलिए वे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं।उल्लेखनीय है कि 70 विधानसभा सीटों वाली दिल्ली की विधानसभा में भाजपा ने 48 सीटों पर जीत दर्ज की थी जबकि आम आदमी पार्टी को केवल 22 सीटें मिलीं। कांग्रेस का इस बार भी खाता नहीं खुल सका। भाजपा ने 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की है। दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और भाजपा के नेताओं के बीच लगातार जुबानी जंग चलती रहती है। दिल्ली में जलभराव, बिजली की कटौती सहित तमाम मुद्दों पर दोनों दलों के नेता एक-दूसरे पर हमलावर रहते हैं।दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व पर सवाल खड़े हुए थे क्योंकि पार्टी ने चुनाव के दौरान ऐलान किया था कि दिल्ली की सत्ता में आने के बाद केजरीवाल फिर से मुख्यमंत्री होंगे लेकिन भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज कर राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया था। विधानसभा चुनाव में हार के बाद अब आपा को एमसीडी में भी जोरदार झटका लगा है।

### सोच-समझकर ...

उन्होंने कहा, क्या हम ऐसे देशों को सशक्त बना सकते हैं जो हमारे खिलाफ हैं? समय आ गया है कि हम सभी को आर्थिक राष्ट्रवाद के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने यह भी कहा कि हम अब ऐसे देशों की अर्थव्यवस्था को और मजबूत नहीं कर सकते जो संकट के समय भारत के खिलाफ खड़े होते हैं। उनका कहना था कि हर चीज को देशभक्ति के आधार पर देखना जरूरी है।तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन किया और भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों पर किए गए हमलों की आलोचना की। पाकिस्तान ने इस संघर्ष के दौरान तुर्की से मिले ड्रोन का इस्तेमाल किया। अजरबैजान ने भी पाकिस्तान को समर्थन दिया। इस पूरे घटनाक्रम को देखते हुए भारत में तुर्की और अजरबैजान के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं कि इन देशों से आयात और पर्यटन पर रोक लगाई जाए। आर्थिक राष्ट्रवाद का मतलब है कि हम उन उत्पादों और सेवाओं को अपनाएं जो देश में बनी हों और ऐसे देशों को आर्थिक लाभ न दें जो हमारे देश के खिलाफ काम करते हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ का यह बयान ऐसे समय आया है जब देश में लोगों के बीच यह भावना बढ़ रही है कि विदेशी नीति और व्यापार में राष्ट्रहित सबसे ऊपर होना चाहिए।

### मानवता के ...

डॉलर से ज्यादा की। यह मजाक है क्या? पाकिस्तान की सेना तो हमेशा भारत के खिलाफ साजिश करती रहेगी। हम कब तक बर्दाश्त करते रहेंगे? ओवैसी ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए कहा, पाकिस्तान तो खुद भिखारी है, फिर हम उनके साथ व्यापार कैसे कर सकते हैं? उन्होंने अमेरिका से मांग की कि वो पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन टीआरएफ को आधिकारिक रूप से आतंकी संगठन घोषित करे। ओवैसी ने यह भी कहा कि भारत को दुनिया में अपने नजरिए को मजबूती से रखना चाहिए।ओवैसी ने कहा, हम भारत की सरकार और देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हम दुनिया को बता रहे हैं कि कैसे हमारी बेटियां विधवा हो रही हैं, बच्चे अनाथ हो रहे हैं और पाकिस्तान हमारे देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, अगर भारत अस्थिर हुआ तो पूरी दुनिया पर असर पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि 21 आम नागरिकों की मौत हुई है, पुंछ में 4 बच्चों की जान गई, 5 जवान शहीद हुए। हम इन सब बातों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रखेंगे और भारत सरकार की सोच को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेंगे।

# 18 साल बाद कुंभ में राहु और सिंह राशि में आएंगे केतु

राहु-केतु का राशि परिवर्तन 18 मई को शाम 5:20 बजे होगा। राहु-केतु दोनों ही छाया ग्रह माने गए हैं और ये हमेशा वक्री यानी उल्टी चाल से चलते हैं। 18 मई को राहु कुंभ राशि में और केतु सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिष गणना के अनुसार शनिदेव के बाद राहु-केतु सबसे ज्यादा दिनों तक किसी एक राशि में विराजमान रहते हैं। वर्तमान में राहु मीन राशि में और केतु कन्या राशि में स्थित हैं। शनि जहां ढाई साल के बाद राशि परिवर्तन करते हैं तो वहीं राहु-केतु 18 महीनों के बाद उल्टी चाल से चलते हुए राशि बदलते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 18 साल बाद दोबारा से राहु कुंभ राशि में और केतु सिंह राशि में प्रवेश करने वाले हैं। कुंभ राशि के स्वामी शनि हैं और सिंह राशि के स्वामी सूर्य हैं। इस गोचर का सबसे ज्यादा प्रभाव पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में देखने को मिलेगा। आने वाले दो महीनों में भारत की राजनीति, विदेश नीति और युद्ध नीति में बदलाव की संभावना है। 29 मार्च को शनि ने मीन राशि में प्रवेश किया है। अब राहु के कुंभ राशि में प्रवेश से शनि-राहु का द्वादश योग बनेगा। जिससे विश्व राजनीति में उथल-पुथल हो सकती है। इसका असर बाजार और व्यापार पर भी दिखाई देगा। न्यायिक और संवैधानिक मामलों में भी नए प्रकार के निर्णय आ सकते हैं। मंगल और राहु के बीच खड़ा अष्टक योग बनने से युद्ध की मानसिकता वाले देशों के लिए यह समय महत्वपूर्ण होगा। यह योग राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक बदलावों का संकेत दे रहा है।

राहु-केतु के बारे में पौराणिक कथा काफी प्रचलित है कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हो रहा था तो राहु-केतु चुपके से मंथन के दौरान निकला अमृत पी लिया था। तब भगवान विष्णु मोहनी का रूप धारण करके सभी देवताओं को अमृतपान करा रहे थे जैसे ही उन्हें इस बात का आभास हुआ फौरन ही अपने सुदर्शन चक्र से राहु का सिर धड़ से अलग कर दिया था। हालांकि इस दौरान राहु ने अमृत पान कर लिया जिसके कारण उसकी मृत्यु नहीं हुई। तभी से राहु को सिर और केतु को धड़ के रूप में है।

### देश दुनिया पर असर

जब भी राहु-केतु का राशि परिवर्तन होता है। तब इसका प्रभाव न सिर्फ सभी जातकों के ऊपर होता है बल्कि देश-दुनिया पर भी प्रभाव देखने को मिलता है। राहु-केतु के गोचर से कई तरह के प्राकृतिक उथल-पुथल होने की संभावना रहती है। पृथ्वी पर गर्मी का प्रकोप बढ़ जाता है और वर्षा भी कम होती है। देश-दुनिया में राजनीति अपने चरम पर होती है। एक-दूसरे देशों में तनाव काफी बढ़ जाता है। राजनीति के क्षेत्र में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। रोग बढ़ जाते हैं जिससे जनता का हाल बुरा हो जाता है। जनता में तनाव बढ़ सकता है। झूठी बातें ज्यादा तेजी से फैलेंगी। जनता को त्वचा रोगों का सामना करना पड़ सकता है। किसानों की फसलों पर टिड्डियों और अन्य कीटों का आक्रमण हो सकता है। किसानों को अतिरिक्त सावधानी रखनी होगी।

खाने-पीने की वस्तुंओं की कमी तथा उनकी कीमतों में वृद्धि। पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों के बढ़ने के बाद जरूरी उपभोगता वस्तुओं के मूल्यों में भी इजाफा होने से जनता परेशान होगी।

दुनियाभर में गेहूं तथा अन्य अनाजों की कीमतों में वृद्धि होगी। कुछ देशों में अन्न की कमी से कानून-व्यवस्था को लेकर भी संकट की स्थिति पैदा होगी। खडी फसलों को नुक्सान हो सकता है। स्टॉक मार्केट में उथल-पुथल मच सकती है। भारत में अप्रैल से सितंबर तक का समय सत्ताधारी दल के बड़े नेताओं और अधिकारियों की सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील है। बड़े नेताओं के संदर्भ में कुछ अप्रिय घटनाएं सामने आ सकती हैंश्र कुछ बड़ी प्रकृति आपदा जैसे बाढ़-भूस्खलन से जन धन की हानि करवा सकते हैं।

### वैदिक ज्योतिष में राहु ग्रह का महत्व

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, राहु एक अशुभ ग्रह है। हालांकि अन्य ग्रहों की तुलना में (केतु को छोड़कर) इसका कोई वास्तविक आकार नहीं है। इसलिए राहु को छाया ग्रह कहा जाता है। स्वभाव के अनुसार, राहु को पापी ग्रह की संज्ञा दी गई है। आमतौर पर कुंडली में राहु का नाम सुनते ही लोगों के मन में भय उत्पन्न हो जाता है। परंतु कोई भी ग्रह शुभ या अशुभ नहीं होता है बल्कि उसका फल शुभ-अशुभ होता है। यदि कुंडली कोई ग्रह मजबूत स्थिति में होता है तो वह शुभ फल देता है।

राहु को किसी भी राशि का स्वामित्व प्राप्त नहीं है। वहीं जब कमजोर स्थिति में होता है तो उसके फल नकारात्मक मिलते हैं। यहां हम राहु ग्रह की बात कर रहे हैं। राहु को अशुभ फल देने वाला ग्रह माना जाता है। लेकिन यह पूर्ण रूप से सत्य बात नहीं है। राहु कुंडली में शुभ होने पर शुभ फल भी देता है। इसके शुभ फल से व्यक्ति धनवान और राजयोग का सुख भी प्राप्त करता है।

### वैदिक ज्योतिष में केतु ग्रह का महत्व

वैदिक ज्योतिष में केतु ग्रह को एक छाया ग्रह माना गया है। इसे छाया ग्रह इसलिए कहा जाता है क्योंकि केतु का अपना कोई वास्तविक रूप या आकार नहीं है। यह मोक्ष, अध्यात्म और वैराग्य का कारक है और एक रहस्यमी ग्रह है। इसलिए जब केतु किसी व्यक्ति की कुंडली में शुभ होता है तो वह उस व्यक्ति की कल्पना शक्ति को असीम कर देता है। जबकि अशुभ होने पर यह इंसान का सर्वनाश कर सकता है। केतु ग्रह किसी भी राशि का स्वामी नहीं होता है। लेकिन धनु राशि में यह उच्च और मिथुन राशि में नीच का होता है।

### उपाय

कुंडली में राहु-केतु अशुभ प्रभाव रखते हैं उनको इससे बचने के लिए शनिदेव और भैरव भगवान की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ करने से राहु-केतु का प्रभाव नहीं रहता। जरूरतमंद लोगों को काले कंबल और जूते-चप्पल का दान करें। किसी मंदिर में पूजन सामग्री अर्पित करें। माता दुर्गा की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। नाग पर नाचते हुए भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए। साथ ही मंत्र (ओम नमः भगवते वासुदेवाय) का जाप करें।

### कुंभ में राहु और सिंह राशि में केतु के गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

**मेष राशि**

आप अपने जीवन में अचानक ऊर्जा और आत्मविश्वास बढ़ता देखेंगे। आपका खुद पर ज्यादा ध्यान रहेगा। आप मतलबी और स्वार्थी ना बन जाएं। अपने जीवन साथी के साथ वाद-विवाद या लड़ाई करने से बचें।

**वृषभ राशि**

इस दौरान अपने घर या जन्मभूमि से दूर जा सकते हैं। काम के लिए विदेश जाना हो या कार्यस्थल में बदलाव करना हो, तो इसके लिए यह समय अनुकूल है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें।

**मिथुन राशि**

आप अपनी मनोकामना पूर्ति या अधिक धन कमाने के कुछ ज्यादा ही जोश में दिख सकते हैं। पारिवारिक या प्रेम संबंधों पर असर पड़ सकता है। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों या विद्यार्थियों को अपने रास्ते में बाधा मिल सकती है।

**कर्क राशि**

पेशेवर जीवन पर ज्यादा ध्यान देंगे और अपने घरेलू या पारिवारिक जीवन की अनदेखी कर सकते हैं। इससे आपका जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। परिवार में किसी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ सकती है।

**सिंह राशि**

धर्म को लेकर कुछ ज्यादा रुचि दिखा सकते हैं। तीर्थयात्रा, जागरण या धार्मिक कार्यों में व्यय हो सकता है। विदेश यात्रा के इच्छुक लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। अपने पिता के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सचेत रहें।

**कन्या राशि**

गला खराब हो सकता है, बोलने में कुछ भी मुंह से गलत निकल सकता है। वहीं शरीर में स्वास्थ्य संबंधी परेशानी भी हो सकती है। शराब आदि से दूर रहें, क्योंकि दुर्घटना के योग भी बन सकते हैं।

**तुला राशि**

यह समय दूसरों की चिंता करने या उनकी मदद करने की कोशिश से जुड़ा है। अपने जीवनसाथी, परिवार, साझेदार, दोस्तों आदि को लेकर फिक्रमंद रहेंगे। बेहतर होगा कि इस दौरान आप खुद को भी समय दें और दूसरों की मदद के लिए जुनूनी ना बनें।

**वृश्चिक राशि**

आपके लिए यह अवधि अनुकूल रहेगी। किसी विवाद या कानूनी मामलों से जूझ रहे हैं तो इस दौरान परिणाम आपके पक्ष में आने की संभावना है। परिणाम आपके पक्ष में आएगा। बारहवें भाव में केतु का गोचर आपको अध्यात्म की ओर ज्यादा प्रवृत्त करेगा।

**धनु राशि**

कला, संगीत, क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों के लिए यह समय बेहद शानदार होगा। ये संतान का भाव भी है, इसलिए इस दौरान गर्भवती महिलाओं का ध्यान रखें। शिक्षा के क्षेत्र में कुछ गलत फैसले भारी पड़ सकते हैं।

**मकर राशि**

व्यवस्थित ढंग से कार्य करें। माता से संबंध बिगड़ सकते हैं। लेकिन भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। अपने जीवन को व्यवस्थित रखें और कोई गलत काम ना करें, क्योंकि इस अवधि में किसी भी गलत कार्य की फौरन सजा मिलेगी।

**कुंभ राशि**

संचार की नई कला सीखने में कामयाब रहेंगे। आपकी वाणी संतुलित और प्रभावी होगी और आप किसी भी अपे विचारों से प्रभावित कर पाएंगे। अपने शानदार संचार कौशल से आप अपना कोई भी अटका काम पूरा करवा सकते हैं।

**मीन राशि**

आप ज्यादा खानपान या पीने की इच्छा महसूस करेंगे। इस वजह से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बढ़ सकती हैं। वहीं दुर्घटना होने की भी संभावना बनती है। इस दौरान गलत कदमों या व्यवहार की वजह से आपकी छवि भी खराब हो सकती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

# रसोईघर की दिशा सही नहीं होने से आती है परेशानियां

घर परिवार में कभी-कभी अचानक से परेशानियां बढ़ने लगती हैं। घर में कोई न कोई बीमार रहने लगता है। अचानक से फालतू खर्च बढ़ने लगते हैं और धन संबंधित समस्याएं होने लगती हैं। यदि आपके साथ भी ऐसा हो रहा है तो एक बार वास्तु से जुड़ी बातों पर ध्यान अवश्य दें। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि रसोई एक ऐसा स्थान होता है, जहां पर परिवार के सभी सदस्यों के लिए भोजन बनता है यदि इस स्थान पर कोई दोष हो तो इसका प्रभाव खाना बनाने वाले के साथ ही पूरे परिवार पर पड़ता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि रसोई में भोजन बनाते समय मुख सही दिशा में न हो तो परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का किचन आग्नेय कोण में होना शुभ माना जाता है जबकि अगर घर का किचन पश्चिम दिशा में होता है, तो घर के सदस्यों में बार-बार बीमार पड़ने का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसा होता है कि अच्छी डाइट लेने के बाद भी लोग बीमार पड़ जाते हैं या फिर अपने ही घर का खाना लोगों को अच्छा नहीं लगता। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के खाने के साथ भी एक ऊर्जा जुड़ी होती है। इस ऊर्जा का हमारे तन-मन पर प्रभाव पड़ता है। जैसे, वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आपके घर विशेषकर किचन में नकारात्मक ऊर्जा है, तो इसका प्रभाव आपके खाने पर भी पड़ता है। किचन में वास्तु दोष होने से लोग बीमार पड़ने लगते हैं या फिर खाना खाने के बाद उनकी मनोस्थिति सही नहीं रहती। ऐसे में आपको किचन से जुड़े वास्तु नियम जरूर जान लेने चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भी उत्तर दिशा की ओर मुख करके भोजन बनाना शुभ नहीं माना जाता है। इस दिशा में मुख करके कभी भोजन नहीं बनाना चाहिए। इस दिशा में मुख करके भोजन बनाने से घर में कलह की स्थिति उत्पन्न होती है और धन संबंधित समस्याएं भी आने लगती हैं। इसके साथ ही कार्य क्षेत्र में भी परेशानियां आने लगती हैं। उच्चअधिकारियों और सहयोगियों के साथ संबंध खराब होने लगते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार भूलकर भी दक्षिण दिशा की तरफ मुख करके भोजन नहीं बनाना चाहिए। इस दिशा में मुख करके भोजन बनाने वाले को हमेशा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं लगी रहती हैं। जो व्यक्ति खाना बनाता हो उस जोड़ों के दर्द, माइग्रेन और कंधों के दर्द की तकलीफ लगी रहती है साथ ही धन संबंधित परेशानियां भी लगी रहती हैं। घर में धन नहीं टिकता है।

### पूर्व दिशा में मुख करके भोजन बनाना

वास्तुशास्त्र के अनुसार पूर्व दिशा में मुख करके भोजन बनाना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दिशा में मुख करके भोजन बनाने से घर में किसी प्रकार से अन्न और धन की कमी नहीं होती है। घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है। परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

### किस दिशा में होना चाहिए किचन

वास्तु शास्त्र के अनुसार आग्नेय कोण को रसोईघर के लिए सबसे शुभ माना जाता है। घर की पूर्व और दक्षिण दिशा के बीच के क्षेत्र को आग्नेय कोण कहते हैं। यह दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी हुई है। आग्नेय कोण को अग्नि कोण भी कहा जाता है। अग्नि कोण के स्वामी शुक्र ग्रह हैं। इस दिशा में रसोईघर होने से घर में सुख-समृद्धि तो बनी ही रहती है। साथ ही घर के लोग भी सेहतमंद रहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ दिशाओं को किचन बनाने के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। जैसे, उत्तर या ईशान कोण में बना किचन गंभीर रोग का कारण बन सकता है, इसलिए अपने घर में रसोईघर को भूलकर भी दक्षिण-पश्चिम दिशा में न बनाएं। इसके अलावा पश्चिम दिशा को भी किचन बनाने के लिए सही नहीं माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आप घर की पश्चिम दिशा में किचन बनाते हैं, तो इससे गृह क्लेश की संभावना बढ़ जाती है।

### गैस की सही दिशा

किचन में सबसे जरूरी माना जाता है गैस स्टोव का सही दिशा में होना। वास्तु के हिसाब से किचन के लिए सबसे आदर्श दिशा दक्षिण-पूर्व मानी जाती है। तो इस हिसाब से गैस स्टोव को पूर्व दिशा की स्लैब पर रखा होना सबसे उचित माना जाता है। अगर आपके घर में किचन दक्षिण-पश्चिम में होती है तो ऐसा देखने में आता है कि परिवार के पुरुष सदस्यों की परेशानी बढ़ने लगती है। इस दिशा में किचन का होना आपके वंश को आगे बढ़ाने में बाधक माना जाता है।

### गलत दिशा में भोजन का बनना

अगर आपके घर के किचन में गलत दिशा में भोजन बनता है तो यह बहुत ही नुकसानदेह है। ऐसा होने से आपके परिवार के पुरुषों को कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं रहने लगती हैं। ऐसे घरों के पुरुष आम तौर पर अक्सर बुखार, डायबीटीज और हायपरटेंशन से परेशान रहते हैं।

### महिलाओं को समस्या

अगर आपके घर की महिलाएं गलत दिशा में मुख करके भोजन बनाती हैं तो भी शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार रहने लगती हैं। ऐसी महिलाओं के जोड़ों में दर्द रहने लगता है। उन्हें कमर में दर्द और मानसिक तनाव से दोचार होना पड़ता है। यहां तक कि उनको अपच की समस्या भी रहने लगती है।

### आग और पानी एक साथ

कहावत है न कि आग और पानी का कोई साथ नहीं होता। यह बात आपकी किचन के मामले में भी एकदम फिट बैठती है। अगर आपकी किचन में गैस स्टोव और नल एक ही दिशा में हैं तो यह सबसे बड़ा दोष माना जाता है। जिन घरों में ऐसा होता है वहां परिवार के लोगों के बीच क्लेश बना रहता है। एक-दूसरे की बात कोई नहीं सुनता है। बेहतर होगा कि गैस स्टोव को उधर भूलकर भी न रखें, जिधर आपका नल हो।

### इस बात का रखें ध्यान

आजकल देखने में आता है कि लोग अपने घरों में मॉड्यूलर किचन बनवाते हैं। इसमें कोई बुराई भी नहीं है। लेकिन एक बात का ध्यान रखना जरूरी है कि महिलाएं जहां खड़े होकर खाना बनाती हों उस स्थान और मुख्य द्वार के बीच में एक पर्दा, या फिर कोई दीवार होना जरूरी है। ऐसा नहीं होने पर आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है और महिलाओं के घुटनों में भी दर्द रहने लगता है।

### उपाय

आपके रसोईघर अगर गलत दिशा में बन गया है, तो तोड़-फोड़ करने से अच्छा है कि आप किचन में कुछ ऐसे उपाय करें, जिससे कि किचन की ऊर्जा सकारात्मक बनी रह सके। इसके लिए सबसे पहले किचन में सुबह और शाम लोबान का धुआं फैलाएं। इसके अलावा किचन में उत्तर-पूर्व दिशा में सिंदूरी गणेश जी की तस्वीर लगाएं।

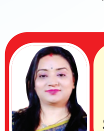

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

# हथेली पर ऐसी भाग्य रेखा देती है सरकारी नौकरी के संकेत, बन सकते हैं बड़े अधिकारी

भाग्य रेखा को शनि रेखा के नाम से भी जाना जाता है। किसी व्यक्ति का भविष्य जानने के लिए इस रेखा को देखने के साथ-साथ हाथ की बनावट पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है। माना जाता है कि भाग्य रेखा का संबंध मनुष्य के सांसारिक जीवन से होता है। इस रेखा को देखकर पता लगाया जा सकता है कि आपको सफलता प्राप्त होगी या नहीं। साथ ही, भाग्य रेखा यह भी बताती है कि हमारे जीवन में किस प्रकार की बाधाएं और कठिनाइयां आ सकती हैं। भाग्य रेखा का उदय ज्यादातर जीवन रेखा, चंद्र रेखा शीर्ष रेखा या हृदय रेखा से होता है। आइए विस्तार से जानते हैं कि हथेली में भाग्य रेखा हमें हमारे जीवन और सफलता के बारे में क्या-क्या बताती है।

### इन लोगों को मेहनत से मिलती है कामयाबी और धन

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर भाग्य रेखा जीवन रेखा से शुरू होकर उसी स्थान पर समाप्त हो जाए, तो ऐसे लोगों को जीवन में सफलता और धन पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। भाग्य रेखा का जीवन रेखा पर ही समाप्त होना बताता है कि आपको जीवन में कई उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, आने वाले समय में करियर में भी कई समस्याएं आपके सामने आ सकती हैं। लेकिन आप अपनी कड़ी मेहनत और योग्यता से जीवन में सफलता और धन प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, अगर भाग्य रेखा बहुत नीचे मणिबंध के पास जीवन रेखा से जुड़ी हुई हो, तो इसका अर्थ होता है कि जातक के जीवन का शुरुआती भाग अपने माता-पिता और परिवार के सदस्यों की इच्छाओं पर आधारित हो सकता है।

## ऐसे लोगों को मिलती है जीवन में बड़ी सफलता और सौभाग्य

माना जाता है कि अगर भाग्य रेखा मणिबंध से शुरू होकर सीधी अपने स्थान यानी शनि क्षेत्र में पहुंच जाए, तो इसे बहुत अच्छा संकेत माना जाता है। इसका अर्थ होता है कि ऐसे लोग जीवन में खूब कामयाबी हासिल करेंगे और साथ ही, हथेली पर ऐसी रेखा को जीवन में सौभाग्य का सूचक भी माना जाता है। अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर भाग्य रेखा चंद्र क्षेत्र से निकल रही हो, तो ऐसे लोगों को दूसरों की सहायता या प्रोत्साहन से जीवन में बड़ी सफलता हासिल हो सकती है। इस तरह की रेखा वाले लोग राजनीति के क्षेत्र में या सामाजिक कार्यकर्ता भी बन सकते हैं।

### इन स्त्रियों को मिलता है धनवान जीवनसाथी

अगर भाग्य रेखा सीधी हो और चंद्र क्षेत्र से उठकर कोई रेखा उसमें मिल जाए, तो ऐसे लोगों को अपने जीवन में किसी स्त्री या जीवनसाथी की मदद से भाग्य में सफलता और धन प्राप्ति होती है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, ऐसी रेखा होने पर केवल किसी के समर्थन या मदद के भरोसे नहीं रहना चाहिए। बल्कि कड़ी मेहनत और अपनी बुद्धि से जीवन में सफलता प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। वहीं, अगर किसी स्त्री के हाथ में चंद्र क्षेत्र से इस प्रकार की रेखा भाग्य रेखा के पास पहुंचकर उसके साथ ऊपर की तरफ चलने लगे, तो यह बताती है कि उस स्त्री का जीवनसाथी बहुत धनवान होगा। साथ ही, उनके समर्थन से स्त्री को अपने जीवन में उन्नति मिलेगी।

### इन लोगों की लग सकती है सरकारी नौकरी

माना जाता है कि अगर जीवन रेखा के रास्ते में किसी स्थान से कोई शाखा निकले और वह शनि की बजाए किसी दूसरे ग्रह की ओर चली जाए, तो उसका प्रभाव व्यक्ति के गुणों और भविष्य पर पड़ता है। इसका अर्थ है कि जिस ग्रह के समीप भी रेखा गई है उस ग्रह के गुणों के अनुसार आप जीवन में आगे बढ़ेंगे। हस्तरेखा विज्ञान के मुताबिक, अगर भाग्य रेखा शनि की बजाए बृहस्पति क्षेत्र की तरफ पहुंच जाए, तो वह व्यक्ति बहुत ज्ञानी होता है और समाज में प्रतिष्ठा और मान-सम्मान हासिल करता है। साथ ही, ये लोग अपनी मेहनत व योग्यता से भविष्य में सरकारी नौकरी में बड़े अधिकारी भी बन सकते हैं। ऐसी रेखा को समृद्धि और सफलता का प्रतीक माना जाता है। अगर भाग्य रेखा हृदय रेखा से जुड़कर बृहस्पति क्षेत्र तक पहुंच जाए, तो ऐसे लोग अपनी लव लाइफ के चलते जीवन में बड़ी कामयाबी हासिल करते हैं और इन्हें कभी किसी चीज की कमी नहीं होती है।

# विलेन रंजीत की बेटी दिव्यांका बॉलीवुड से रहती हैं दूर

## एक्टिंग छोड़ फैशन और ज्वेलरी डिजाइनर में पिता का नाम किया रोशन

बॉलीवुड में कई ऐसे स्टार किड्स हैं, जिन्होंने अपने माता-पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए अभिनय में हाथ आजमाया। इनमें से कुछ सफल रहे, कुछ का करियर बॉलीवुड में फ्लॉप रहा। इससे परे कुछ बड़े-बड़े सितारों के ऐसे बच्चे भी हैं, जिन्होंने न तो अपने माता-पिता के नाम का सहारा लिया और न ही लाइमलाइट में आने की कोशिश की।

खुद को लाइम लाइट से कोसों दूर रखने वाले बच्चों में बॉलीवुड के खूंखार विलेन रंजीत की खूबसूरत बेटी दिव्यांका भी हैं। जिनके बारे में आपको ज्यादा कुछ भले ही न पता हो, लेकिन उन्होंने एक्टिंग से दूर रहकर अपने पिता का नाम रोशन किया है और काफी कुछ कमाया है। कौन हैं रंजीत की बेटी, जो खूबसूरती के साथ-साथ हैं सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर है, बता दें कि जहां रंजीत का चेहरा देखकर ही लोगों को डर लग जाता है, तो उसके अपोजिट उनकी बेटी की क्यूट सी स्माइल दिल जीतने के लिए काफी है। उनका पूरा नाम दिव्यांका बेदी हैं, जो एक बिजनेसवुमन हैं।

रंजीत की बेटी भले ही मीडिया से दूर हों, लेकिन इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हैं और उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग भी है। दिव्यांका ने अपने इंस्टा बायो में ये जानकारी शेयर की हुई है कि वह एक उम्दा फैशन और ज्वेलरी डिजाइनर हैं। इतना ही नहीं, फिटनेस में भी वह आलिया भट्ट हो या फिर कटरीना कैफ या दीपिका पादुकोण सभी को कड़ी टक्कर देती हैं। वह खुद एक फिटनेस सेंटर की मालकिन हैं और साथ ही पर्सनल ट्रेनर भी हैं।

बिजनेस के साथ-साथ रंजीत की खूबसूरत बेटी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और उनके 13 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। वह आए दिन कभी जिम करते हुए, तो कभी एडवेंचर की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। दिव्यांका बेदी खुद को तो फिट रखती ही हैं, साथ ही 83 साल की उम्र में भी अपने पिता की फिटनेस पर पूरा ध्यानङ्क देती हैं।

इंस्टाग्राम पर दिव्यांका अपनी मां आलोका बेदी और पिता रंजीत की प्यारी फोटोज शेयर करती हैं। फिटनेस में तो वह बड़ी-बड़ी अदाकाराओं को मात देती ही हैं, लेकिन इसके अलावा खूबसूरती में भी उनका कोई जवाब नहीं है। सोशल मीडिया पर उनकी ग्लैमरस तस्वीरें देखकर फैंस भी उन्हें एक्टिंग में आने की सलाह देते हैं।

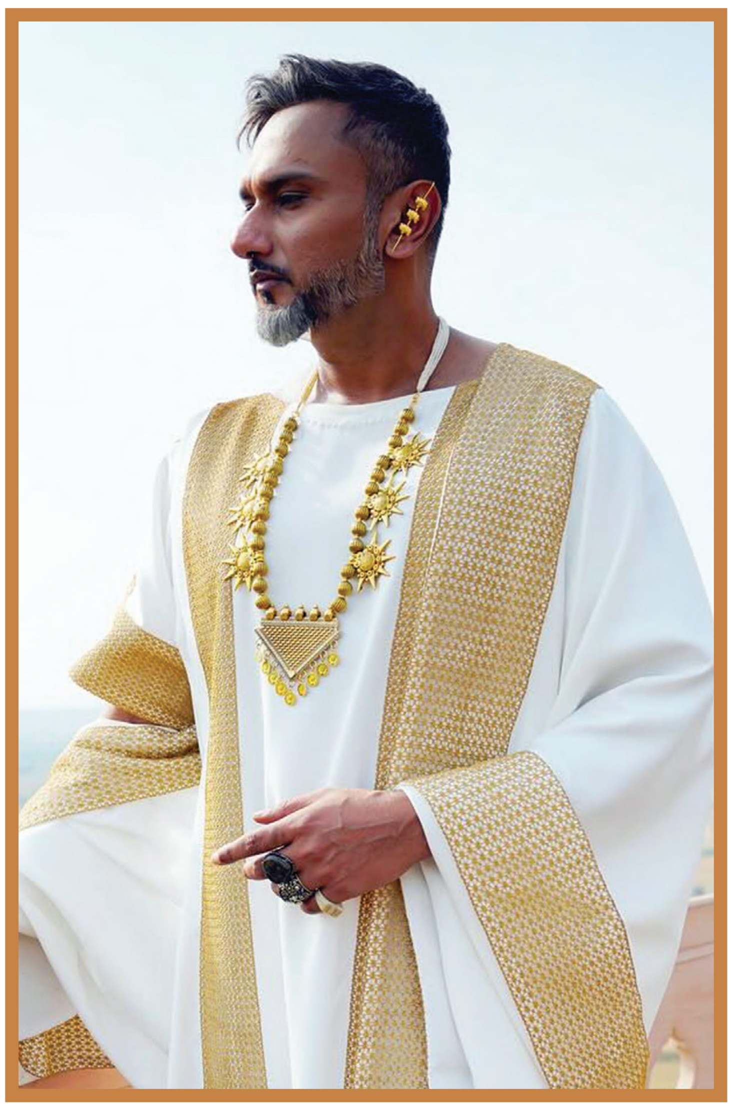

# डर हमें कमजोर नहीं बलवान बनाता है : हनी सिंह

गायक, रैपर हनी सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि डर हमें कमजोर नहीं बनाता, बल्कि हमें और मजबूत बनाता है। सिंह का मानना है कि हर डर से जूझने के बाद आप और बहादुर बनकर निकलते हैं।

हाउसफुल 5 मल्टी-स्टारर फिल्म है। इसमें अक्षय कुमार के साथ अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, फरदीन खान, जैकलीन फर्नांडिस, नरगिस फाखरी, नाना पाटेकर, सोनम बाजवा और चित्रांगदा सिंह के अलावा और भी सितारे अहम

हनी सिंह ने मजबूती या साहस को लेकर अपने विचार रखे। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर शेयर किए गए पोस्ट में उन्होंने लिखा, हर डर से एक साहस जन्म लेता है, डर हमें कमजोर नहीं, बल्कि बलवान बनाता है। सिंह का मानना है कि हर दिन नई चुनौतियों या डर का सामना करके, व्यक्ति अपने आप को एक जिम्मेदार, मजबूत, और समझदार इंसान के रूप में बदल लेता है। उन्होंने आगे लिखा, यही चीज मुझे भी मजबूत बनाने में मदद करती है। गायक का यह पोस्ट अपकमिंग फिल्म हाउसफुल 5 में गाए उनके गाने 'लाल परी' कॉपीराइट विवाद के बीच सामने आया है। जानकारी के अनुसार कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने पहले दिनेश प्रोडक्शंस से 'लाल परी' के अधिकार खरीदे, फिर जी म्यूजिक और मोफ्यूजन म्यूजिक स्टूडियो से भी कॉपीराइट क्लेम के बाद राइट्स खरीदने पड़े। 'लाल परी' गाने को हनी सिंह और सिमर कौर ने मिलकर गाया है और इसका म्यूजिक और लिरिक्स भी हनी सिंह ने तैयार किया है।

भूमिकाओं में हैं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।बता दें, यह कोई पहली बार नहीं है जब हनी सिंह विवादों में फंसे हैं। इससे पहले भी उनके नाम कई मुद्दे रहे हैं।

हनी सिंह का इसी साल गाना मैनिएक रिलीज हुआ था, जिसे उन्होंने टी-सीरीज और भूषण कुमार के साथ मिलकर तैयार किया। अभिनेत्री ईशा गुप्ता पर फिल्माए गाने के बोल को लियो ग्रेवाल ने लिखा और हनी सिंह ने कंपोज किया। 'मैनिएक' में एक भोजपुरी पैरा भी है, जिसे गायिका रागिनी विश्वकर्मा ने गाया है। गाने पर अश्लीलता के आरोप लगे और दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका भी दाखिल की गई। हालांकि, कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया।

वहीं, हनी सिंह की पूर्व पत्नी शालिनी तलवार ने उन पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था। हनी ने गुपचुप तरीके से शालिनी के साथ साल 2011 में शादी की थी और साल 2023 में दोनों का तलाक हो गया।

# पूनम पांडे ने शेयर की बोल्ड तस्वीर

## ओवरसाइज्ड स्वेटर और लॉन्ग बूट्स में दिखा स्टाइलिश अंदाज़

पूनम पांडे एक बार फिर अपने ग्लैमरस लुक को लेकर सोशल मीडिया पर छा गई हैं। उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह डीप नेक ओ-वरसाइज्ड स्वेटर, ब्लैक अंडरगारमेंट्स और लॉन्ग बूट्स में नजर आ रही हैं। तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने लिखा - यह मेरा मुझे नहीं पता था कि कैमरा चेहरे पर है है।

पूनम की यह तस्वीर वायरल हो चुकी है और फैंस उनकी बोल्डनेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कोई उन्हें क्यूट कह रहा है तो कोई वाह और बहुत सुन्दर जैसे कॉमेंट्स कर रहा है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट होने के कुछ घंटों में ही इस फोटो पर हजारों लाइक्स और सैकड़ों कॉमेंट्स आ चुके हैं।पूनम पांडे हमेशा से ही अपने बोल्ड अंदाज़ और बिंदास स्टाइल को लेकर सुर्खियों में रही हैं। इस बार भी उन्होंने अपनी स्टाइलिश अदाओं से फैन्स को इंप्रेस कर दिया है। स्वैग से भरे इस लुक में उन्होंने बालों को दोनों हाथों से पकड़ा हुआ है, जिससे फोटो को एक ड्रामैटिक टच मिला है।सोशल मीडिया पर पूनम का यह अंदाज़ एक बार फिर चर्चा में है और यह साफ है कि वह अपने फैंस को कभी निराश नहीं करतीं। चाहे लुक हो या कॉन्फिडेंस, पूनम पांडे हमेशा बिंदास अंदाज़ में सामने आती हैं और हर बार सुर्खियां बटोर लेती हैं।

# लंदन में शाहरुख खान ने कम फॉल इन लव के कलाकारों से की मुलाकात

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान लंदन में हैं। दरअसल, यहां उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे पर बन रहे म्यूजिकल ड्रामा कम फॉल इन लव का प्रीमियर 29 मई को होने वाला है। इसके लिए जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। इस बीच शाहरुख खान ने लंदन रिहर्सल रूम का अचानक दौरा किया और वहां कलाकारों से मिले। इस म्यूजिकल में सिमरन का किरदार निभा रहीं जेना पांड्या ने कहा, शाहरुख खान से मिलना और उन्हें रिहर्सल रूम में देखना वाकई सम्मान की बात है। उन्होंने शो के लिए बहुत समय और समर्थन दिया।

उन्होंने आगे कहा, शाहरुख खान को कुछ ऐसे आइकोनिक सीन्स दिखाने का मौका मिलना, जिन्हें उन्होंने और काजोल ने मिलकर बनाया था, यह एक खूबसूरत एहसास था। यह मुझे लंबे समय तक याद रहेगा। मैं अगले हफ्ते मैनचेस्टर जाने और इस कहानी को स्टेज पर पेश करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।कम फॉल इन लव-द डीडीएलजे म्यूजिकल को फिल्म के निर्देशक आदित्य चोपड़ा निर्देशित कर रहे हैं।

राज की भूमिका निभाने वाले एशले डे ने कहा, शाहरुख जब हमारे बीच आए, तो पूरा माहौल ही बदल गया। उन्होंने सारे कलाकारों को गले लगाकर मुबारकबाद दी और हर बढ़िया काम की दिल खोलकर तारीफ की।इस मौके पर संगीतकार विशाल ददलानी और शेखर रवजियानी भी मौजूद थे। उन्होंने शाहरुख से मुलाकात के बारे में बात की। विशाल

ददलानी ने कहा, शाहरुख का हमारी वर्कशॉप में आना एक बेहद सकारात्मक और प्रेरणादायक अनुभव था। राज ने राज से मुलाकात की। यह एक बेहद खास पल था। सबसे जरूरी बात, उन्हें हमारे गाने, कलाकारों की आवाजें और ऊर्जा बहुत पसंद आई।

वहीं शेखर ने कहा, शाहरुख खान की सेट पर अचानक उपस्थिति पूरी टीम के लिए एक यादगार और दिल को छू लेने वाला अनुभव था। उनकी मौजूदगी ही सब कुछ कहती है। असली राज से मिलना पूरी टीम के लिए सौभाग्य की बात थी। थिएटर शाहरुख के दिल के बेहद करीब है क्योंकि उनका करियर वहीं से शुरू हुआ था।

# बब्बू मान और गुरु रंधावा मेरे प्रेरणास्रोत है : निमृत कौर अहलूवालिया

टीवी के हिट शो छोटी सरदारनी में मेहर के किरदार से मशहूर हुई एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया अब सिनेमा की दुनिया में कदम रख रही हैं। वह अपनी पहली पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार के ज़रिए बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म में वह बब्बू मान और गुरु रंधावा जैसी जानी-मानी हस्तियों के साथ काम कर रही हैं। निमृत ने कहा, बब्बू मान सर और गुरु रंधावा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत ही प्रेरणादायक अनुभव था। मैं बचपन से इन दिग्गजों को देखती, सुनती और उनकी सराहना करती आई हूं। वे मेरे लिए रोल मॉडल की तरह हैं।उन्होंने कहा, पहले दिन से ही, उन्होंने गर्मजोशी और सम्मान के साथ मेरा स्वागत किया। बब्बू सर अपने अभिनय में इतनी गहराई और गंभीरता लाते हैं कि सेट पर हर कोई अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित होता है। वहीं गुरु इतने स्वाभाविक रूप से आकर्षक और सहयोगी हैं कि उनके साथ काम करना बहुत सहज लगता है। एक्शन और कट के बीच, मैं बहुत कुछ सीख रही थी, जैसे कोई मास्टरक्लास चल रही हो।

शौंकी सरदार की कहानी समाज, संस्कृति, और बदलाव से जुड़ी है। यह केवल मनोरंजन नहीं बल्कि सोचने के लिए प्रेरित करने वाली फिल्म है। सेट से जुड़े सूत्रों ने निमृत, बब्बू मान और गुरु रंधावा, तीनों के बीच एक मजबूत दोस्ती का खुलासा किया। सूत्रों ने बताया, वे न केवल ऑनस्क्रीन बल्कि ऑफस्क्रीन भी खूब मजाक-मस्ती करते हैं। उनकी दोस्ती और आपसी समझ परदे पर भी साफ झलकती है। हाल ही में फिल्म शौंकी सरदार का ट्रेलर जारी किया गया, जिसमें पंजाब की संस्कृति, जीवनशैली और जज्बातों को खूबसूरती से दर्शाया गया। फिल्म में जमकर एक्शन सीन हैं, लेकिन यह भाईचारे और गहरे पारिवारिक रिश्तों को भी उजागर करती है। ट्रेलर में गुरु रंधावा को मजेदार किरदार निभाते हुए दिखाया गया है, जो कहानी में दिलचस्प मोड़ लाते हैं और उसे आगे बढ़ाते हैं।इस फिल्म का निर्देशन धीरज केदारनाथ रत्तन ने किया है।

# फिल्म केसरी चैप्टर 2 तेलुगू का ट्रेलर रिलीज, अक्षय कुमार ने किया शेयर

बॉलीवुड इंडस्ट्री के खिलाड़ी यानी अक्षय कुमार सुर्खियों में बने रहते हैं। उनकी 18 अप्रैल के दिन हिंदी भाषा में रिलीज हुई फिल्म केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग की हर जगह वाहवाही हो रही है। यह फिल्म अब तेलुगू भाषा में रिलीज होने जा रही है। एक्टर ने सोशल मीडिया पर तेलुगू ट्रेलर रिलीज किया है। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म केसरी चैप्टर 2 का तेलुगू भाषा में ट्रेलर रिलीज किया। इस ट्रेलर को जारी करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- लोगों ने उन पर गोलियां चलाई, लेकिन उसने डरने के बजाय सच्चाई से जवाब दिया... तेलुगू में रिलीज से यह फिल्म अब तेलुगू भाषी दर्शकों तक भी पहुंचेगी, जहां देशभक्ति और ऐतिहासिक कहानियों को लेकर गहरी रुचि देखी जाती है।

इससे पहले एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फिल्म के तेलुगू वर्जन की रिलीजिंग डेट का खुलासा किया था। पोस्ट में फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जिस पर तेलुगू भाषा में फिल्म का नाम केसरी चैप्टर 2 लिखा था और नीचे की ओर रिलीजिंग डेट लिखी हुई थी। इस

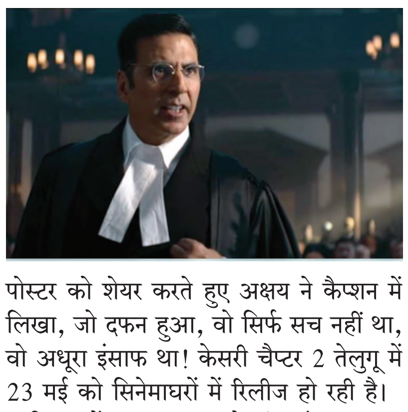

पोस्टर को शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन में लिखा, जो दफन हुआ, वो सिर्फ सच नहीं था, वो अधूरा इंसाफ था! केसरी चैप्टर 2 तेलुगू में 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

फिल्म में अक्षय कुमार ने सी. शंकरन नायर की भूमिका निभाई है, जो एक निडर वकील है। वह नरसंहार के बाद ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ता है। वहीं आर. माधवन ने तेजतर्रार वकील नेविल मैककिनले का किरदार निभाया, जो ब्रिटिश सरकार की तरफ से लड़ता है। इनके अलावा, अनन्या पांडे वकील दिलरीत गिल की महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आईं। यह फिल्म रघु पलट और पुष्पा पलट की किताब द केस दैट शूक द एम्पायर से प्रेरित है। फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी ने किया है।

# आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आज दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है। आज पानी का जरुरतमंदों को दान और सेवा करना चाहिए आत्मीयशान्ति मिलेगी ।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। आप माता–पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आ–वश्यकता है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा। वैवाहिक जीवन के उजले पहलू का अनुभव करने के लिए अच्छा दिन है।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। जीवनसाथी के कारण कुछ नुक़सान हो सकता है।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है । व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत ख़र्चा कर सकते हैं। बावजूस इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ़ उठा पाएंगे। इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। अपने जीवन–साथी के साथ प्यार, अपनापन और स्नेह महसूस करें। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक्क़तें आ सकती हैं। बच्चे और परिवार दिन का केंद्र–बिंदु रहेंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। आपके लिए यह उत्साह वर्धक दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है,आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। अगर आप सामूहिक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे, तो आप नए दोस्त बना सकते हैं। आप के दिल की धड़कनें आपके प्रिय के लिए ज्यादा ही धडकेगी, कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। अपने जीवनसाथी के स्नहे से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। आपका जीवनसाथी आपको पाकर ख़ुद को ख़ुशनसीब समझता है; इन पलों का भरपूर उपयोग करें। आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आपको कई स्त्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। यह अच्छा वक़्त है जो आपके लिए क़ामयाबी और ख़ुशहाली लाएगा। इसके लिए आपको अपनी कोशिशों और अपने परिवार से मिलने वाले सहयोग का शुक्रगुज़ार होना चाहिए। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। आपके हँसने–हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। ऐसा कोई जिसके साथ आप रहते हैं, आज आपके किसी काम की वजह से बहुत झुंझलाहट महसूस करेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। समय मुफ़्त ज़रूर है पर बेशक़ीमती भी है, इसलिए अपने अधूरे कार्यों को निपटाकर आप आने वाले कल के लिए निश्चिंत हो सकते हैं।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। आज आपको किसी अज्ञात स्त्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों के साथ शाम बिताना या ख़रीदारी करना मज़ेदार और रोमांचक रहेगा। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है। कोई फिल्म या नाटक देखकर आज अपना समय व्यतीत करेंगे ।

## आज का पंचांग

दिनांक : 18 मई 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 06:00 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा सायं 05:53 तक
योग : शुभ प्रातः 06:41 तक
करण : तैतिल प्रातः 06:00 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:41 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:38 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:32 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:31 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, सशस्त्र सेना दिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा गिरफ्तार

## पांच दिन की पुलिस रिमांड

**चंडीगढ़, 17 मई (एजेंसियां)।** पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से जुड़े जासूसी नेटवर्क के खिलाफ देश की सुरक्षा एजेंसियों ने कार्रवाई तेज कर दी है। पंजाब और हरियाणा पुलिस ने संयुक्त अभियान में कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनमें हिसार की मशहूर यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का नाम सबसे अहम है। ज्योति की गिरफ्तारी पंजाब के मलेरकोटला से पकड़ी गई गजाला नामक महिला से पूछताछ के बाद हुई, जिसमें जासूसी नेटवर्क से जुड़े कई अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। ज्योति मल्होत्रा पर जासूसी और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का गंभीर आरोप है। वह अपने ट्रैवल यूट्यूब चैनल के लिए जानी जाती हैं। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

डीएसपी कमलजीत ने बताया, कल (शुक्रवार को) हमें मिली सूचना के आधार पर हमने हरीश कुमार की बेटी ज्योति को ऑफिशियलसीक्रेटएक्ट और बीएनएस की धारा 152 के तहत गिरफ्तार किया है। उसका मोबाइल और लैपटॉप बरामद होने के बाद कुछ संदिग्ध चीजें मिली हैं। हमने उसे पांच दिन की रिमांड पर लिया है। आगे की जांच जारी है। वह लगातार एक पाकिस्तानी नागरिक के संपर्क में थी।

मिली जानकारी के मुताबिक, ज्योति पिछले दो वर्षों में तीन बार पाकिस्तान, एक बार चीन, और यूएई, बांग्लादेश, भूटान और थाईलैंड की यात्रा कर चुकी हैं। जांच में पता चला कि दो साल पहले वह पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी दानिश के संपर्क में आई थीं। पाकिस्तान यात्रा के दौरान ज्योति ने वहां के खुफिया अधिकारियों और अन्य संदिग्ध व्यक्तियों से मुलाकात की। भारत लौटने के बाद उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर संवेदनशील जानकारी साझा की और पाकिस्तान की सकारात्मक छवि बनाने का प्रयास किया।

पंजाब पुलिस ने मलेरकोटला से गजाला और उसके साथी यामीन मोहम्मद को गिरफ्तार किया। गजाला ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसका काम दानिश से पैसे लेकर जासूसों तक पहुंचाना था, जबकि यामीन भी दानिश के संपर्क में था। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि ज्योति ने न केवल गोपनीय सूचनाएं लीक कीं, बल्कि आईएसआई के इशारे पर भारत के खिलाफ प्रचार भी किया। उनके यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए कुछ वीडियो में संदिग्ध कंटेंट की भी जांच की जा रही है।पुलिस के मुताबिक, गजाला की गिरफ्तारी के बाद इस जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ। गजाला ने पूछताछ में कई अन्य जासूसों के नाम उजागर किए, जिसके आधार पर ज्योति को हिसार से हिरासत में लिया गया है।

# ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रीय गरिमा का प्रतीक : सैनी

**लाडवा, 17 मई (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज लाडवा के गांव बुहावी में तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारे बहादुर सैनिकों के साहस, निष्ठा और अनुशासन का प्रतीक है। यह सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय गरिमा का भी प्रतीक बन चुका है। उन्होंने इस अवसर पर गांव बुहावी के विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपए की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहाकि यह दिन राष्ट्रभक्ति और बलिदान की भावना को सच्ची श्रद्धांजलि देने का अवसर है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में शहीद हुए सैनिकों को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने चार दिनों में ही पाकिस्तान को घुटनों पर लाने का काम किया। उन्होंने उन माताओं को भी प्रणाम किया जिन्होंने ऐसे वीर सपूतों को जन्म दिया। उन्होंने उपस्थित लोगों से आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट रहने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

सैनी ने कहा कि हरियाणा की वीर भूमि के जवान भारत माता की सेवा में सदैव तत्पर रहते हैं और वीरता की मिसाल कायम करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तिरंगा यात्रा ने पूरे देश को यह संदेश दिया है कि देशभक्ति गांव की मिट्टी के कण–कण में बसी है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में हमारी सेनाओं ने आतंकवादियों के अड्डों को ध्वस्त कर पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की संप्रभुता पर हमला करने का अंजाम बुरा होता है। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन में 9 आतंकी ठिकाने और 11 पाकिस्तानी एयरबेस ध्वस्त किए गए।

सैनी ने कहा कि भारत ने सैन्य कार्रवाई के साथ–साथ गैर–सैन्य कार्रवाई भी की, जिसमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, वीजा और व्यापार बंद करना, और अटारी सीमा को सील करना शामिल था। उन्होंने कहा कि यह युद्ध नहीं, बल्कि नए भारत का प्रतिशोध था। मुख्यमंत्री ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर का नाम पहलगाम की घटना के कारण रखा गया, जहां आतंकवादियों ने महिलाओं के सिंदूर उजाड़े थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवादियों को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत की अस्मिता पर आंख उठाने वालों का क्या हाल होता है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सीजफायर की बात होने पर भारत ने संयम और शांति का परिचय दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत युद्ध का पक्षधर नहीं है, लेकिन शांति को कमजोरी समझने वालों को माकूल जवाब दिया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुभाष सुधा और भाजपा जिला अध्यक्ष तजेंद्र सिंह गोल्डी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

## पंजाब में कमल खिलेगा तो सभी किसान युवाओं को सम्मान मिलेगा : सैनी

**लाडवा, 17 मई (एजेंसियां)।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शनिवार को पानी के मुद्दे पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव में कमल खिलेगा और जनता आम आदमी पार्टी की सरकार को सत्ता से बेदखल करेगी। सैनी ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद पंजाब में किसानों, युवाओं, महिलाओं को सम्मान दिया जाएगा जो मान की सरकार में अब तक नहीं मिला। लाडवा पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मीडिया से पानी के मुद्दे पर कहा कि हमें संदेश मिला है कि यह (पंजाब) सरकार गुरुओं की शिक्षाओं के खिलाफ जा रही है। यहां तक कि जब कोई अजनबी घर आता है, तो हम उसे पीने का पानी देते हैं। मैंने पंजाब के मुख्यमंत्री से कहा कि पानी प्रकृति का उपहार है, और किसी को भी पीने के पानी से वंचित नहीं किया जा सकता। यह मानवता का मामला है कि हर घर में पानी की पहुंच होनी चाहिए। मानसून के दौरान, हरियाणा को अधिक पानी की आवश्यकता होती है, और हमें हमेशा पर्याप्त आपूर्ति मिलती है।

# हुड्डा ने गुमशुदगी व अपहरण मामलों पर चिंता जताई

**चंडीगढ़, 17 मई (एजेंसियां)।** पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हरियाणा में लगातार बढ़ रहे गुमशुदगी और अपहरण के मामलों पर गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश से रोजाना 45 से ज्यादा लोग लापता हो रहे हैं। यह तो मात्र वो मामले हैं, जो पुलिस थानों में दर्ज होते हैं। असल में ऐसे कई मामले होते हैं, जिनकी रिपोर्ट तक दर्ज नहीं होती। इसलिए यह आंकड़ा और बड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि सिर्फ इस साल जनवरी से मार्च तक के आंकड़ों को देखें तो प्रदेश से 4100 लोग लापता हुए हैं और 1000 से ज्यादा लोगों का अपहरण हुआ है। यानी प्रदेश में रोज लगभग 12 लोगों का अपहरण होता है। यह बेहद ही चिंताजनक हालात हैं। ये आंकड़े अपने आप प्रदेश की कानून व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं।

हुड्डा ने कहा कि खुद केंद्र सरकार द्वारा जारी सामाजिक प्रगति सूचकांक में हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य बताया गया। केंद्र सरकार द्वारा ही जारी एनसीआरबी के आंकड़े भी इसकी तस्दीक करते हैं कि हरियाणा अपराध के मामले में बड़े–बड़े राज्य को पीछे छोड़कर पहले पायदान पर पहुंच गया है। अब राज्य के मानवाधिकार आयोग ने भी इस मामले में हरियाणा पुलिस को नोटिस जारी कर 8 हफ्ते के भीतर रिपोर्ट मांगी है। स्पष्ट है कि भाजपा ने प्रदेश की कानून व्यवस्था का पूरी तरह दिवाला निकाल दिया है। लगातार अपहरण और गुमशुदगी का शिकार हो रहे लोगों की सुरक्षा को लेकर बड़ी चिंता इसलिए भी है, क्योंकि इसमें मानव तस्करी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। क्योंकि, अक्सर देखा गया है कि अपहरण का शिकार महिलाएं और बच्चे बंधुआ मजदूरी, यौन शोषण और मानव अंग के अवैध व्यापार जैसी आपराधिक गतिविधियों का शिकार भी होते हैं।

# राजस्थान में पर्यटन और फिल्म नीति जल्द होगी जारी : दिया कुमारी

**जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)।** प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को सचिवालय, जयपुर में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यटन सचिव रवि जैन सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य की पर्यटन नीति एवं फिल्म नीति को अंतिम रूप देकर शीघ्रता से जारी किया जाए, जिससे प्रदेश में पर्यटन और फिल्म निर्माण को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने एडवेंचर टूरिज्म योजना पर तीव्रता से कार्य करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

पर्यटन स्थलों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उपमुख्यमंत्री ने पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने जयपुर सहित समस्त प्रमुख पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता, पेयजल और शौचालयों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उपमुख्यमंत्री ने एसीबी द्वारा प्रस्तावित रोपवे परियोजनाओं – आमेर, रणथंभौर, चित्तौड़गढ़ व बांसवाड़ा की प्रगति की समीक्षा की और अजमेर स्थित चामुंडा माता मंदिर के लिए भी रोपवे कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।इसके अतिरिक्त, उपमुख्यमंत्री ने शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण, अल्बर्ट हॉल के जीर्णोद्धार, लाइट एंड साउंड शो, बावड़ियों के संरक्षण, डेजर्ट टूरिज्म, वार म्यूजियम (झुंझुनू व जैसलमेर), टैगोर योजना और महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट सहित आरटीडीसी के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए।

# समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण के प्रति संकल्पबद्ध सरकार : कुमावत

**पाली, 17 मई (एजेंसियां)।** पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत अपने दो दिवसीय प्रवास के तहत पाली पहुंचे। उन्होंने सर्किट हाउस में मैराथन जनसुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी करीब 250 से अधिक परिवेदनाएं प्राप्त हुईं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। इससे पहले सर्किट हाउस पहुंचने पर पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑर्नर दिया।मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार आमजन की समस्याओं के समयबद्ध और त्वरित निस्तारण के प्रति संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार जनसुनवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन की सरकार और भाजपा जनसेवा को समर्पित है। भाजपा का कार्यकर्ता सही मायनों में आमजन के सुख–दुःख का भागीदारी बनता है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रत्येक प्रकरण को संबंधित विभाग के अधिकारियों के माध्यम से निस्तारित करवाया जाता है।

# राजस्थान में भीषण गर्मी का संकट

## पाकिस्तान में बने एंटी साइक्लोन ने बढ़ाई परेशानी

**बीकानेर, 17 मई (एजेंसियां)।** राजस्थान इन दिनों गर्मी की आगोश में है और हालात दिन–ब–दिन और खराब होते जा रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार राज्य में भीषण गर्मी के पीछे पाकिस्तान में बना एक शक्तिशाली एंटी साइक्लोन है, जिसने वातावरण की पूरी दिशा और दशा बदल दी है। इस मौसमी बदलाव के चलते राज्य के कई हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है और अगले 10 से 15 दिनों तक इससे राहत मिलने के कोई संकेत नहीं हैं।

मई की शुरुआत में राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के कारण कई जगहों पर आंधी और बारिश देखने को मिली थी। लेकिन अब यह प्रभाव खत्म हो चुका है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, हवा की गति बढ़ने और नमी खत्म होने के साथ–साथ पाकिस्तान के ऊपर एक स्थिर एंटी साइक्लोनिक सिस्टम विकसित हो गया है, जिसके चलते पश्चिमी राजस्थान विशेष रूप से प्रभावित हो रहा है। इस एंटी साइक्लोन के नीचे एक हीट लो यानी कम दबाव का क्षेत्र भी बन गया है, जिससे गर्म हवाएं (लू) और अधिक सक्रिय हो गई हैं। यह मौसमी संरचना न केवल तापमान को बढ़ा रही है, बल्कि शुष्क और गर्म हवाओं के कारण जीवन और जनजीवन दोनों को कठिन बना रही है। बीकानेर में शुक्रवार दोपहर 2:30 बजे तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया। दिन का अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री और रात का न्यूनतम तापमान 30.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि 22 मई तक तापमान लगातार 45 से 46 डिग्री के बीच बना रहेगा, जबकि रात का पारा भी 31 से 32 डिग्री तक जा सकता है – जो आमतौर पर राजस्थान के लिए भी असामान्य है।राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में यह गर्मी और भी खतरनाक साबित हो रही है। खेतों में काम करने वाले किसान, निर्माण स्थलों पर मजदूरी करने वाले श्रमिक और आम राहगीर लू के कारण पीड़ित हैं।

**जयपुर डकैती मामला**

# कांग्रेस नेता के घर में लूट की साजिश रचने वाला नौकर गिरफ्तार, पत्नी समेत तीन अभी भी फरार

**जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)।** राजस्थान की राजधानी जयपुर के पॉश इलाके वैशाली नगर में कांग्रेस नेता संदीप चौधरी के घर हुई डकैती के मामले में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। इस सनसनीखेज मामले में घर के नौकर भरत बिष्ट और उसके साथी हरि बहादुर धामी को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि डकैती में शामिल भरत की पत्नी काजल और दो अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। वारदात में लूटे गए नकदी और गहनों का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस के मुताबिक, भरत बिष्ट (28) मूल रूप से नेपाल का निवासी है और वह 28 अप्रैल से संदीप चौधरी के घर में बतौर घरेलू सहायक काम कर रहा था। भरत ने ही पूरी लूट की योजना बनाई और अपने साथी हरि बहादुर धामी (29) को नेपाल से बुलाकर वारदात को अंजाम दिलवाया। इस

वारदात में भरत की पत्नी काजल समेत कुल पांच लोग शामिल थे।

14 मई की दोपहर जब घर में कांग्रेस नेता की मां कृष्णा चौधरी, पत्नी ममता चौधरी, बेटा राजदीप और बेटी राजश्री मौजूद थे, तब इस गिरोह ने डकैती को अंजाम दिया। भरत और उसकी पत्नी काजल ने चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर कृष्णा और ममता को बेहोश कर दिया। इसके बाद नकदी और आभूषण समेट कर पांचों बदमाश मौके से फरार हो गए। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल डीसीपी आलोक सिंघल के नेतृत्व में विशेष टीमें बनाई गईं। तकनीकी शाखा की मदद से आरोपियों के हुलिए और मूवमेंट का अध्ययन किया गया। सीसीटीवी फुटेज में हरि बहादुर धामी को सबसे पहले घर में प्रवेश करते हुए देखा गया, जिससे पुलिस को उसके शामिल होने की पुष्टि हुई।

पुलिस ने डकैती के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए टीमें बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और नेपाल बॉर्डर की ओर रवाना कीं। तकनीकी सर्विलांस और मानवीय इंटेलिजेंस के आधार पर 16 मई को उत्तराखंड के रास्ते नेपाल बॉर्डर पार करने से पहले भरत बिष्ट और हरि बहादुर धामी को धर दबोचा गया। दोनों से अब गहन पूछताछ की जा रही है। इस वारदात ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि किस हद तक घरेलू नौकरों की पृष्ठभूमि जांचना जरूरी है। जयपुर जैसे बड़े शहरों में प्लेसमेंट एजेंसियों की भरमार है, लेकिन उनके सत्यापन और जांच प्रक्रिया अक्सर लापरवाह होती है। संदीप चौधरी का परिवार आज इस लापरवाही की कीमत चुका रहा है। पुलिस फिलहाल फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और उन्हें पकड़ने के लिए अलग–अलग टीमों को तैनात किया गया है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या यह गिरोह पहले भी ऐसी वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस की प्राथमिकता अब लूटी गई संपत्ति को बरामद करना और पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करना है।

### बीएन कॉलेज में बमबारी का मामला, राज्यपाल बोले–

# विद्या के मंदिर में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं, दोषियों की जल्द हो गिरफ्तारी

**पटना (एजेंसियां)।**

पटना विश्वविद्यालय के बीएन कॉलेज में हाल ही में हुई बमबारी की घटना ने शैक्षणिक माहौल को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए बिहार के कुलाधिपति एवं राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शनिवार को बीएन कॉलेज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कॉलेज प्रशासन, प्रिंसिपल और कुलपति के साथ बैठक की और कॉलेज व हॉस्टल परिसर का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया।

यह पहला अवसर था जब बिहार के किसी राज्यपाल ने स्वयं किसी शैक्षणिक संस्थान में हुई आपराधिक घटना के बाद मौके पर जाकर स्थिति का निरीक्षण किया। उनके साथ कुलपति समेत तमाम प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। राज्यपाल की सक्रियता से स्पष्ट हो गया कि इस तरह की घटनाओं को अब किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान महामहिम ने कॉलेज प्रबंधन से अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी ली। इस मामले में क्या कदम उठाए गए हैं, इसकी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कॉलेज प्रशासन को सख्त निर्देश दिए कि हॉस्टल में अवैध रूप से रह रहे या सामाजिक तत्वों की पहचान कर उन्हें तत्काल हटाया जाए। साथ ही बमबारी में शामिल आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का भी आदेश दिया।

मीडिया से बातचीत के दौरान राज्यपाल ने कहा कि विद्या के मंदिर में अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जा सकती। इस घटना से मैं बहुत मर्माहत हूं।

मैं हाथ जोड़कर छात्रों से अपील करता हूं कि वे शिक्षा को प्राथमिकता दें और किसी भी ऐसी गतिविधि से दूर रहें जो बिहार की छवि को धूमिल करे।

राज्यपाल ने आगे कहा कि छात्रों का काम पढ़ाई करना है, न कि हिंसा फैलाना। उन्होंने कॉलेज और विश्वविद्यालय प्रशासन से भी कहा कि ऐसी घटनाओं पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

राज्यपाल द्वारा निरीक्षण के दौरान हॉस्टल परिसर में कई खामियां सामने आई, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी कहा कि जिन छात्रावासों में बाहरी या संदिग्ध लोग रह रहे हैं, उनकी जांच कर उन्हें तुरंत बाहर किया जाए।

राज्यपाल के इस दौरे के बाद प्रशासनिक हलकों में भी तेजी आई है। पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन मिलकर बमबारी के आरोपियों की तलाश में जुट गए हैं। साथ ही कॉलेज के विभिन्न हिस्सों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, हॉस्टल में रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को कड़ा करने और प्रवेश-निकासी पर नियंत्रण जैसी पहल की जा रही है।

# सुल्लिया में निर्वाचित सहकारी समितियों का सम्मेलन आयोजित

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने शनिवार को दक्षिण कन्नड़ जिले के सुल्या विधानसभा क्षेत्र में आयोजित पार्टी के निर्वाचित सहकारी सम्मेलन का उद्घाटन किया।

बातचीत के दौरान उन्होंने कहा हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है जिसे पूरी दुनिया देख रही है। भविष्य में होने वाले सभी सहकारी चुनावों में पार्टी के उम्मीदवारों को जिताने का संकल्प लिया गया। सहकारी निर्वाचन क्षेत्रों में विभिन्न चुनावों में सभी नव निर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई दी गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एस. अंगारा, युवा मोर्चा के प्रदेश महासचिव एवं विधायक हरीश पूंजा, सांसद कैप्टन बृजेश चौटा सहित पार्टी पदाधिकारी, नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# बिहार के बेतिया में भीषण आग से 100 से ज्यादा परिवार बेघर, लाखों का नुकसान

**मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।**

बिहार के बेतिया जिले के बगहा अनुमंडल के बसवरिया पंचायत स्थित पड़री गांव में शुक्रवार शाम को भीषण आग लग गई। इस आग ने पूरे गांव में भारी तबाही मचा दी। करीब 100 से ज्यादा घर जलकर राख हो गए। इस आगलगी में लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है और लोग पूरी तरह बेघर हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले गांव में धुएं का गुबार उठा और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज गर्मी और आंधी की वजह से आग इतनी तेजी से फैली कि लोग घर से सामान भी नहीं निकाल पाए। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक पूरा इलाका आग की चपेट में आ चुका था। पीड़ितों का रो-रोकर बुरा हाल है। कई परिवारों का सब कुछ जलकर खत्म हो गया-न कपड़े बचे, न राशन, न पैसे। लोगों के पास सिर छुपाने की भी जगह नहीं बची है।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां, पुलिस, प्रशासन, मेडिकल टीम, और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। तेज आंधी और गांव की तंग गलियों की वजह से आग बुझाने में मुश्किल हुई, लेकिन काफी कोशिशों के बाद आग पर काबू पाया गया।

मुखिया रौशन कुमार तिवारी ने बताया कि सैकड़ों घर जल चुके हैं। प्रशासन पीड़ित परिवारों की सूची बना रहा है और अस्थायी घर और खाना मुहैया कराने की तैयारी कर रहा है। जिला परिषद प्रतिनिधि सोनू यादव ने कहा कि वरीय अधिकारियों को सूचना दे दी गई है और राहत और मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है

# संदिग्ध हालात में पेड़ से लटका मिला नेपाली युवक का शव

**दरभंगा (एजेंसियां)।**

समस्तीपुर शहर के बहादुरपुर मोहल्ला स्थित मॉडल हाई स्कूल के पास एक नेपाली युवक ने शुक्रवार रात अमरूद के पेड़ से लटक कर जान दे दी। मृतक नेपाल के तेरेथुम जिला के अठेय वार्ड-5 मोहल्ला का रहने वाला उत्तम कुमार बताया गया है। घटना की सूचना पर नगर पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

घटना को लेकर उसके साथ रहने वाले नेपाल के ही गंगा प्रसाद, हिमालय गोलाय आदि युवक ने बताया कि वे नेपाल के रहने वाले कुल पांच युवक हैं। बहादुरपुर में एक इंजीनियर के मकान में किराएदार के रूप में रहकर शहर के गोला रोड के पास फास्ट फूड की दुकान चलाते हैं। सभी लोग पार्टनरशिप में थे। गत वर्ष दशहरा के मौके पर समस्तीपुर आए थे। उत्तम कुमार पिछले दो दिनों से दुकान नहीं जा रहा था। क्वार्टर में ही रहकर सोता था।

उन लोगों ने आगे बताया कि रात को भी सभी लोग आए खाना-पीना खाकर सो गए। सुबह जब उन लोगों की नींद खुली तो उत्तम कुमार को अपने बिस्तर पर नहीं देखा। उसे खोजने के लिए इधर-उधर बाहर निकले तो देखा कि कैंपस के ही अमरूद के पेड़ से इसका शव लटक रहा है।

उत्तम के साथ रहने वाले युवकों ने बताया कि उत्तम कुमार ने तीन शादियां की थीं। लेकिन अब तीनों पत्नियों में से कोई भी उसके साथ नहीं रहती थी। सभी एक-एक कर छोड़कर चली गई थीं, जिस कारण उत्तम टेंशन में भी रहता था।

बताया जा रहा है कि घटनास्थल के पास ही उत्तम का मोबाइल भी रखा हुआ मिला। मोबाइल को ईट के सहारे खड़ा कर रखा गया था। देखने से लग रहा था कि आत्महत्या के दौरान उसने किसी को वीडियो कॉल किया था। हालांकि मोबाइल बंद हालत में मिला था, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

मृत युवक ने सिर्फ हाफ पैंट पहन रखा था। रेशम की रस्सी के सहारे उसका शव लटक रहा था और उसके दोनों पैर जमीन से सट रहे थे। घटना को लेकर नगर थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर शिवकुमार यादव ने बताया कि शहर में मित्रों के चाऊमीन बनाकर रोजी-रोटी कमाने वाला एक नेपाली युवक का शव मिला है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

# पटनावासियों को स्मार्ट टनल और मल्टी मॉडल हब की सौगात

### सीएम नीतीश बोले– अब काफी सुविधा होगी

**पटना (एजेंसियां)।**

पटनावासियों को पहला स्मार्ट टनल और मल्टी मॉडल हब की सौगात मिल चुकी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को जीपीओ के पास नवनिर्मित बहुमंजिला पार्किंग भवन (मल्टी मॉडल हब) तथा पटना जंक्शन तक भूमिगत पथ (सब-वे) का किया लोकार्पण किया। इस स्मार्ट टनल के जरिए आम लोग पटना जंक्शन से सीधे जीपीओ गोलंबर पहुंच सकेंगे। वहीं मल्टीलेवल पार्किंग से लोगों को जाम की समस्या से निजात मिलेगी। इसमें 225 कारें एक साथ पार्क हो पाएंगी। सीएम नीतीश कुमार ने स्मार्ट टनल और मल्टी मॉडल हब निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ट्रैवेलेटर, एस्केलेटर आदि का जायजा लिया और यात्री सुविधाओं तथा कनेक्टिविटी के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुये कहा कि इसकी शुरूआत होने से पटना जंक्शन और इसके आसपास के इलाकों में भीड़भाड़ कम होगी और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ होगी। जीपीओ गोलम्बर के नजदीक मल्टीलेवल हब को पटना जंक्शन से जोड़ने के लिए भूमिगत पैदल यात्री मार्ग (सब-वे) का निर्माण कराया गया है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन परिक्षेत्र अन्तर्गत यातायात व्यवस्था को विकसित करना है। इस भूमिगत पैदल यात्री मार्ग (सब-वे) एवं बहुमंजिला पार्किंग भवन का लोकार्पण होने से पैदल चलनेवाले लोगों को पटना जंक्शन तक आवागमन में काफी सुविधा होगी। हमने पूर्व में भी कई बार इस परियोजना के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया था उस दौरान बेहतर एवं व्यवस्थित ढंग से निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण कराने का निर्देश दिया था। बताया जा रहा है कि नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा 84.83 करोड़ रुपये की लागत से पटना जंक्शन के समीप भूमिगत पथ (सब-वे) का निर्माण कराया गया है। यह पटना जंक्शन के पास से प्रारंभ होकर जीपीओ गोलम्बर तक जाता है, जिसकी लम्बाई 440 मीटर है। इस परियोजना में जीपीओ गोलंबर के नजदीक 66.81 करोड़ रुपये की लागत से बहुमंजिला पार्किंग भवन (मल्टी मॉडल हब) का निर्माण किया गया है जहां बस, ऑटो, टैक्सी एवं निजी वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था है। पटना शहर के विभिन्न स्थानों से इस बहुमंजिला पार्किंग स्थल तक वाहन से पहुंचने के बाद पैदल यात्री भूमिगत पथ में नव-निर्मित स्वाचालित ट्रैवेलेटर से पटना जंक्शन तक आसानी से पहुंच सकते हैं। लोगों की सुविधा के लिए भूमिगत पथ तक पहुंचने के लिए दो लिफ्ट तथा दो स्वाचालित सीढ़ियां (एस्केलेटर) भी लगायी गयी है तथा पूरी लंबाई में एयरकंडीशनिंग की सुविधा भी दी गयी है। भूमिगत पथ में बुद्ध स्मृति पार्क के निकट एक अतिरिक्त प्रवेश/ निकास की सुविधा भी दी गयी है। भविष्य में इस भूमिगत पथ को निर्माणाधीन पटना मेट्रो स्टेशन से भी जोड़ने की योजना है।

# वार्ड पार्षद पर चचेरी बहू से दुष्कर्म का आरोप वीडियो से ब्लैकमेल कर बनाया अपना शिकार

**बेतिया (एजेंसियां)।**

बेतिया में वार्ड पार्षद पर चचेरी बहू से दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। मामला जिले के नरकटियागंज नगर परिषद के वार्ड-8 का है। जहां पार्षद सर्वेश वर्मा पर चचेरी बहू ने दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने शिकारपुर थाना में दिए आवेदन में पार्षद सहित तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसकी रमन गुप्ता नामक युवक से वीडियो कॉल पर बातचीत होती थी। इसी दौरान रमन ने गुप्त रूप से उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली और बाद में उसे वायरल कर दिया। यह अश्लील वीडियो नगर पार्षद सर्वेश वर्मा तक पहुंच गई, जो उसका रिश्ते में ससुर लगता है। पीड़िता का आरोप है कि वीडियो के आधार पर पार्षद ने उसे धमकाना शुरू किया और एक महीने पूर्व उसे ब्लैकमेल कर जबरन शारीरिक संबंध बनाए। वह लगातार उसे वीडियो वायरल करने की धमकी देता रहा और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता रहा। महिला ने आगे बताया कि 13 मई को दोपहर करीब 12 बजे जब उसका पति घर पर नहीं था, तब पार्षद उसके घर में घुस आया।

उसने दुबारा संबंध बनाने का दबाव डाला और डराकर जबरदस्ती करने की कोशिश की। लेकिन उसी समय पार्षद की बेटी वहां आ गई, जिससे महिला की आबरू बच गई। उसके बाद घटना की जानकारी महिला ने अपने पति को दी। जब महिला के पति और परिवार के अन्य लोग वार्ड पार्षद के घर इस संबंध में पूछताछ करने पहुंचे, तो पार्षद के बड़े भाई ने उन्हें गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और घर से भगा दिया।इधर, शिकारपुर थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि पीड़िता के आवेदन के आधार पर पार्षद सर्वेश वर्मा, संकेत वर्मा और रमन गुप्ता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता को मेडिकल जांच और न्यायिक बयान के लिए बेतिया भेजा गया है। पुलिस की टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही है।

# भारत-नेपाल सीमा पर कनाडाई नागरिक गिरफ्तार, अवैध वीजा के साथ कर रहा था सीमा पार करने की कोशिश

**मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।**

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के बीच रक्सौल सीमा से एक कनाडाई नागरिक हरप्रीत सिंह को एसएसबी ने गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ कि वह अवैध वीजा के सहारे भारत में रह रहा था और नेपाल के रास्ते देश से बाहर निकलने की फिराक में था। फिलहाल उसे मोतिहारी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और हरैया थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। एसएसबी की तैनात टीम ने रक्सौल के पास हरप्रीत सिंह को उस समय हिरासत में लिया जब वह सीमा क्षेत्र में संदिग्ध रूप से घूम रहा था। पूछताछ के दौरान जब उससे पहचान पत्र और वीजा दिखाने को कहा गया, तो उसके दस्तावेज अवैध और निरस्त हो चुके पाए गए। इसके बाद एसएसबी ने उसे तुरंत हरैया थाना पुलिस को सौंप दिया, जहां उसके खिलाफ विदेशी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। गिरफ्तार किए गए हरप्रीत सिंह की पहचान एक कनाडाई नागरिक के रूप में हुई है। जबकि भारत में उसका अस्थायी निवास पंजाब के कपूरथला में है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि वह कनाडा लौटने के लिए नेपाल के रास्ते हांगकांग होकर उड़ान पकड़ने की योजना बना रहा था, लेकिन वैध वीजा नहीं होने के कारण वह कानूनी प्रक्रिया से बचने की कोशिश कर रहा था।

यह कोई पहली घटना नहीं है जब भारत-नेपाल सीमा से विदेशी नागरिक अवैध दस्ता-वेजों के साथ पकड़े गए हैं। हाल के महीनों में चार चीनी और एक फ्रांसीसी नागरिक भी बिना वैध दस्तावेजों के इसी मार्ग से पकड़े गए हैं। कुछ दिन पहले ही एक फ्रांसीसी नागरिक को रक्सौल के रास्ते भारत में घुसने की कोशिश करते हुए बिना पासपोर्ट और वीजा के गिरफ्तार किया गया था।

बॉर्डर पर यह सख्ती उस समय और बढ़ गई जब कुछ ही दिन पहले मोतिहारी से एक खालिस्तानी आतंकी बलबीर सिंह उर्फ कश्मीर सिंह डिड्डुल को गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसियां अब इन घटनाओं को आपस में जोड़कर भी देख रही हैं कि कहीं सीमा पार से किसी संगठित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की गतिविधियों का हिस्सा तो ये घटनाएं नहीं हैं।

हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार ने बताया कि हरप्रीत सिंह के पास भारत का कोई वैध वीजा नहीं पाया गया, इसी आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पूछताछ में उसने कहा कि वह कनाडा लौटना चाहता था और नेपाल के रास्ते हांगकांग होकर उड़ान पकड़ने की कोशिश कर रहा था। फिलहाल उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com